



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 66]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 24, 1981/फाल्गुन 5, 1902

No. 66]

NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 24, 1981/P-FALGUNA 5, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के

रूप में रखा जा सके

arate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 फरवरी, 1981

सं० का० नि० 77(अ).—गैस सिलेण्डर नियम का पुनरीक्षित प्रारूप, भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1884 (1884 का 4) की धारा 18 की अपेक्षानुसार भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) की अधिसूचना सं० मा० का० नि० 523(अ), तारीख 1 मिनम्बर, 1979 के अधीन भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (i), तारीख 1 मिनम्बर, 1979, पृष्ठ 1107 से 1131 पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि की समाप्ति के पूर्व उन सभी व्यक्तियों से आशेष और सुझाव मांगे गए थे, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है ;

और उक्त राजपत्र 22 मिनम्बर, 1979 को ज्ञाता को उपलब्ध करा दिया गया था ;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रारूप की बाबत प्राप्त आशेषों और सुझावों पर विचार कर लिया है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1884 (1884 का 4) की धारा 5 और 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाने की है, अर्थात्:—

गैस सिलेण्डर नियम, 1981

अध्याय 1—प्रारम्भिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम गैस सिलेण्डर नियम, 1981 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. परिभाषाएँ.—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(i) “अधिनियम” से, भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1884 (1884 का 4) अभिप्रेत है ;

(ii) “मुख्य नियंत्रक” से, मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, भारत सरकार, अभिप्रेत है ;

(iii) “सक्षम व्यक्ति” से, मुख्यनियंत्रक द्वारा सक्षम व्यक्ति के रूप में मान्यताप्राप्त व्यक्ति, या वह व्यक्ति अभिप्रेत है जिसके पास उस कार्य में सक्षमता का, जिनमें कि सक्षमता अपेक्षित है, मुख्य नियंत्रक द्वारा इन निम्नलिखित मान्यताप्राप्त संस्था का प्रमाण-पत्र है ;

- (iv) "संपीड़ित गैस" से कोई स्थायी गैस, द्रवशील गैस या दाब के अधीन द्रव में विलीन गैस या गैस मिश्रण अभिप्रेत है, जो एक बन्द गैस सिलेण्डर में जो या तो $+15^{\circ}$ सेंटीग्रेड पर 2.5 के जी०जी०एफ० वर्ग सेंटीमीटर ए०जी० एस० (1.5 के जी०जी०एफ० वर्ग सेंटीमीटर मेज) से अधिक या $+50^{\circ}$ सेंटीग्रेड पर 3 के जी०जी०एफ० वर्ग सेंटीमीटर ए०जी० एस (2 के जी०जी०एफ० वर्ग सेंटीमीटर मेज) दाब या दोनों का प्रयोग करती है।

स्पष्टीकरण

हाइड्रोजन प्लोराइड संपीड़ित गैस के अन्तर्गत आती है, यद्यपि इसका वाष्प दाब 50° सेंटीग्रेड पर 1.7 से 1.8 वायु मंडलीय गज होता है;

- (v) किसी पत्तन के संबंध में "संरक्षक" के अन्तर्गत, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 7 के अधीन पत्तन के संरक्षक के रूप में नियुक्त अधिकारी या व्यक्ति निकाय के प्राधिकार के अधीन कार्य करने वाला व्यक्ति भी है;
- (vi) "विस्फोटक नियंत्रक" के अन्तर्गत उपमुख्य विस्फोटक नियंत्रक, उप-विस्फोटक नियंत्रक और सहायक विस्फोटक नियंत्रक भी हैं;
- (vii) "क्रांतिक तापमान" से वह तापमान अभिप्रेत है जिसके ऊपर गैस केवल दाब लगाने से द्रवित नहीं की जा सकती है;
- (viii) "विलीन ऐसिटिलीन सिलेण्डर" से सुरक्षा युक्त सहित या इसके बिना और बाल्ब युक्त ऐसा कोई सिलेण्डर अभिप्रेत है जिसमें संरक्षित द्रव्यमान, विलीन ऐसिटिलीन के भण्डारण के लिए विलायक और वायु मंडलीय दाब तथा $+15^{\circ}$ सेंटीग्रेड के तापमान पर विलायक को संतृप्त करने के लिए कम से कम पर्याप्त ऐसिटिलीन समाविष्ट है;

स्पष्टीकरण.—ऐसिटोन या उपयोग में लाया गया कोई विलायक, ऐसिटिलीन गैस या संरक्षित द्रव्यमान या सिलेण्डर या बाल्ब की धातु के साथ रासायनिक प्रतिक्रिया के योग्य नहीं होगा।

- (ix) "विलीन गैस" से ऐसी कोई गैस अभिप्रेत है जो दाब के अधीन किसी विनिष्ठ गैस, जैसे ऐसिटोन में ऐसिटिलीन या पानी में अमोनिया, के लिए उपयुक्त किसी तरल विलायक में विलीन हो जाती है;

- (x) "जिला प्राधिकारी" से अभिप्रेत है—

(क) पुलिस आयुक्त वाले नगरों में पुलिस आयुक्त या पुलिस उपायुक्त,

(ख) किसी अन्य स्थान में जिला मजिस्ट्रेट;

- (xi) "जिला मजिस्ट्रेट" के अन्तर्गत, अथवा जिला मजिस्ट्रेट भी है तथा पंजाब और हरियाणा राज्यों में और पाकिस्तानी संघ राज्यक्षेत्र के कराईकल, माहे और पानाम क्षेत्रों में, उपखण्ड मजिस्ट्रेट भी इसके अन्तर्गत हैं;

- (xii) "भरण दाब" से, $+15^{\circ}$ सेंटीग्रेड पर संपरिचित अधिकतम अनुमेय गज दाब अभिप्रेत है जिस पर स्थायी गैस और दाब के अधीन विलीन गैस, गैस सिलेण्डर में भरी जा सकती है;

- (xiii) "भरण अनुपात" से, सिलेण्डर में प्रविष्ट द्रवशील गैस के भार और $+15^{\circ}$ सेंटीग्रेड पर सिलेण्डर में समाने वाले पानी के भार के बीच अनुपात अभिप्रेत है;

- (xiv) "ज्वलनशील गैस" से ऐसी कोई गैस अभिप्रेत है जो या तो (आयतन में) 13 प्रतिशत या कम वायु के साथ मिश्रण से ज्वलनशील मिश्रण बनाती है या वायु के साथ जिसकी ज्वलनशीलता सीमा निम्न सीमा का ध्यान दिए बिना, 12

प्रतिशत से अधिक है और ये सीमाएं वायुमण्डलीय तापमान और दाब पर अवधारित की जाएंगी।

"ज्वलनशीलता सीमा" से वायु के साथ गैस का जो ज्वलनशील मिश्रण बनता है उसमें आयतन की दृष्टि से गैस के निम्नतम और उच्चतम प्रतिशत के बीच अन्तर अभिप्रेत है;

- (xv) "प्रक्षुब्ध" से अनुसूची 5 में दिया गया प्रक्षुब्ध अभिप्रेत है;

- (xvi) "गैस सिलेण्डर" या "सिलेण्डर" से संपीड़ित गैस के भण्डारण और परिवहन के लिए आश्रयित कोई बन्द धातु आधान अभिप्रेत है जो किसी विशेष परिवहन या अधोयान से जोड़े जाने के लिए डिजाइन नहीं किया गया है और जिसका आयतन 500 मिलीलिटर से अधिक किन्तु 1000 मिटर से अधिक है;

- (xvii) "उच्चदाब द्रवशील गैस" से -10° सेंटीग्रेड और $+70^{\circ}$ सेंटीग्रेड के बीच क्रांतिक तापमान वाली द्रवशील गैस अभिप्रेत है।

- (xviii) "द्रव्यैतिक प्रतिबल परीक्षण" से, सिलेण्डर को उसके परीक्षण दाब के बराबर द्रव्यैतिक दाब के अधीन करना और सिलेण्डर द्वारा भोले गए स्थायी प्रतिबल लेखबद्ध करना अभिप्रेत है।

- (xix) "द्रव्यैतिक परीक्षण" से कोई ऐसा परीक्षण अभिप्रेत है जिसमें कि सिलेण्डर को उसके परीक्षण दाब के बराबर उसके द्रव्यैतिक दाब के अधीन किया जाता है;

- (xx) "आयात" से भूमि समुद्र या वायु मार्ग से भारत में लाना अभिप्रेत है;

- (xxi) "निरीक्षण प्राधिकारी" से कोई ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो गैस सिलेण्डरों के डिजाइन, विनिर्माण और परीक्षण में अहं तथा जिसे व्यापक अनुभव प्राप्त है और जिसे मुख्य नियंत्रक द्वारा गैस सिलेण्डरों के निरीक्षण और प्रमाणन के लिए मान्यता दी गई है;

- (xxii) "प्रतिष्ठापन" से कोई ऐसा परिसर अभिप्रेत है, जिसमें किसी स्थान को, सिलेण्डरों में संपीड़ित गैस के विनिर्माण (भरण) या भण्डारण के लिए, विशेष रूप से तैयार किया गया है;

- (xxiii) "द्रवशील गैस" से ऐसी कोई गैस अभिप्रेत है जो -10° सेंटीग्रेड पर द्रवित हो सकती है किन्तु 30° सेंटीग्रेड पर सामान्य वायुमण्डलीय दाब (760 मि०मि० एस० जी०) के संतुलन में पूर्णतः वाष्पित हो जाती है;

- (xxiv) "निम्न दाब द्रवशील गैस" से 70° सेंटीग्रेड से अधिक क्रांतिक तापमान वाली द्रवशील गैस अभिप्रेत है;

- (xxv) "गैस विनिर्माण" से सिलेण्डर को किसी संपीड़ित गैस से भरना अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत एक सिलेण्डर से दूसरे सिलेण्डर को संपीड़ित गैस का अन्तरण भी है;

- (xxvi) "स्थायी गैस" से ऐसी गैस अभिप्रेत है जिसका क्रांतिक तापमान -10° सेंटीग्रेड से नीचे होता है, अर्थात् ऐसी गैस जो -10° सेंटीग्रेड से अधिक तापमान पर किसी भी दाब के अधीन, द्रवित नहीं हो सकती;

- (xxvii) "अनुसूची" से इन नियमों से उपाखण्ड अनुसूची अभिप्रेत है;

- (xxviii) (1) ऐसिटिलीन सिलेण्डर के संबंध में, "आधेय भार" से स्थायी तौर पर उपाखण्ड किन्हीं फिटिंगों सहित सिलेण्डर का भार अभिप्रेत है तथा इसके अन्तर्गत बाल्ब, किसी सुरक्षा युक्ति, संरक्षित द्रव्यमान, ऐसिटिलीन को धोलने के लिए विलायक की अपेक्षित मात्रा और वायुमण्डलीय

दाब तथा 15° सेंटीग्रेड के तापमान पर विलयक को सतृप्त बनाने वाली एन्टिथीन गैस का भार भी है ;

(2) द्रवशील गैस सिलेण्डर के संबंध में “प्राथम्य भार” से, स्थायी तौर पर उपावद्ध किसी फिटिंग सहित सिलेण्डर का भार अभिप्रेत है और उसके अस्तर्गत बाल्व का भार भी है ,

(3) स्थायी गैस सिलेण्डरों के संबंध में “प्राथम्य भार” से स्थायी तौर पर उपावद्ध फिटिंग सहित सिलेण्डर का भार अभिप्रेत है ,

(XXIX) “परीक्षण दाब” में, सिलेण्डर के द्रवस्थैतिक परीक्षण या द्रवस्थैतिक प्राथम्य परीक्षण के लिए अपेक्षित आन्तरिक दाब अभिप्रेत है या निम्नानुसार है

(1) स्थायी और उच्च दाब द्रवशील गैस के लिए इसकी गणना निम्नलिखित से की जानी चाहिए—

$$200 \text{ टी० भार ई}$$

$$\text{पी एच} = \frac{\text{टी 25 (डी०पी०टी)}}{\text{टी 25 (डी०पी०टी)}}$$

जहाँ

पीएच = क जी एक/वर्ग सटीमोटर में परीक्षण दाब

डीपी = सिलेण्डर का बाह्य व्यास मि०मी० में

टी = सिलेण्डर कवच की न्यूनतम परिकल्पित, मि०मी० में, दीवार की मोटाई

भार ई = सिलेण्डर की सामग्री का न्यूनतम पराभव सामर्थ्य के जी एच/वर्ग मि०मी० में । सामान्यतः कृत सिलेण्डरों की दशा में तनन सामर्थ्य के न्यूनतम मूल्य का 75 प्रतिशत और शक्ति तथा पानी चढ़ाए हुए सिलेण्डरों के मामले में तनन सामर्थ्य के न्यूनतम मूल्य का 85 प्रतिशत, परन्तु परीक्षण दाब का मूल्य पराभव सामर्थ्य के 80 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा ।

(11) निम्न दाब द्रवशील गैस के लिए :

65° सेंटीग्रेड पर गैस के सतृप्त वाष्प दाब का डेढ़ गुना या भा० मा० 8867 में यथा विनिर्दिष्ट है, इनमें जो भी उच्चतर हो ।

(XXX) “परिवहन” से किसी संपीड़ित गैस से भरे सिलेण्डर का एक स्थान से दूसरे स्थान को ले जाना अभिप्रेत है ;

(XXXI) “जल धारिता” से 15° सेंटीग्रेड पर सिलेण्डर द्वारा धारण किए जाने वाले पानी का आयतन, लिटरों में, अभिप्रेत है ,

(XXXII) “निम्न दाब द्रवशील गैस के लिए कार्यकरण दाब” से 65° सेंटीग्रेड पर सतृप्त वाष्प दाब अभिप्रेत है ,

स्पष्टीकरण :

विभिन्न गैसों के सतृप्त वाष्प दाब के लिए भा० मा० 3710 देखें ,

(XXXIII) “स्थायी गैस के लिए कार्यकरण दाब” से 15° सेंटीग्रेड पर सिलेण्डर में गैस का आन्तरिक दाब अभिप्रेत है ;

(XXXIV) “पराभव सामर्थ्य” में तनन परीक्षण में मूल गेज लम्बाई के स्थायी तनाव के 0.2 प्रतिशत के अनुरूप प्रतिबल अभिप्रेत है । व्यावहारिक प्रयोजनों के लिए इसे ऐसे प्रतिबल के रूप में लिया जा सकता है जब तनन परीक्षण में भार में बिना वृद्धि हुए प्रथम दैर्घ्य वृद्धि होती है ।

अध्याय 2

साधारण उपबन्ध

3 सिलेण्डरों का भरण, कब्जा, आयात और परिवहन — (1) कोई भी व्यक्ति, किसी सिलेण्डर में संपीड़ित गैस तब तक नहीं भरेगा या ऐसे भरे गए या भरे जाने के लिए आशयित किसी सिलेण्डर को तब तक आयात नहीं करेगा, कब्जे में नहीं रखेगा या उसका परिवहन नहीं करेगा जब तक कि—

(क) ऐसे सिलेण्डर और उसके बाल्व को, मुख्य नियंत्रक द्वारा जारी किए गए किसी आदेश द्वारा समय समय पर यथा सशोधित अनुसूची 1 में विनिर्दिष्ट प्रकार और मानक का नहीं बनाया गया है ,

(ख) सिलेण्डर और उनके बाल्व के संबंध में निरीक्षण प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया परीक्षण और निरीक्षण प्रमाणपत्र, मुख्य नियंत्रक को उपलब्ध नहीं कर दिया जाता है और उक्त प्राधिकारी का पूर्व अनुमोदन प्राप्त नहीं कर लिया जाता है ।

(2) अनुमोदित डिजाइन और विनिर्देश या कोड के अनुसार निरीक्षण और प्रमाणित सिलेण्डरों और बाल्वों के संबंध में निरीक्षण प्राधिकारी से प्राप्त अपेक्षित परीक्षण और निरीक्षण प्रमाणपत्र में अनुसूची II में दी गई जानकारी दी जाएगी ।

(3) सिलेण्डरों, बाल्वों और अन्य फिटिंगों को बनाने का इच्छुक कोई भी व्यक्ति, मुख्य नियंत्रक को, अनुसूची III में दी गई विशिष्टियाँ देगा ।

(4) उपनियम (1) में किसी बात के होते हुए भी, ऐसे सिलेण्डरों में, जो अनुसूची I में विनिर्दिष्ट विनिर्देशों के अनुरूप नहीं हैं और भरण के लिए तथा मूल देश के लिए लदाई करने या भारतीय अन्तरगाह से होकर विदेश जा रहे जलयान को प्रवाह करने के लिए भारत में आयात किए गए हैं, ऐसी गैस को भरा जा सकता है, परन्तु यह तब जब कि,—

(क) सिलेण्डर का, यथास्थिति, द्रवचालीय या द्रवस्थैतिक परीक्षण, इन नियमों में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर कर लिया गया है तथा परीक्षण के दौरान लगाया गया दाब, सिलेण्डर पर अंकित परीक्षण दाब होगा ।

(ख) सिलेण्डर में—

(1) भा० मा० 3710 में विनिर्दिष्ट भरण अनुपात से अधिक कोई द्रवशील गैस ,

(11) जिस दाब के लिए सिलेण्डर का डिजाइन किया गया है, उम दाब से अधिक पर कोई स्थायी गैस,

न भरी जाए ;

(ग) भरण स्टेशन पर सिलेण्डर के परीक्षण और भरण का अलग-अलग अभिलेख रखा जाए ,

(घ) भरे हुए सिलेण्डर भरण स्टेशन से हटाकर यथासंभव शीघ्र पोत पर लाद दिए जाएं ।

4 बाल्व — (1) गैस सिलेण्डरों में लगे बाल्व निम्नलिखित विनिर्देशों की पूर्णतया पूर्ति करेंगे, अर्थात् —

(क) औद्योगिक गैस सिलेण्डरों के संबंध में, भा० मा० 3224 ,

(ख) चिकित्सीय गैस सिलेण्डरों के सम्बन्ध में, भा० मा० 3745 ;

(ग) ब्रह्मन साधित के साथ प्रयोग में लाए जाने वाले सिलेण्डरों के लिये, समय समय पर यथासंशोधित भा० मा० 7302 ,

(घ) द्रवित पेट्रोलियम गैस भरने के लिए प्रयोग किए जाने वाले सिलेण्डरों के संबंध में, 5 लिटर से अनधिक जल धारिता

वाले सिलेण्डरों के लिए भा० मा० 8776, और 5 लिटर से अधिक जल धारिता वाले सिलेण्डरों के लिए भा० मा० 8737 ;

परन्तु यदि मुख्य नियंत्रक की यह राय है कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है तो वह, जो वाल्व किन्हीं विनिर्देशों के अनुरूप नहीं है, उनके प्रयोग की अनुमति दे सकता है।

(2) कार्बन डाइऑक्साइड सिलेण्डरों में लगे वाल्वों की बाड़ी में एक नरम किए गए तांबे की डिस्क से बना सुरक्षा मोचन इस प्रकार लगा होगा कि वह 200 और 220 कि०ग्रा०/वर्ग सेंटीमीटर के बीच दाब पर फट जाए।

(3) ज्वलनशील गैसों वाले सिलेण्डरों के लिए वाल्वों में, जिनको भा० मा० 3224 में सूचीबद्ध नहीं किया गया है, पाइपो या अन्य संयोजनों के लिए बाईं और चूड़ी वाले पेच निर्गम लगे होंगे।

(4) प्रत्येक अन्य वाल्व में दाहिनी ओर घूमने वाली चूड़ियों वाले पेच निर्गम होंगे।

(5) वाल्व, सिलेण्डर की गर्दन में पेच द्वारा लगाया जाएगा, न कि किसी स्थायी सम्बन्धन या बीच में अनुकूलक (एडेप्टर) लगाकर।

(6) तर्क प्रचालित वाल्वों का डिजाइन इस प्रकार का होगा कि जब इसे सिलेण्डर में लगाए, तब तर्क को सामान्य प्रचालन दशा में निकालना संभव नहीं होगा।

5. सुरक्षा मोचन युक्तियाः—(1) यदि भारत में विनिर्मित सिलेण्डरों की बाड़ी में सुरक्षा मोचन युक्तियाँ लगी हुई हैं तो ऐसी सुरक्षा युक्तियाँ भा० मा० 5903 के अनुरूप विनिर्मित की ओर रखी जाएंगी।

(2) घृणाजनक या विषैली गैसों से भरे सिलेण्डरों में सुरक्षा युक्ति नहीं लगी होगी।

स्पष्टीकरण

इस उपविधम के प्रयोजन के लिए, “घृणाजनक या विषैली गैसों” के अंतर्गत हैं कार्बन मोनोऑक्साइड, हाइड्रोजेनसल्फाइड, हाइड्रोजेन क्लोराइड, हाइड्रोजेन ब्रोमाइड, हाइड्रोजेन फ्लोराइड, सल्फर डाइऑक्साइड, क्लोरीन, मिथिल ब्रोमाइड, नाइट्रोजेन टेट्राफ्लोराइड, नाइट्रोसिल, क्लोराइड, नगर गैस, हाइड्रोजेन सल्फाइड, कार्बोनील क्लोराइड (फॉसजीन), सायनो-जीन, सायनोजीन क्लोराइड, फ्लोरीन और कार्बन ऑक्सीक्लोराइड सम्मिलित हैं।

(3) यदि इस देश में प्रयोग के लिए अनुमोदित और विदेशों में विनिर्मित सिलेण्डरों में सुरक्षा मोचन युक्ति लगी है तो ये युक्तियाँ उन विनिर्देशों की, जिनके अनुसार वे मूलतः बनी हैं, अपेक्षाओं के अनुसार रखी जाएंगी।

6. सिलेण्डरों पर चिह्नांकनः—(1) साधारण चिह्नांकन

(क) प्रत्येक गैस सिलेण्डर को निम्नलिखित शर्तों के अनुसार स्टाम्प लगाकर उत्कीर्णन या ऐसी ही प्रक्रिया द्वारा सुस्पष्टतया और स्थायी रूप से चिह्नीकृत किया जाएगा—

(i) उसके स्कंध पर, जो गड़ाई या अन्य साधन द्वारा प्रचालित किया जाएगा, या

(ii) उसके ऐसे भाग पर, जो सिलेण्डर से अविच्छेद रूप में बद्ध है और जिसपर सिलेण्डर के भीतर का गैस दाब के प्रतिबल से प्रभाव नहीं पड़ना है या नगण्य प्रभाव पड़ता है।

(ख) यदि संशय या भ्रमरता का जोखिम है तो सिलेण्डर पर नाम पट्टिका सोल्डर करके नहीं लगाई जाएगी।

(ग) मूल चिह्नांकन के साथ ही नियतकालिक निरीक्षण के समय प्राप्त परीक्षण आंकड़ों की मोहर लगाने के लिए स्थान छोड़ा जाएगा।

(घ) चिह्नांकन इस प्रकार किया जाएगा और प्रयोग में लग जाने वाले अंक और अक्षर ऐसे आकार और माप के होंगे कि चिह्नांकन को स्पष्टतया और आसानी से पढ़ा जा सके और उसमें कोई गलती की सम्भावना न हो।

(2) स्थायी और द्रवशील गैस सिलेण्डरों पर चिह्नांकन.

(क) प्रत्येक सिलेण्डर पर निम्नलिखित चिह्नांकन किया जाएगा, अर्थात्:—

(i) विनिर्माता, स्वामी और निरीक्षक के चिन्ह और कम संख्यांक (इन चिह्नांकनों को मुख्य नियंत्रक के पास रजिस्ट्रीकृत कराया जाएगा);

(ii) विनिर्देश, जिसके अनुसार सिलेण्डर बना है;

(iii) विनिर्माण के दौरान या मरम्मत के पश्चात् की गई ऊष्मा अभिक्रिया (जैसे सामान्यीकरण, शमन या परावर्तन) की प्रकृति को दर्शाने वाला संकेत;

(iv) यथास्थिति, पिछले द्रवस्थैतिक परीक्षण, या द्रवस्थैतिक वृद्धि परीक्षण की तारीख तथा उस मान्यताप्राप्त परीक्षण स्थान का संकेत चिन्ह जहाँ परीक्षण किया गया है। संकेत चिन्ह मुख्य नियंत्रक के पास रजिस्ट्रीकृत कराया जाएगा। द्रवित वैट्रोलियम गैस सिलेण्डरों की दशा में, उसकी गर्दन के घेरे पर या स्कंध पर परीक्षण की तिमाही और वर्ष की बाबत अतिरिक्त चिह्नांकन किया जाएगा;

[(v) कार्यकरण दाब और परीक्षण दाब;

(vi) आश्रेय भार;]

स्पष्टीकरण.

द्रवशील गैस सिलेण्डरों की दशा में, आश्रेय भार में सिलेण्डरों में लगे वाल्वों का भार भी सम्मिलित होगा। वाल्व का भार अलग से दर्शाया जाएगा।

(vii) जल धारिता;

(ख) विनिर्माता के चिह्नांकन के सिवाय, जो आधार पर लगे हो सकते हैं, सभी चिह्नांकन, सिलेण्डर की गर्दन के सिरे पर किया जाएगा।

7. वाल्व पर चिह्नांकनः—सिलेण्डरों में लगे वाल्वों पर, स्टाम्प लगाकर, उत्कीर्णन या समान प्रक्रियाओं द्वारा सुस्पष्टतया और स्थायी तौर पर निम्नलिखित विशिष्टियाँ चिह्नीकृत की जाएंगी, अर्थात्:—

(i) वाल्वों का विनिर्देश;

(ii) विनिर्माण का वर्ष और तिमाही;

(iii) विनिर्माता का प्रतीक;

(iv) कार्यकरण दाब;

(v) जिस गैस के लिए वाल्व का प्रयोग किया जाना है, उसका नाम और रासायनिक प्रतीक;

(vi) निर्गम द्वार की पेच की चूड़ी का प्रकार, अर्थात् बाएँ हाथ वाली (बा० हा०) या दाहिने हाथ वाली (दा० हा०);

(vii) निरीक्षक की स्टाम्प;

(viii) जहाँ ज़िप ट्यूब दी गई है, वहाँ वाल्व पर या सिलेण्डर और वाल्व के बीच में लगे बीच पर सुस्पष्ट और स्थायी चिह्नांकन

द्वारा विशेष निर्देश दिए जाएंगे। द्यूब की मिलीमीटर में कुछ लम्बाई भी दर्शाई जाएगी।

8. पहचान रंग:—(1) किसी सिलेण्डर में कोई संपीड़ित गैस भरने वाला प्रत्येक व्यक्ति, उसके भण्डारण या प्रेषण के पूर्व यह देखेगा कि सिलेण्डर को, औद्योगिक सिलेण्डरों का रंग में भा० मा० 4379 और चिकित्सीय सिलेण्डरों की रंग में भा० मा० 3933 में विनिर्दिष्ट यद्योचित पहचान रंगों से पेंट कर दिया गया है।

(2) नई गैसों और गैस मिश्रणों के लिये प्रयुक्त सिलेण्डरों को, जिनके लिये पहचान रंग उपनियम (1) में नहीं दिये गये हैं, निम्नलिखित सारणी में वर्णित गये रंगों से पेंट किया जायेगा, अर्थात्:—

सिलेण्डरों में भरी गैस का नाम	सिलेण्डर के कवच का रंग	सिलेण्डर की गर्दन के निरे का रंग
अज्वलनशील और अविलैबिले	सफेद	—
अज्वलनशील किन्तु विषैली	सफेद	पीला, (भा० मा० मानक रंग सं० 356)
एल पी०जी० से भिन्न, अज्वलनशील किन्तु अविलैबिले	सफेद	लाल (भा० मा० मानक रंग सं० 537)
अज्वलनशील और विषैली	सफेद	खाल और पीला (भा० मा० मानक रंग सं० 537 और 356)

स्पष्टीकरण:—गैस मिश्रण के लिये प्राथमिक सिलेण्डरों को "गैस मिश्रण" या "मिश्रित गैस" से चिह्नित किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त यदि सिलेण्डर किसी विशिष्ट गैस मिश्रण के लिये स्थायी रूप में प्रयुक्त होते हैं तो सिलेण्डरों को मिश्रण के सघटकों के नाम (प्रतीक यदि आवश्यक हो तो) स्टाम्प लगाकर और यदि सिलेण्डर किसी विशिष्ट गैस मिश्रण के लिये यथाकृपा प्रयुक्त होता है तो पेंट लगाकर चिह्नित किया जायेगा।

(3) कोई भी व्यक्ति गैस सिलेण्डर पर पेंट किये गये रंग में किसी भी प्रकार हस्तक्षेप या परिवर्तन नहीं करेगा:

परन्तु इस उपनियम की किसी भी बात से यह नहीं समझा जायेगा कि वह सिलेण्डर के अमुरक्षण के लिये आवश्यक होने पर इन नियमों के अनुसार उस पर वही पहचान रंग, जो उस पर पहले से पेंट है, पुनः पेंट करने या सिलेण्डर को एक गैस सेवा से दूसरी गैस सेवा के लिये परिवर्तित करने के लिये उसे पुनः पेंट करने को प्रतिबन्धित करती है।

9. सिलेण्डरों पर लेबल लगाना:—(1) प्रत्येक सिलेण्डर पर गैस के नाम और उस व्यक्ति के नाम तथा पते का जिसके द्वारा सिलेण्डर में गैस भरी गई थी, लेबल लगाया जायेगा।

(2) स्थायी या द्रवशील गैस से भरे प्रत्येक सिलेण्डर से निम्नलिखित चेतावनी संलग्न की जायेगी, अर्थात्:—

"चेतावनी"

गैस सिलेण्डर नियम, 1981

- इस सिलेण्डर का रंग न बदलिए।
- इस सिलेण्डर में अभी जो गैस भरी है, उससे भिन्न कोई गैस नहीं भरी जानी चाहिये।
- इस सिलेण्डर के ठीक समीप या उस कमरे में जहाँ यह रखा है, किसी भी अज्वलनशील सामग्री का भण्डारण नहीं किया जाना चाहिये।

(iv) इस सिलेण्डर के वाल्वों या अन्य फिटिंगों पर कोई भी तेल या तत्समान स्नेहक का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिये।

(v) कृपया परीक्षण की भगसी तारीख देखें। वह सिलेण्डर की गर्दन और वाल्व के बीच लगाये गये धातु रिग पर चिह्नित है और यदि वह तारीख बीत चुकी है तो सिलेण्डर स्वीकार न करें।

10. सिलेण्डरों के परिधान या प्रेषण पर निर्बन्धन:—(1) कोई भी व्यक्ति भारत में किसी ऐसे अन्य व्यक्ति को, जो इस प्रकार की संपीड़ित गैस सिलेण्डर रखने के लिये अनुज्ञप्तिधारी या उसका प्राधिकृत अधिकारी नहीं है, संपीड़ित गैस से भरे सिलेण्डरों का परिवान या प्रेषण सब तक नहीं करेगा जब तक कि उसे इन नियमों के अधीन अनुज्ञप्ति के बिना ऐसे संपीड़ित गैस सिलेण्डर रखने के लिये छूट नहीं मिली हुई है।

(2) उपनियम (1) के अधीन किसी व्यक्ति द्वारा परिवर्तित या प्रेषित गैस सिलेण्डर, उस प्रकार के होंगे जिनके लिये उसे अनुज्ञप्ति दी गई है और ऐसे परिवर्तित या प्रेषित गैस सिलेण्डरों की संख्या उस संख्या से अधिक नहीं होगी जिसे रखने के लिये इन नियमों के अधीन वह व्यक्ति जिसे ऐसा परिधान या प्रेषण किया गया है, प्राधिकृत है।

(3) उपनियम (1) और (2) की कोई बात सब के रक्षा बलों, पत्तन प्राधिकारियों और रेल प्रशासन को गैस सिलेण्डरों से परिवान या प्रेषण की लागू नहीं होगी।

11. सोवन रहित गैस सिलेण्डरों की उपयोग के दौरान मरम्मत:—कोई भी व्यक्ति किसी सोवन रहित गैस सिलेण्डर को बाड़ी में रिसन की न तो मरम्मत करेगा या कराएगा।

12. वेल्ड किये गये/पीतल से झाले हुए सिलेण्डरों की मरम्मत:—

(1) वेल्ड किये गये या पीतल से झाले हुए सिलेण्डरों की वेल्ड की हुई या पीतल से झाली हुई सोवन में भिन्न किसी भी स्थान पर रिमने वाले सिलेण्डर की मरम्मत नहीं की जायेगी और उसे अप्रयोज्य ठहरा दिया जायेगा।

(2) वेल्ड किये गये/पीतल से झाले सोवन वाले सिलेण्डरों में लघु दोषों की मरम्मत, उदाहरणार्थ छोटे वेल्ड ज्वेल, पिन छिद्र, वात छिद्र, वेल्डन में अधोक्तन, वेल्ड में रिमन (कालिक द्रव्यशैतिक जांच में दर्शित) अनुज्ञात की जा सकती है किन्तु यह तब जब कि—

(i) धर्षण, सफ्टन, गर्तन या अन्य अनुमोचित रीतियों द्वारा त्रुटियां दूर कर दी गई हों;

(ii) मुख्य नियंत्रक द्वारा मान्यता प्राप्त सिलेण्डरों के विनिर्माता के परिसरों में सक्षम व्यक्ति के पर्यवेक्षण के अधीन प्रमाणित वेल्डर द्वारा निम्नलिखित रूप में मरम्मत की गई हो, अर्थात्:—

- वेल्ड द्वारा, यदि प्रारम्भिक सीयन वेल्ड कर दी गई हैं;
- पीतल से झालाई द्वारा, यदि प्रारम्भिक सीयन पीतल से झाल दी गई हैं,

(iii) मरम्मत के पश्चात् सिलेण्डर ठीक ढंग से उष्मापचारित किये जाते हैं,

(iv) सिलेण्डरों की वेल्ड की गई या पीतल से झाली हुई सोवन रेडियोग्राफ की गई है यदि इसके विनिर्माण के पश्चात् सिलेण्डर को मूलतः रेडियोग्राफ किया जाना अपेक्षित था;

(v) मरम्मत और उष्मापचार के पश्चात्, सिलेण्डर की उसी बातीय और द्रवस्थैतिक या द्रवस्थैतिक प्रतिबल जांच की जाती है, जैसा कि विनिर्माण के समय की गई थी।

(3) वेल्ड किये गये, या पीतल से झाले हुए सिलेण्डर मरम्मत के पूर्व, पूर्णतः साफ किये जायेंगे या गैस मुक्त किये जायेंगे या अन्यथा तप्त

कार्य करने के लिये सुरक्षित रूप में तैयार किये जायेंगे और सक्षम व्यक्ति द्वारा लिखित रूप में यह प्रमाणित किया जायेगा कि सिलेण्डर को इस प्रकार तैयार किया गया है। प्रमाणपत्र तीन मास तक परिरक्षित रखा जायेगा और मांग की जाने पर मुख्य निबंधक के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।

(4) कोई भी व्यक्ति किसी सिलेण्डर में, जिसकी उपनियम (2) के अधीन मरम्मत की गई है, कोई गैस तब तक पुनः नहीं भरेगा जब तक कि सिलेण्डर की जांच की गई मरम्मत और परीक्षण की पूरी रिपोर्ट, मरम्मत करने वाले के परीक्षण प्रमाणपत्र के साथ मुख्य निबंधक को प्रस्तुत नहीं कर दी जाती और उसके पुनर्भरण के लिये उसकी अनुज्ञा प्राप्त नहीं कर ली जाती।

(5) उपनियम (2) में किसी बात के होते हुए भी, किसी विसीन एसेटिलीन गैस सिलेण्डर को, जिसकी वेल्ड सीखत में रिमन हों, कोई मरम्मत नहीं की जायेगी।

13. बालकों और सले व्यक्तिओं से निषेधन का प्रतिबंध:—अठारह वर्ष की आयु से कम का कोई बालक तथा कोई व्यक्ति जो मसृता की हानत में है संपीड़ित गैस सिलेण्डर को लड़ाई, उतारई या परिवहन कार्य में, या इन नियमों के अधीन अनुज्ञापन किसी परिस्तर में, नियोजित नहीं किया जायेगा।

14. धूम्रपान, अग्नि, प्रकाश और छतरनाक पदार्थों का प्रतिबंध—
(1) किसी भी समय ऐसे स्थान के समीप, जहां ज्वलनशील गैसों के लिये सिलेण्डर का भरण, भण्डारण या धरा-उठाई की जाती है, कोई व्यक्ति धूम्रपान नहीं करेगा और मरम्मत के लिये धमन पाइप ज्वालना से भिन्न या ज्वलनशील प्रकृति की या स्वतः प्रज्वलित होने वाली या अग्नि या विस्फोट पैदा करने या लगाने वाली वस्तु या पदार्थ अनुज्ञात नहीं किये जायेंगे।

(2) किसी ऐसे स्थान में या उसके निकट, जहां ज्वलनशील गैसों का सिलेण्डर भरे जाते हैं, भण्डारण किये जाते हैं, या उनकी धरा-उठाई की जाती है, कोई भी व्यक्ति कोई माचिस, प्यूज या चिगारी उत्पन्न करने के लिये अथवा साधित, या विस्फोट के लिये, अथवा कब्जे में नहीं रखेगा।

15. सामान्य पूर्वावधानियां—(1) बाल्वा और अन्य फिटिंग सहित सिलेण्डर और इन नियमों के अधीन पहचान रंग सदैव अच्छी हानत में रहे जायेंगे।

(2) सिलेण्डर के किसी बाल्व या उसकी अन्य फिटिंग में कोई तेल या तत्समान स्नेहक का प्रयोग नहीं किया जायेगा।

(3) नियम 12 और 41 में जैसा उपबन्धित है उसके सिवाय, किसी भी सिलेण्डर का उपभोग नहीं किया जायेगा या उच्च तापमान या धूप में नहीं रखा जायेगा या अन्य किसी ज्वलनशील या विस्फोटक सामग्री के साथ उसका भण्डारण नहीं किया जायेगा।

(4) संपीड़ित गैस से भरे प्रत्येक सिलेण्डर का बाल्व भली प्रकार बन्द रखा जायेगा जिससे कि रिमन को रोका जा सके। द्रवित पैट्रोलियम गैस और अत्यन्त विषैली गैसों, जैसे बोरन, ट्राइक्लोराइड, कार्बन मोनो-आक्साइड, फ्लोरोइन, हाइड्रोजन क्लोराइड, साइनोजन क्लोराइड, क्लोरीन ट्राइक्लोराइड, हाइड्रोजन साइनाइड, हाइड्रोजन फ्लोराइड, हाइड्रोजन सल्फाइड, मिथिल आमाइड, नाइट्रोजन टेट्राआक्साइड, क्लोरीन, अमोनिया या सल्फर डाइआक्साइड, से भरे सिलेण्डरों में लगे बाल्व के निर्गम द्वार पर गैस के रिसन को रोकने के लिये सहायक साधन के रूप में कार्य करने के लिये सुरक्षा नट लगा होगा।

(5) यदि बाल्व से रिमन को भराई वाली नली के नट या लुके का फसन से भी रोका ना जा सके तो सिलेण्डर को ऐसे खुले स्थान में ले जाया जायेगा जहां यह जनजीवन और सम्पत्ति के लिये कम से कम खतरनाक है और भरणकर्ता को सूचित किया जायेगा।

16. दुर्घटना से बचाव के लिए विशेष पूर्वावधानियां:—(1) किसी ऐसे स्थान में या उसके पास, जहां बाब के अधीन गैस का, सिलेण्डरों में भण्डारण, धरा-उठाई या परिवहन किया जाता है, कोई व्यक्ति ऐसा कोई कार्य नहीं करेगा या करने का प्रयत्न नहीं करेगा जिससे आग लग सके या विस्फोट हो सके।

(2) संपीड़ित गैस सिलेण्डरों का भण्डारण करने वाला और ऐसे गैस सिलेण्डरों के भण्डारण, उनकी धरा-उठाई और परिवहन का प्रभारी या उसमें लगा हुआ प्रत्येक व्यक्ति सभी समयों पर—

(क) इन नियमों के उपबन्धों का और उनके संबंध में किसी अनुज्ञप्ति की शर्तों का अनुपालन करेगा;

(ख) अग्नि या विस्फोट से दुर्घटना का रोकन के लिये सभी पूर्वावधानियां करेगा; और

(ग) उपनियम (1) में निर्दिष्ट कोई कार्य करने से किसी व्यक्ति को निवारित करेगा।

17. सक्षम व्यक्ति ही संक्रियाओं का प्रभारी होगा:—इन नियमों के अधीन दी गई अनुज्ञप्ति को धारण करने वाला या उसके अधीन कार्य करने वाला प्रत्येक व्यक्ति, जब भी सिलेण्डर भरे जाते हैं, लादे जाते हैं, उतारे जाते हैं, उनकी परीक्षा या जांच की जाती है, इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार किसी भी उक्त संक्रिया को देखते हैं, किसी सक्षम और अनुभवी व्यक्ति को उक्त संक्रियाओं के दौरान उपस्थित रहने और इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार ऐसी संक्रियाओं का संचालन करने के लिये प्रतिनियुक्त करेगा।

18. धरा-उठाई और प्रयोग:—(1) धरा-उठाई के दौरान सिलेण्डरों को पर्याप्त संभाल की जायेगी।

(2) सिलेण्डरों को हटाने समय यथा सभव पर्याप्त सज्जत ट्रासियो और क्रेडलें का प्रयोग किया जायेगा।

(3) सिलेण्डरों की धरा-उठाई सावधानी पूर्वक की जायेगी और वे एक दूसरे पर गिरने नहीं दिये जायेंगे या अन्यथा उन्हें अनावश्यक धक्का नहीं लगने दिया जायेगा।

(4) सिलेण्डरों का सरकाना, गिराना, उनसे खिन्नबाड़ करना प्रातिषिद्ध है।

(5) द्रवित पैट्रोलियम गैस सिलेण्डर और द्रवशील गैस से भरे सिलेण्डर सदैव सीधे रखे जायेंगे और उन्हें इस प्रकार रखा जायेगा कि वे गिरे नहीं।

(6) क्षैतिज में प्रयुक्त सिलेण्डरों को इस प्रकार रखा जायेगा कि वे लुके नहीं।

(7) बँलड करने, काटने और गर्म करने के समय प्रयोग में लाए जाने वाले सिलेण्डरों के मिश्रण, किसी भी सिलेण्डर के ठीक समीप खुली लौ, प्रकाश आग जलाना, बँलड करना और धूम्रपान प्रतिषिद्ध है।

(8) अनुज्ञप्ति के प्रयोजन के लिये कार्य स्थलों का भण्डारण स्थान के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जायेगा।

19. भरण पर निर्बन्धन:—(1) बँलड किये गये सिलेण्डर में कोई स्थायी उच्च दाब द्रवशील गैस या अत्यन्त विषैली गैसों, जैसे बोरन-ट्राइक्लोराइड, कार्बोनील सायनाइड क्लोराइड, हाइड्रोजन सायनाइड, हाइड्रोजन क्लोराइड, हाइड्रोजन सल्फाइड नहीं भरी जायेगी।

(2) कोई भी सिलेण्डर, जिसका प्रयोग एक बार कांचला गैस के भण्डारण और परिवहन के लिये किया जा चुका है, अन्य किसी गैस के लिये प्रयोग में नहीं लाया जायेगा।

(3) किसी भी सिलेण्डर में ऐसी कोई गैस नहीं भरी जायेगी, जिसका रासायनिक तौर पर सिलेण्डर से संयोजन हो सकता है और इस प्रकार उसकी प्रयोज्यता को खतरा उत्पन्न हो सकता है।

20. सिलेण्डरों का भण्डारण —(1) सिलेण्डरों का भण्डारण ठंडे, शुष्क, आच्छादित किन्तु धूपी प्रकार सञ्चालित स्थानों में वायुमयी, खुली ली, बाष्प पाइपों या किसी ताप के विभव उद्गम से दूर किया जायेगा और ऐसे भण्डारण के स्थानों तक पहुँच सुगमता से होगी।

(2) भण्डारण-कक्ष या शेड, अग्निरक्षी निर्माण होंगे।

(3) पतली दीवार वाले सिलेण्डर, जैसे द्रवित पेट्रोलियम, गैस सिलेण्डर और विनील गैस सिलेण्डर क्षैतिज स्थिति में नहीं रखे जायेंगे।

(4) ज्वलनशील और विषैली गैसों से भरे सिलेण्डर एक दूसरे से अलग रखे जायेंगे और अन्य प्रकार की गैसों वाले सिलेण्डरों से पर्याप्त दूरी पर या उपयुक्त विभाजक दीवार द्वारा अलग रखे जायेंगे।

(5) सिलेण्डर ऐसी पारम्प्यिया में नहीं रखे जायेंगे कि वे संक्षारित हो सकें।

(6) सिलेण्डरों का बाह्य सामग्री के साथ भण्डारण नहीं किया जायेगा।

(7) खाली सिलेण्डरों को भरे सिलेण्डरों से अलग रखा जायेगा और यह ध्यान रखा जायेगा कि सभी बाल्व कम कर बन्द कर दिए गये हैं।

21. विद्युत प्रतिष्ठापन :—सिलेण्डरों में ज्वलनशील गैसों के भरण व भण्डारण के परिसरों में समस्त विद्युत् मीटर, वितरण बोर्ड, स्विच, फ्यूज, प्लग और साकेट, विद्युत् स्थिरत्व, मुवाह्य हैड लैम्प और मोटरें, भारतीय मानक विनिर्देशों या मुख्य नियंत्रक द्वारा अनुमोदित अन्य विनिर्देशों के अनुरूप तथा ज्वालासह प्रकार की होगी और उन्हें प्रभावी तौर पर भूसंपर्कित किया जायेगा।

22. गैस की शुद्धता :—(1) संपीड़ित गैस ऐसी अशुद्धताओं से मुक्त होगी जो सिलेण्डर की धातु को संक्षारित कर सकती हैं या जो उसके साथ विस्फोटक पदार्थ बना सकती हैं या जो गैसों को अपघटित या विस्फोटित कर सकती हैं।

(2) गैस यथोक्त शुष्क रहेंगी और जब द्रवित गैस को 0° सेन्टीग्रेड तक ठंडा किया जाये तो जलीय प्रवस्था के अलग होने की कोई संभावना न हो।

(3) किसी सिलेण्डर में गैस, जैसे कार्बन मोनोऑक्साइड, कार्बन डाइऑक्साइड या मिथेन, भरने के पूर्व गैस को हाईड्रोजन मक्काइड और अन्य गंधकीय अशुद्धियों से यथा साध्य मुक्त रखा जायेगा। गैस के सामान्य ताप और दाब पर घनत्व 0.02 ग्राम घन मीटर से कम होगी।

23. अग्नि प्रभावित सिलेण्डर :—(1) अग्नि प्रभावित सिलेण्डर का उपयोग तब तक नहीं किया जायेगा जब तक कि उसकी उचित परीक्षा और द्रवीय/द्रवस्थैतिक प्रतिबल की जाँच न की गई हो। यदि यह धारांका है कि अग्नि के ताप क्रिया के कारण सामग्री में हानिकार संरचनात्मक परिवर्तन हो गये हैं, तो सिलेण्डर की उचित उपभोक्ता किया जायेगा और उसके बाव सिलेण्डर की, उपयोग में लाने के पूर्व यथाम्यति द्रवस्थैतिक जाँच या द्रवस्थैतिक प्रतिबल जाँच की जायेगी।

(2) ऐसे विनील ऐसोट्रीन सिलेण्डर जो अग्नि से क्षतिग्रस्त हो गये हैं, निष्प्रयोग्य हो जायेंगे और उन्हें किसी अनुभवी और सज्ज व्यक्त द्वारा समुचित पूर्वावधानी के साथ नष्ट करा दिया जायेगा।

24. सिलेण्डर का स्वामित्व :—संपीड़ित गैस से भरे सिलेण्डर का परिवहन तब तक नहीं किया जायेगा जब तक कि उसे सिलेण्डर के स्वामी ने या उसकी महमयि से न भरा गया हो।

25. सिलेण्डर का पुनर्परीक्षण :—सिलेण्डर, जो, जिसके निम्नलिखित पुनर्परीक्षण का समय आ गया है, तब तक भरा नहीं जायेगा और उसका परिवहन नहीं किया जायेगा जब तक ऐसा पुनर्परीक्षण ठीक ढंग से नहीं कर लिया जाता।

26. स्वामी का अभिलेख :—सिलेण्डर का स्वामी सिलेण्डर का आयु पर्यन्त प्रत्येक सिलेण्डर की बावत निम्नलिखित जानकारी या अभिलेख रखेगा :—

(1) सिलेण्डर के विनिर्माण का नाम और पूर्णतः सञ्चालक;

(2) विनिर्देश संख्याएँ जिसके अनुसार सिलेण्डर का निर्माण हुआ है;

(3) मूल द्रवस्थैतिक जाँच/द्रवस्थैतिक प्रतिबल जाँच की तारीख;

(4) सिलेण्डर विनिर्माण की जाँच और निरीक्षण प्रमाणपत्र;

(5) मुख्य नियंत्रक द्वारा अनुमोदित अनुमोदन पत्र का संख्यांक और तारीख।

27. सिलेण्डरों का रूपांतरण :—विशिष्ट गैस में भरे जाने के लिए डिज़ाइन किये गये और अनुमोदित गैस सिलेण्डर, किसी अन्य गैस के भरने के लिये उपयोग में तब तक नहीं लाये जायेंगे जब तक कि मुख्य नियंत्रक या निरीक्षण प्रमाणपत्र प्राप्त नहीं कर लिया जाता है।

अध्याय-3

सिलेण्डरों का आयात

भाग--I

साधारण

28. गैस सिलेण्डरों के आयात के लिए अनुज्ञप्ति :—कोई भी व्यक्ति संपीड़ित गैस भरने या भरे जाने के लिये आशयित किसी सिलेण्डर, का, इन नियमों के अधीन अनुमत अनुज्ञप्ति की शर्तों के अधीन और उनके अनुसार ही आयात करेगा अन्यथा नहीं।

भाग--II

समुद्र मार्ग से आयात

29. जलयान के मास्टर या जलयान के अधिकर्ता द्वारा घोषणा :—

(1) भारत में आयात के लिये संपीड़ित गैसों में भरे सिलेण्डरों का वहन करने वाले प्रत्येक जलयान का मास्टर या ऐसे जलयान का अधिकर्ता, पत्तन पर उसके आशयित आगमन की सूचना कम से कम 48 घंटे पूर्व पत्तन के संरक्षक को देगा।

(2) ऐसे सिलेण्डरों का वहन करने वाले प्रत्येक जलयान का मास्टर किसी पत्तन में प्रवेश के पूर्व पाइलट को स्व-हस्ताक्षरित एक लिखित घोषणा प्रारूप "क" में देगा।

परन्तु यदि ऐसे जलयान का अधिकर्ता पत्तन के संरक्षक को उपनियम

(1) में उल्लिखित स्व-हस्ताक्षरित लिखित घोषणा दे देता है तो जलयान के मास्टर द्वारा ऐसी घोषणा नहीं की जायेगी।

(3) पाइलट उपनियम(2) के अधीन अपने को परिदत्त प्रत्येक घोषणा, अधिकृत पत्तन के संरक्षक को सौंप देगा और पत्तन संरक्षक प्राप्त समस्त घोषणाएँ पत्तन के सीमा शुल्क कलक्टर को यथाशीघ्र भेज देगा।

30. आयात के लिए अनुज्ञप्ति पेश करना :—संपीड़ित गैस से भरे या भरने के लिये आशयित, सिलेण्डरों का आयात करने का हस्तक्षेप प्रत्येक व्यक्ति व्यक्तिगत तौर पर या अपने अधिकर्ता के माध्यम से, सीमा-शुल्क कलक्टर के समक्ष ऐसे गैस सिलेण्डरों के आयात के लिये अपनी अनुज्ञप्ति पेश करेगा।

31. सीमाशुल्क कलक्टर की अनुज्ञा :—(1) आयात किया गया कोई भी मिलेण्डर, सीमा-शुल्क कलक्टर की अनुज्ञा के बिना उतारा नहीं जायेगा।

(2) यदि सीमाशुल्क अधिकारी का समाधान हो जाता है कि गैस सिलेण्डरों का विधितः आयात किया जा सकता है तो वह उनकी उतराई की अनुज्ञा प्रदान करेगा।

(3) इस नियम की कोई बात सीमाशुल्क कलक्टर की, तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अंतर्गत, गैस मिलेण्डरों की रोक रखने की शक्ति पर प्रभाव नहीं डालेगी।

भाग—III

भूमार्ग से आयात

32. भूमार्ग से आयात :—संपीड़ित गैस से भरे गैस सिलेण्डरों का भूमार्ग से आयात नहीं किया जायेगा जब कि प्रत्येक मामले में केन्द्रीय सरकार ने पूर्व मंजूरी दे दी हो और आयात ऐसी शर्तों तथा निबन्धनों के अधीन किया गया हो जो वह अधिनियमित करे।

भाग—IV

वायुमार्ग से आयात

33. वायुमार्ग से आयात :—संपीड़ित गैस से भरे मिलेण्डर का वायुमार्ग से आयात नहीं किया जाएगा जब प्रत्येक मामले में, विविध विमानन के महानिदेशक ने पूर्व मंजूरी दे दी हो।

अध्याय 4

सिलेण्डरों का परिवहन

34. यानों द्वारा मिलेण्डरों का परिवहन :—(1) किसी संपीड़ित गैस से भरे सिलेण्डर बाइकल या अन्य वो पहियों वाले यंत्र वाहित यान द्वारा परिवहन नहीं किए जाएंगे।

(2) मिलेण्डरों का इस प्रकार परिवहन किया जाएगा कि वे यानों के, जिसमें उनका परिवहन किया जा रहा है, क्षैतिज समतल में, पार्श्वों या छोरों के बाहर न निकले।

(3) यान के भीतरी भाग में कोई तीक्ष्ण प्रक्षेप नहीं होगा।

(4) सिलेण्डरों को यान में पर्याप्त रूप में सुरक्षित रखा जाएगा जिससे कि वे यान से न गिरें और न उनकी बुरी तरह धरा-उड़ाई हो, न उन्हें अत्यधिक धक्के लगे और न उन पर स्थानीय प्रतिबंध लगे।

(5) यान में परिवहन किए जा रहे सिलेण्डर अवरुद्ध रखे जायेंगे या पीमल से ढाके जाएंगे और इस प्रकार सुरक्षित रखे जाएंगे कि इन्हें हिलने, एक दूसरे से टकराने या गिरने से बचाया जा सके।

(6) संपीड़ित गैस से भरे सिलेण्डरों का परिवहन, उच्च ज्वलनशील या संक्षारक प्रकृति की किसी अन्य वस्तु के साथ नहीं किया जाएगा।

35. परिवहन पर निर्बन्धन :—(1) ज्वलनशील गैसों में भरे सिलेण्डरों का परिवहन, किसी अन्य प्रकार की संपीड़ित गैस से भरे सिलेण्डरों के साथ नहीं किया जाएगा।

(2) विदेशी और संक्षारक गैस से भरे मिलेण्डरों का परिवहन किसी खाद्य पदार्थ के साथ नहीं किया जाएगा।

36. परिवहन के लिए तैयारी और उतराई :—(1) संपीड़ित गैस से भरे सिलेण्डरों की तैयारी या उतराई में किसी उत्पादन शुल्क का प्रयोग नहीं किया जाएगा।

(2) यदि ऐसे किसी कार्य का केन या कार्क लिफ्ट ट्रक द्वारा किया जाता है तो केन या तार-रस्सी स्लिंगों लगे उच्चिण क्रेडल का प्रयोग किया जाएगा।

37. परिवहन के दौरान बाल्वों की सुरक्षा :—(1) परिवहन करते समय संपीड़ित गैस से भरे प्रत्येक मिलेण्डर का बाल्व, उपनियम (2) और (3) में बताई गई रीति के अनुसार क्षति से बचाए जाएंगे किन्तु जब नहीं जब उन्हें पेटी में या नेट में सुरक्षित रूप में पैक कर दिया गया हो।

(2) जहां मिलेण्डर के डिजाइन में सिलेण्डर की बाड़ी से पूर्णतः लोचे बाल्व नहीं दिया गया है वहां मुख्य नियंत्रक द्वारा अनुमोदित डिजाइन की धातु की एक मजबूत टोपी, धातु के ठक्कन या सुरक्षात्मक धातु की रिंग या ग्रिल की व्यवस्था की जाएगी। डिजाइन इस प्रकार का होगा, कि टोपी या ठक्कन या रिंग या ग्रिल कहीं भी बाल्व या बाल्विंग के टोन समीप न हो।

(3) जहां अत्यन्त विषैली गैसों से, जैसे हाइड्रोजन साइनाइड, फॉसजीन साइनाइड, साइनोजन क्लोराइड, भरे मिलेण्डरों में भिन्न सिलेण्डरों में धातु के ठक्कन या धातु टोपी दी गई है, वहां उसमें ऐसे आकार के विकास की व्यवस्था की जाएगी जिसमें कि टोपी या ठक्कन के अन्दर गैस-दाब की रोक जा सके।

(4) अत्यन्त विषैली गैसों से, जैसे हाइड्रोजन साइनाइड, फॉसजीन, साइनोजन, साइनोजन क्लोराइड, भरे सिलेण्डरों के बाल्व गैस रोधी धातु की टोपियों या ठक्कनों से सुरक्षित रखे जाएंगे।

(5) उपनियम (1), (2) और (3) की कोई बात शिकार्यीय प्रयोजनों के लिए 5 सेंटरों से अधिक जलधारिता वाले घाससीजन या नाइट्रस आक्साइड से भरे सिलेण्डरों को लागू नहीं होगी।

38. रिसने वाले सिलेण्डर :—(1) कोई भी व्यक्ति रिसने वाले सिलेण्डर को न तो पेज करेगा, और न उसका परिवहन करेगा।

(2) यदि ज्वलनशील या विषैली गैस से भरा सिलेण्डर, परिवहन के दौरान रिसने लगता है तो उसे तुरन्त ऐसे किसी प्रलग खुले स्थान में ले जाया जाएगा जहां प्राय लग जाने की कोई संभावना न हो, और परिवहन के लिए जिम्मेदार व्यक्ति, यथास्थिति, मिलेण्डर भरने वाले या परेषक से सलाह के लिए संपर्क स्थापित करेगा।

अध्याय 5

सिलेण्डरों की परीक्षा और जाँच

39. मिलेण्डरों की परीक्षा और जाँच का आचर्तन :—(1) कोई भी व्यक्ति, किसी मिलेण्डर में संपीड़ित गैस तब तक नहीं भरेगा जब तक कि भारतीय मानक सस्था द्वारा जारी की गई संहिता में विनिर्दिष्ट या मुख्य नियंत्रक द्वारा निश्चित रूप में अनुमोदित अवधि के भीतर सिलेण्डर की परीक्षा और यथास्थिति, द्रव्यस्थैतिक जाँच या द्रवस्थैतिक प्रतिबल जाँच तथा इस अध्याय में बिया गया परीक्षण नहीं किया जा चुका है।

(2) कोई भी परीक्षण स्टेशन और मिलेण्डरों की नियतकालिक और परीक्षा करने के लिए मान्यता प्राप्त करना या इच्छुक अनुसूची 4 में दी गई मुक्तिघाटों की व्यवस्था करेगा।

40. परीक्षण के लिए सिलेण्डरों की दशा :—परीक्षण के लिए सिलेण्डरों को पहले खाली किया जाएगा। सिलेण्डर की गैस की प्रकृति में सम्बद्ध खतरों को ध्यान में रखते हुए, सिलेण्डर की अन्तर्वस्तु को सुरक्षित ढंग से खाली किया जाएगा। जिन मिलेण्डरों में विषैली गैसें भरी हैं या जो विषैले या घृणाजनक पदार्थों में संदूषित हो चुके हैं, उन्हें विशिष्ट प्रकार की गैस को संभालने के लिए उचित रूप से सज्जित और पर्याप्ततः अनुमोदित परीक्षण स्टेशन ही खाली करेगे।

41. द्रवस्थैतिक और द्रवस्थैतिक प्रतिबल जाँच करने के पूर्व सिलेण्डरों का निरीक्षण :—(1) द्रवस्थैतिक और द्रवस्थैतिक प्रतिबल जाँच करने के पूर्व प्रत्येक सिलेण्डर को, वाय्वीय सफाई द्वारा या अनुमोदित बिसायकों द्वारा भली प्रकार साफ किया जाएगा। यदि सिलेण्डरों का आन्तरिक भाग

जंग या अन्य वाहरी वस्तु से प्रभावित हो गया है तो उसे निम्नलिखित किसी एक ढंग से माफ किया जाएगा, यथाः—

(क) अनुमोदित स्फोटन, धूर्णी तार से घना करना;

(ख) भट्टी में 300° सेंटीग्रेड से अधिक तापमान पर, एक घंटे से अधिक अवधि के लिए, पूर्णज्वलन अभिक्रिया जिसके पश्चात् निकले सभी जंग या बाहरी अन्य वस्तु को वाष्पीय सफाई या अनुमोदित विलायकों से धो कर हटा दिया जाएगा।

(2) भफाई के बाद सिलेण्डरों के सतही दोषों के लिए, उनकी बाहरी और यथामात्र आन्तरिक परीक्षा भारतीय मानक संस्था द्वारा जारी किए गए व्यवहार संहिता या मुख्य नियंत्रक द्वारा लिखित रूप में अनुमोदित संहिता के अनुसार की जाएगी।

4.2. द्रवस्थैतिक/द्रवस्थैतिक प्रतिबल जांच.—(1) स्थायी गैसों, उष्ण दाब द्रवशील गैसों और ममस्त विद्युत् और संशारिक गैसों के लिए उपयोग में लाए जाने वाले सिलेण्डरों के लिए:

(i) भा०मा० 5844 के अनुसार सिलेण्डरों की द्रवस्थैतिक प्रतिबल जांच की जाएगी। सिलेण्डर में लगाई गई जांच दाब, कम से कम 30 सैकंड तक बनाई रखा जाएगा।

(ii) जांच दाब लगाए जाने से सिलेण्डर में हुए स्थायी प्रतिबल में कमी निम्नलिखित सीमाओं से अधिक नहीं होगी, यथाः—

(क) घासंकायिक गैसों के लिए, 20 जांच के दौरान हुए कुल प्रतिबल का लिटर से कम जल धारिता वाले 10 प्रतिशत।

सिलेण्डरों की दशा में।

(ख) अन्य दशाओं में जांच के दौरान हुए कुल प्रतिबल का 10 प्रतिशत या सिलेण्डर के मूल आयतन का 1/5000वां भाग, इनमें से जो भी कम हो।

(2) निम्नदाब असंशारक द्रवशील गैसों वाले सिलेण्डरों के लिए:

(i) भा०मा० 5844 के अनुसार सिलेण्डरों की नान जैकेट ढंग से द्रवस्थैतिक जांच की जाएगी किन्तु जांच के दौरान आयतनी परिवर्तनों का माप आवश्यक नहीं है।

(ii) जांच दाब कम से कम 30 सैकंड के लिए बनाए रखा जाएगा यदि ऐसी अवधि के दौरान दाब में किसी कमी का या किसी रिसन का या दृश्य उभार या विकृति का पता लगता है तो उसे जांच में असफलता का मासका माना जाएगा।

(3) जैसे ही जांच पूरी हो जाए, सिलेण्डर को ध्वर से पूर्णतः मुक्त कर दिया जाएगा और गर्दन के छोर पर ऐसे चिह्नों और प्रकों की स्टाम्प लगा दी जाएगी जिससे जांच करने वाले व्यक्ति और जांच की तारीख का पता लग सके। जिन व्यक्ति के द्वारा जांच की जाएगी उनका कोई चिन्ह मुख्य नियंत्रक के पास रजिस्ट्रीकृत रहेगा।

4.3 सिलेण्डरों को निष्प्रयोज्य करना:—(1) यदि कोई सिलेण्डर निम्नलिखित परीक्षा या परीक्षण में ठीक नहीं पाया जाता है या जिसका आधेय भार 5 प्रतिशत से अधिक कम हो जाता है या जो किसी अन्य दोष के कारण उपयोग के लिए असुरक्षित पाया जाता है तो उसे अपटोकरण के द्वारा पूर्णतः नष्ट कर दिया जाएगा या उसके इस ढंग से टुकड़े कर दिए जाएंगे कि टुकड़े को बैठ करके या अन्यथा जोड़कर पुनः सिलेण्डर न बनाया जा सके।

(2) सिलेण्डर नष्ट करने के पूर्व उसके सभी चिरहांकन चिह्न हटा दिए जाएंगे।

(3) ऐसे सिलेण्डरों का इतिवृत्त बन्द कर दिया जाएगा और एक वर्ष के लिए अभिलेख में रखा जाएगा। ऐसे बन्द किए गए इतिवृत्त

कार्डों के विवरण की रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक को लिखित रूप में प्रत्येक वर्ष जनवरी, अप्रैल, जुलाई, अक्तूबर की एक तारीख को भेजी जाएगी।

(4) जिस सिलेण्डर को किसी गैस के जनन या भण्डारण, परिवहन और संपीडित गैस के उपयोग से निम्न किसी प्रयोजन के लिए उपयोग में लाया जाता है तो इन नियमों के अर्थ में उसे इस प्रकार प्रयोग के लिए नष्ट कर दिया गया और अनुपयुक्त समझा जाएगा।

4.4. परीक्षण का अभिलेख:—किसी परीक्षण स्टेशन पर, परीक्षा और परीक्षण किए गए सिलेण्डरों का पूरा अभिलेख रखा जाएगा जिसमें निम्नलिखित व्यौरा दिया जाएगा यथाः—

(क) सिलेण्डर के विनिर्माता और स्वामी का नाम;

(ख) धूर्णन संख्यांक;

(ग) विनिर्देश जिसके अनुरूप सिलेण्डर है;

(घ) मूल द्रवस्थैतिक/द्रवस्थैतिक प्रतिबल जांच की तारीख;

(ङ) विनिर्माता द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट और प्रमाणपत्र, यदि उपलब्ध है;

(च) जांच दाब;

(छ) उच्चतम कार्यकरण दाब;

(ज) जलधारिता;

(झ) आधेय भार;

(ञ) सिलेण्डर पर अंकित आधेय भार में हुआ परिवर्तन, यदि कोई है और वास्तविक आधेय भार;

(ट) सिलेण्डर कबज की दशा;

(ठ) गैस का नाम;

(ड) फिट किए गए बाल्व का प्रकार, और

(ढ) टिप्पण, यदि कोई है;

उपरोक्त व्यौरों से प्रत्येक सिलेण्डर का इतिवृत्त फाई बनाया जाएगा और उसमें समय-समय पर होने वाले समस्त परिवर्तनों की दर्शाया जाएगा।

अध्याय 6

बिलीन एसिटिलीन गैस सिलेण्डर

4.5. बिलीन एसिटिलीन गैस सिलेण्डरों के लिए अतिरिक्त अपेक्षाएं:—बिलीन एसिटिलीन गैस सिलेण्डरों के संबंध में निम्नलिखित अतिरिक्त अपेक्षाओं की पूर्ति होनी चाहिए, यथाः—

(i) सिलेण्डर को जिसमें एमिटिलीन संपीडित की जाती है, संरंध्य द्रव्यमान यथा संभव पूर्णतः भर दिया जाएगा।

(ii) द्रव्यमान की संरंध्यता किसी भी दशा में 92 प्रतिशत से अधिक और 75 प्रतिशत से कम नहीं होगी।

(iii) उपयोग में लाए जाने वाले किसी विलायक की एसिटिलीन गैस या संरंध्य द्रव्यमान या सिलेण्डर की धातु से रासायनिक प्रतिक्रिया संभव नहीं होगी।

(iv) यदि एसिटोन विलायक के रूप में उपयोग में लाई जाती है तो वह भा०मा० 170 की अपेक्षाओं के अनुरूप होगी। बोल में गैस सहित एसिटोन की मात्रा इतनी होगी कि सिलेण्डर भा०मा० 7312 में विनिर्दिष्ट अतिरिक्त जांचों की अपेक्षाओं की पूर्ति करता हो। सिलेण्डर में भरी जाने वाली एसिटोन

की अधिकतम मात्रा, संरंध्य द्रव्यमान की संरंधता और सिलेण्डरों की आयतनी धारिता के प्रत्यापन में निम्नलिखित रूप में होगी :—

संरंधता प्रतिशत	आयतन के अनुसार सिलेण्डर की जल धारिता में अधिकतम एमिटोन प्रेशर का प्रतिशत	
	9 लिटर से अधिक प्रतिक जलधारिता वाले सिलेण्डरों के लिए	9 लिटर से अधिक प्रतिक जलधारिता वाले सिलेण्डरों के लिए
75 से अधिक किन्तु 80 से अनधिक	34.8	36.2
80 से अधिक किन्तु 83 से अनधिक	37.1	38.6
83 से अधिक किन्तु 87 से अनधिक	38.5	40.0
87 से अधिक किन्तु 90 से अनधिक	38.5	42.0
90 से अधिक किन्तु 92 से अनधिक	41.8	43.4

- (v) सिलेण्डर के बाल्वों की संरचना में 70 प्रतिशत से अधिक मात्रा नहीं होगी।
- (vi) 15° सेंटीग्रेड के तापमान पर सिलेण्डर में बाबर 16 के०जी०एफ०/से०मी०² से अधिक नहीं होगा।
- (vii) संरंध्य द्रव्यमान के भरे जाने से पूर्व 60 के०जी०एफ०/से०मी०² से अन्यून के दाब पर प्रत्येक सिलेण्डर की जांच की जाएगी। इस दाब को 63 के०जी०एफ०/से०मी०² तक बढ़ाया जा सकता है, यदि सिलेण्डर में संगलनीय प्लग लगा है। कोई भी सिलेण्डर, जो द्रव्यस्थैतिक प्रतिबल की जांच के दौरान कुल प्रतिबल के $7-1/2$ प्रतिशत से अधिक स्थायी प्रतिबल दर्शाता है, अनुज्ञान नहीं किया जाएगा।
- (viii) यदि मुख्या मोचन धुक्किया लगी हैं, तो वे 53 के०जी०एफ०/से०मी०² से अन्यून के दाब पर या 100° सेंटीग्रेड $+4^\circ$ से -2° सेंटीग्रेड के तापमान पर प्रक्षालित होंगी।
- (ix) प्रत्येक सिलेण्डर पर या उस पर सोल्डर की गई पीतल की प्लेट पर विनिर्माता का नाम और "संरंध्य द्रव्यमान में ठीक से संपीड़ित एसिटिलीन" शब्द और निम्नलिखित चिन्हांकन स्थायी और सहजदृश्य रूप में चिन्हांकित किए जाएंगे, अर्थात् :—
- (क) विनिर्माताओं का कर्मांक और पहचान चिन्ह;
 - (ख) मानक का संख्यांक;
 - (ग) जांच बाबर;
 - (घ) द्रवस्थैतिक प्रतिबल जांच की तारीख और उस स्थान का कोड चिन्ह जहां जांच की गई है;
 - (ङ) संरंध्य द्रव्यमान के भरण की तारीख;
 - (च) जल धारिता;
 - (छ) उष्मोपचार की प्रकृति को दर्शाने वाला प्रतीक,
 - (ज) संरंध्य द्रव्यमान की पद्धति;
 - (झ) प्राधेय भार;
 - (ञ) निरीक्षक का शासकीय चिन्ह; और
 - (ट) अधिकतम गैस धारिता।

46. बिलीन एसिटिलीन सिलेण्डरों के भरण पर निर्बंधन :—कोई भी व्याक्त किसी सिलेण्डर में एसिटिलीन तब तक नहीं भरेगा जब तक कि उसके पास ऐसे सिलेण्डर का पूरा विवरण और पूर्व हतिवृत्त नहीं है और उसने अन्यथा अपने आपकी इस बाबत आवश्यक नहीं कर लिया है कि सिलेण्डर इन नियमों की अपेक्षाओं के अनुरूप है।

47. भरने से पूर्व बिलीन एसिटिलीन सिलेण्डरों की परीक्षा :—सिलेण्डर में एसिटिलीन भरने से पूर्व उसे देखकर उसकी पूर्णतः परीक्षा की जाएगी, यदि सिलेण्डर का हतिवृत्त यह दर्शाता है कि उसकी पिछले दो वर्षों में हम प्रकार की परीक्षा नहीं हुई है और उसी समय बाल्व हटा दिए जाएंगे और सिलेण्डर की गर्दन पर संरंध्य द्रव्यमान की स्थिति सुनिश्चित की जाएगी। यदि सिलेण्डरों में शिपिल संरंध्य द्रव्यमान भरा जाता है तो नियतकालिक परीक्षा की यह अवधि एक वर्ष होगी।

48. एसिटिलीन के संपीड़न के लिए अनुज्ञति :— मुख्य नियंत्रक द्वारा अनुज्ञापन परिचरों में ही एसिटिलीन का संपीड़न किया जाएगा।

49. बिलीन एसिटिलीन सिलेण्डरों का अभिलेख :—सिलेण्डरों में एसिटिलीन भरने वाली प्रत्येक फर्म अपने अपने द्वारा भरे गए प्रत्येक सिलेण्डर का अभिलेख रखेगी। अभिलेख में निम्नलिखित जानकारी होगी, अर्थात् :—

- (क) सिलेण्डर के प्रत्येक भरण की तारीख;
- (ख) बिलायक ढाले जाने की तारीख;
- (ग) वह तारीख जिसको सिलेण्डर की पूर्णतः परीक्षा हुई है जैसा नियम 47 में उपबन्धित है, ऐसी प्रत्येक परीक्षा के परिणाम और ऐसी परीक्षाएं करने वाले व्यक्ति का नाम और प्रथम बार फर्म द्वारा जारी किए गए सिलेण्डरों की दशा में संरंध्य द्रव्यमान और एसिटोन या अन्य बिलायक सहित सिलेण्डर का प्राधेय भार, बिलायक की प्रकृति और सिलेण्डर में अनुज्ञान अधिकतम बाबर।

अभिलेख मुख्य नियंत्रक और विस्फोटक नियंत्रक के निरीक्षण के लिए खुले रहेंगे।

50. बिलीन एसिटिलीन सिलेण्डरों पर लेबल लगाना :—नियम 10 के उपनियम (2) में दी गई विशिष्टियों के प्रतिरिक्त प्रत्येक बिलीन एसिटिलीन सिलेण्डर पर एक वेतावनी पत्र लगाया जाएगा जिसमें निम्नलिखित अनिर्दिष्ट विशिष्टियां दी जाएंगी, अर्थात् :—

- (क) वह तारीख जिसको सिलेण्डर में अन्तिम बार गैस भरी गई है; और
- (ख) भरी गई गैस का भार।

अध्याय 7

भरण और कब्जे

51. भरण और कब्जे के लिए अनुज्ञति :—(1) इन नियमों के अधीन दी गई अनुज्ञति के अधीन और उसकी शर्तों के अनुसार ही कोई व्यक्ति किसी सिलेण्डर में संपीड़ित गैस भरेगा और संपीड़ित गैस से भरा सिलेण्डर भरने कब्जे में रखेगा अथवा नहीं।

(2) अनुज्ञतिधारी अनुज्ञापन परिचरों में, सिलेण्डरों के भरण और कब्जे से संबंधित संक्रियाओं के लिए जिम्मेदार होगा।

52. कतिपय बलाओं में भरण और कब्जे के लिए अनुज्ञति आवश्यक न होना :—नियम 51 में किसी बात के होते हुए भी, निम्नलिखित के लिए अनुज्ञति आवश्यक नहीं होगी, अर्थात् :—

- (क) किसी प्रयोग या जांच या रखरखाव के प्रयोजन के लिए एक सिलेण्डर से दूसरे सिलेण्डर में छोड़ी संपीड़ित गैस भरने के लिए;
- (ख) इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार वहन के प्रयोजन के लिए संपीड़ित गैस से भरे किसी सिलेण्डर को बाहक या अन्य व्यक्ति द्वारा कब्जे में रखे जाने के लिए;
- (ग) निम्नलिखित से भरे सिलेण्डरों को कब्जे में रखने के लिए, अर्थात् :—

- (i) द्रवित पैट्रोलियम गैस, जब गैस का कुल मात्रा किसी एक समय में 100 कि०ग्रा० से अधिक नहीं है ;
- (ii) कोई अन्य उच्चतरशील किन्तु अविशीली गैस जबकि किसी एक समय में ऐसी गैस से भरे सिलेण्डरों की कुल संख्या 15 से अधिक नहीं है या गैस का कुल भार 125 किलोग्राम से अधिक नहीं है, इनमें से जो भी कम है ;
- (iii) कोई अच्चतरशील अविशीली गैस, जब किसी एक समय में, ऐसे सिलेण्डरों की कुल संख्या 50 से अधिक नहीं है ,
- (iv) कोई द्वितीय गैस, जब ऐसे सिलेण्डरों की कुल संख्या किसी एक समय में 5 से अधिक नहीं है।
- (v) विलीन स्थिति में सिलेण्डरों में भरी हुई एमिटिलीन गैस, जब किसी एक समय में ऐसे सिलेण्डरों की कुल संख्या 15 से अधिक नहीं है।

53. भरण पर नियंत्रण :—कोई भी व्यक्ति किसी सिलेण्डर में कोई संपीड़ित गैस तब तक नहीं भरेगा जब तक कि सिलेण्डर और उसका बाल्व या अन्य फिटिंग —

- (क) नियम 3 के अनुसार अनुमोदित प्रकार और मानक तक की नहीं है और भरण के लिए मुख्य नियंत्रक द्वारा विनिर्दिष्टतः अनुमोदित नहीं है ;
- (ख) नियम 41 और 42 में विनिर्दिष्ट परीक्षा और परीक्षण में ठीक नहीं पाई गई है।
- (ग) नियम 4, 5, 6, 7 और 8 के उपबन्धों के अनुरूप नहीं हैं।

54. कार्यकरण दाब और भरण अनुपात :—(1) स्थायी गैस से भरे किसी सिलेण्डर में कार्यकरण और आन्तरिक दाब, जांच दाब के बीच तिहाई से अधिक नहीं होगा।

(2) द्रवशील गैसों से भरे सिलेण्डर निम्नदाब द्रवशील गैस की दशा में भा०मा० 3710 और उच्च दाब द्रवशील गैस की दशा में भा०मा० 8866 में विनिर्दिष्ट भरण अनुपात से अधिक नहीं भरे जायेंगे।

55. विनिर्देशों और अनुज्ञप्ति किए जाने वाले प्रस्तावित परिसर के रेखांकों का पूर्वानुमोदन :—(1) किसी संपीड़ित गैस को किसी सिलेण्डर में भरने और भण्डारण की अनुज्ञप्ति अग्रिभाष्य करने का ह्मछुक प्रत्येक व्यक्ति, मुख्य नियंत्रक को निम्नलिखित प्रस्तुत करेगा,—

- (i) विनिर्देश और मापमान के अनुसार रेखांक जो तीन प्रतियों में होंगे जिनमें निम्नलिखित बातों का स्पष्टतः उल्लेख किया जाएगा :—
 - (क) वह ढंग जिसमें इन नियमों में विहित उपबन्धों का पालन किया जाएगा ;
 - (ख) अनुज्ञप्ति किए जाने वाले प्रस्तावित परिसर, जिसका क्षेत्रफल स्पष्टतः रंग किया जाएगा या अन्यथा चिह्नीकन किया जाएगा ;
 - (ग) जिन सुविधाओं के लिए अनुज्ञप्ति का प्रस्ताव है, उनके आसपास चारों ओर 100 मीटर क्षेत्र।
- (ii) पचास रुपए संवीक्षा शुल्क, जो नियम 72 में विहित ढंग में संवत् किया जाएगा।

(2) विनिर्देशों और रेखांकों की संवीक्षा करने के पश्चात् और ऐसी जांच करने के पश्चात् जैसी वह ठीक समझे, यदि मुख्य नियंत्रक का यह समाधान हो जाता है कि अनुज्ञप्ति किए जाने वाले प्रस्तावित परिसरों में इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार संपीड़ित गैस का भरण और भण्डारण किया जाएगा तो वह आवेदक को समस्त विनिर्देशों और

रेखांकों की एक-एक प्रति हस्ताक्षर करके वापस कर देगा और अपनी संजूरी ऐसी शर्तों पर जैसी कि वह विनिर्दिष्ट करे, सूचित करेगा।

56. अनुज्ञप्ति देना :—अनुधुनी V में विनिर्दिष्ट फीस संदत्त करने पर मुख्य नियंत्रक इन नियमों के अधीन अनुज्ञप्ति दे सकेगा।

57. अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन :—इन नियमों के अधीन अनुज्ञप्ति अग्रिभाष्य करने या नवीकरण का ह्मछुक व्यक्ति, मुख्य नियंत्रक को एक लिखित आवेदन—

- (क) यदि आवेदन प्ररूप 'घ' में अनुज्ञप्ति के लिए है, प्ररूप 'ख' में देगा; और
- (ख) यदि आवेदन प्ररूप 'ङ' या प्ररूप 'घ' में अनुज्ञप्ति के लिए है, प्ररूप 'ग' में देगा।

58. वह अवधि जिसके लिए अनुज्ञप्ति की जा सकती है या उसका पुनः नवीकरण किया जा सकता है :—(1) संपीड़ित गैस संभरण या भरण के लिए आशयित सिलेण्डरों के आयात के लिए प्ररूप 'ब' में अनुज्ञप्ति उसी अवधि के लिए दी जा सकती है जो मुख्य नियंत्रक आवश्यक समझे किन्तु यह अवधि अधिक से अधिक एक वर्ष की होगी।

(2) संपीड़ित गैस के भरण और भण्डारण के लिए इन नियमों के अधीन क्रमशः प्ररूप 'ङ' या प्ररूप 'ब' में दी गई या नवीकृत की गई अनुज्ञप्ति उस वर्ष के मार्च के इकतीसवें दिन पर्यन्त प्रवृत्त रहेंगी। जिस वर्ष तक के लिए अनुज्ञप्ति दी गई या नवीकृत की गई है, किन्तु ऐसी अवधि अधिक से अधिक तीन वर्ष की होगी।

(3) उपनियम (2) में किसी बात के होने हुए भी, जहां मुख्य नियंत्रक का यह समाधान हो जाता है कि अनुज्ञप्ति किसी विशिष्ट कार्य के लिए अपेक्षित है जिसके उस वर्ष के, जिस वर्ष तक के लिए अनुज्ञप्ति दी गई या नवीकृत की गई है, 31 मार्च तक पूरा होने की संभावना नहीं है, तो वह उसी अवधि के लिए जितनी आवश्यक हो, अनुज्ञप्ति दे सकता है या नवीकृत कर सकता है।

59. अनुज्ञप्ति की विधिधियाँ :—(1) इन नियमों के अधीन दी गई प्रत्येक अनुज्ञप्ति, उसमें विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन होगी और उसमें वे सब विधिधियाँ होंगी जो इन नियमों के अधीन विनिर्दिष्ट प्ररूप में अपेक्षित हैं।

(2) अनुज्ञप्ति परिसर के लिए रेखांक या रेखांकों की एक प्रति जिस पर अनुज्ञापन प्राधिकारी के अनुमोदन के प्रतीकस्वरूप उसके हस्ताक्षर होंगे, अनुज्ञप्ति के साथ संलग्न की जाएगी और वह ऐसी अनुज्ञप्ति का भागरूप होगी, और वैसी ही एक प्रति अनुज्ञापन प्राधिकारी के कार्यालय में अभिलेख के लिए फाइल की जाएगी।

60. अनुज्ञप्ति परिसरों में परिवर्तन के लिए पूर्व अनुमोदन आवश्यक :—

(1) अनुज्ञप्ति परिसरों में कोई परिवर्तन तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसे परिवर्तन का दृष्टिगत करने वाले रेखांक को मुख्य नियंत्रक ने लिखित रूप में अनुमोदित नहीं कर दिया है।

(2) अनुज्ञप्ति परिसरों में परिवर्तन करने का ह्मछुक व्यक्ति मुख्य नियंत्रक को,—

- (i) अनुज्ञप्ति परिसर के समुचित रूप से आरेखित रेखांक की तीन प्रतियाँ देगा, जिनमें कि प्रस्तावित परिवर्तन को अलग रंग में दिखाया गया हो, तथा परिवर्तन के कारणों का उल्लेख किया गया हो।
- (ii) दस रुपए संवीक्षा शुल्क जो नियम 72 में विहित ढंग में संवत् किया जाएगा।

(3) यदि प्रस्तावित परिवर्तन दर्शाने वाले रेखांक की संशोधा करने के पश्चात् और ऐसी जांच करने के पश्चात् जो वह ठीक समझे, मुख्य नियंत्रक का यह समाधान हो जाता है कि प्रस्तावित परिवर्तन किए जा सकते हैं तो वह अनुज्ञप्तिधारी को रेखांक की एक प्रति हस्ताक्षर करके वापस कर देगा और उसे अनुरोध मंजूरी ऐसी शर्त या शर्तों के अधीन रहते हुए, जो वह विनिर्दिष्ट कर सूचित करेगा।

(4) जैसे ही मंजूर किया गया परिवर्तन कर दिया जाता है, अनुज्ञप्तिधारी अनुज्ञापन प्राधिकारी को अनुज्ञप्ति के संशोधन के लिए आवेदन करेगा।

(5) मुख्य नियंत्रक द्वारा मंजूर की गई किसी प्रविष्टि या परिवर्तन को तब तक, उपयोग में नहीं लाया जाएगा जब तक अनुज्ञप्तिधारी को सम्बन्धित संशोधित अनुज्ञप्ति प्राप्त नहीं हो जाती है।

61. अनुज्ञप्ति का संशोधन :—(1) इन नियमों के अधीन की गई अनुज्ञप्ति मुख्य नियंत्रक द्वारा संशोधित की जा सकती है।

(2) अनुज्ञप्ति में संशोधन के लिए, फीस दस रुपए होगी तथा उसके अतिरिक्त उतनी रकम और देनी होगी जितनी कि अनुज्ञप्ति के लिए मूलतः संबद्ध फीस से उस दशा में अधिक होती है जब अनुज्ञप्ति मूलतः ही ऐसे संशोधित रूप में जारी की जाती है।

(3) अनुज्ञप्ति में संशोधन का हस्तक्षेप अनुज्ञप्तिधारी मुख्य नियंत्रक को निम्नलिखित प्रस्तुत करेगा, अर्थात् :—

- (i) यदि अनुज्ञप्ति संपीडित गैस सिलेंडरों के आयात के लिए दी गई है तो प्ररूप 'ख' में, और यदि अनुज्ञप्ति गैस सिलेंडरों में संपीडित गैस के भरण और मण्डारण के लिए दी गई है तो प्ररूप 'ग' में, सम्बन्धित रूप से भरा गया तथा हस्ताक्षरित एक आवेदन ;
- (ii) संशोधन के लिए आयातित अनुज्ञप्ति और साथ ही उससे संलग्न अनुमोदित रेखांक ;
- (iii) जहाँ अनुज्ञप्ति परिसर में कोई परिवर्तन कर दिया गया है वहाँ नियम 60 के अधीन मुख्य नियंत्रक द्वारा मंजूर किए गए परिवर्तन को दर्शित करने वाले समुचित रूप से प्रारोक्षित रेखांक की तीन प्रतियां ;
- (iv) अनुज्ञप्ति में संशोधन के लिए, उपनियम (2) में यथा विनिर्दिष्ट फीस।

62. अनुज्ञप्ति का नवीकरण :—(1) अनुज्ञप्ति का नवीकरण मुख्य नियंत्रक द्वारा किया जा सकता है।

(2) इन नियमों के अधीन प्ररूप 'क' और प्ररूप 'ख' में दी गई प्रत्येक अनुज्ञप्ति उस दशा में तीन वित्तीय वर्षों के लिए नवीकृत की जा सकती है जबकि अधिनियम या उस के अधीन बनाए गए नियमों के उपबन्धों का या इस प्रकार नवीकृत अनुज्ञप्ति की किसी शर्त का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है।

(3) यदि कोई अनुज्ञप्ति, जो एक वर्ष से अधिक के लिए नवीकृत की गई है, ऐसी अवधि की समाप्ति के पूर्व अभ्यर्पित कर दी जाती है तो अनुज्ञप्ति की अनवसित अवधि के लिए संबंधित नवीकरण फीस अनुज्ञप्तिधारी को वापस कर दी जाएगी, परन्तु किसी ऐसे वित्तीय वर्ष के लिए नवीकरण फीस लीटाई नहीं जाएगी जिसके दौरान मुख्य नियंत्रक अभ्यर्पण के लिए नवीकृत अनुज्ञप्ति प्राप्त करता है।

(4) अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन के साथ वह अनुज्ञप्ति, जिसका नवीकरण होना है तथा अनुज्ञप्ति के साथ अनुमोदित रेखांक और नवीकरण फीस भी जाएगी।

(5) अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन, इस प्रकार किया जाएगा कि वह अनुज्ञापन प्राधिकारी के पास उस तारीख से, जिसको वह समाप्त होनी है, कम से कम तीस दिन पूर्व पहुंच जाए और यदि आवेदन इस प्रकार किया जाता है तो अनुज्ञप्ति उस तारीख तक, प्रवृत्त समझी जाएगी जिसको मुख्य नियंत्रक अनुज्ञप्ति का नवीकरण करता है या आवेदन को यह संतुष्ट किया जाता है कि अनुज्ञप्ति के नवीकरण से इन्कार कर दिया गया है।

(6) यदि अनुज्ञप्ति के नवीकरण से इन्कार कर दिया जाता है तो नवीकरण के लिए संबद्ध फीस में से अनुमानित उतनी फीस काटकर, जितनी कि उस तारीख से जिससे कि अनुज्ञप्ति नवीकृत की जानी थी, आरम्भ होने वाली और उस, तारीख को जिसको अनुज्ञप्ति के नवीकरण से इन्कार किया जाता है, समाप्त होने वाली अवधि के लिए है शेष फीस अनुज्ञप्तिधारी को वापस कर दी जाएगी।

(7) प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए उतनी ही फीस ली जाएगी जितनी कि उसके देने के लिए हो जाती है :

परन्तु—

- (i) यदि उपनियम (4) के अधीन अभ्यर्पित संलग्नकों के साथ आवेदन उपनियम (5) में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर प्राप्त नहीं होता है तो अनुज्ञप्ति साधारणतया देय फीस से दुगुनी रकम का संशय करने पर ही नवीकृत की जाएगी ;
- (ii) यदि मुख्य नियंत्रक को संलग्नकों सहित आवेदन, अनुज्ञप्ति की अवधि की समाप्ति की तारीख के पश्चात् किन्तु ऐसी तारीख से तीस दिन के भीतर प्राप्त हो जाता है तो अनुज्ञप्ति, किसी अन्य ऐसी कार्रवाई पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना जो इस निमित्त की जा सकती है साधारणतया देय फीस की दुगुनी रकम का संशय किए जाने पर नवीकृत की जा सकती है :

परन्तु यह और कि यदि एक बार में एक वित्तीय वर्ष से अधिक की अवधि के लिए अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए आवेदन किया जाता है तो प्रथम परन्तु के अधीन विहित फीस यदि देय है तो केवल नवीकरण के प्रथम वित्तीय वर्ष के लिए दी जाएगी।

(8) यदि मुख्य नियंत्रक को, अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए आवेदन उसकी समाप्ति से तीस दिन पश्चात् प्राप्त होता है तो अनुज्ञप्ति का नवीकरण नहीं किया जाएगा।

63. अनुज्ञप्ति से इन्कार :—(1) यदि मुख्य नियंत्रक अनुज्ञप्ति देने, नवीकृत करने या उसमें कोई संशोधन करने से इन्कार करता है तो वह ऐसे इन्कार के कारण लेखबद्ध करेगा।

(2) ऐसे इन्कार के कारणों वाले आदेश की एक प्रति, आवेदन को पांच रुपए की फीस के संशय किए जाने पर दी जाएगी जो नियम 72 में विहित ढंग से संबद्ध की जाएगी।

64. अनुज्ञप्ति का निलम्बन और रद्दकरण :—(1) इन नियमों के अधीन की गई प्रत्येक अनुज्ञप्ति, अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों या ऐसी अनुज्ञप्ति की किसी शर्त के किसी उल्लंघन के कारण मुख्य नियंत्रक के आदेश से, या यदि किसी समय अनुज्ञप्तिधारी के पास अनुज्ञप्ति का बना रहना आवश्यक नहीं समझा जाता है तो केन्द्रीय सरकार के आदेश से, निलम्बित या रद्द की जा सकती है :

परन्तु—

- (i) इस नियम के अधीन किसी अनुज्ञप्ति को निलम्बित या रद्द करने से पूर्व अनुज्ञप्तिधारी को सूचनाई का अवसर दिया जाएगा ;
- (ii) निलम्बन की अधिकतम अवधि तीन मास से अधिक नहीं होगी ; और

- (iii) अनुज्ञप्ति निलम्बित हो जाने से अनुज्ञप्तिधारी, नियम 62 के उपबन्धों के अनुसार उसके नवीकरण के लिए आवेदन करने से विवर्जित नहीं होगा।

(2) उपनियम (1) में किसी बात के होते हुए भी अनुज्ञप्तिधारी को निम्नलिखित दशाओं में उसी अनुज्ञप्ति निवृत्त या रद्द करने से पूर्व सुनवाई का अवसर देना आवश्यक नहीं होगा, अर्थात्—

- (i) जहाँ अनुज्ञप्ति अधिनियम या इन नियमों के उपबन्धों में से किसी के या ऐसे/ अनुज्ञप्ति की किन्हीं शर्तों के अतिक्रमण के कारण मुख्य नियंत्रक द्वारा अन्तिम उपाय के रूप में निवृत्त कर दी जाती है या इस कारण निवृत्त कर दी जाती कि उसकी राय में ऐसे अतिक्रमण से जनता को असमझ खतरा होने की संभावना है ; परन्तु यदि अनुज्ञप्ति इस प्रकार निवृत्त कर दी जाती है तो मुख्य नियंत्रक अनुज्ञप्तिधारी को निवृत्त का आदेश पुष्ट करने के पूर्व सुनवाई कर अवसर देगा ;
- (ii) जहाँ अनुज्ञप्ति केन्द्रीय सरकार द्वारा निवृत्त या रद्द की जाती है और वह सरकार समझती है कि लोकहित में या राज्य की सुरक्षा के हित में ऐसा अवसर नहीं दिया जाना चाहिए ।
- (3) उपनियम (1) के अधीन अनुज्ञप्ति को निवृत्त या रद्द करने वाला मुख्य नियंत्रक या केन्द्रीय सरकार ऐसा करने के कारणों को लेखबद्ध करेगी।

65. अनुज्ञप्ति की समाप्ति, निवृत्त या रद्दकरण की दशा में प्रक्रिया :—संपीठित गैस के भरण या भण्डारण के लिए अनुज्ञप्त व्यक्ति, ऐसी अनुज्ञप्ति की समाप्ति निवृत्त या रद्दकरण की दशा में, मुख्य नियंत्रक को अपने कक्षाधीन संघटित गैस के वर्ग और मात्रा की सूचना तुरन्त देगा और उन निवेशों का पानन करेगा जो मुख्य नियंत्रक उसके निपटारे के लिए हों।

66. अपील :—(1) अनुज्ञप्ति के देने या संशोधन या उसके नवीकरण से इंकार करने या अनुज्ञप्ति के रद्दकरण या निवृत्त के विरुद्ध अपील यदि आदेश मुख्य नियंत्रक द्वारा पारित किया गया है तो केरा सरकार को की जाएगी।

(2) प्रत्येक अपील लिखित रूप में होगी और उसके साथ उस आदेश की एक प्रति होगी जिसके विरुद्ध अपील की जा रही है और ऐसे आदेश के पारित होने से साठ दिन के भीतर पेश की जाएगी।

67. अनुज्ञप्तिधारी की मृत्यु या निःशक्तता की दशा में प्रक्रिया :—

(1) यदि अनुज्ञप्तिधारी की मृत्यु हो जाती है या वह दिवालिया हो जाता है या मानसिक रूप से असमर्थ हो जाता है या अन्यथा निःशक्त हो जाता है तो ऐसे अनुज्ञप्तिधारी का कारबार चलाने वाला व्यक्ति उस अवधि के दौरान, जो उस व्यक्ति के लिए अपने नाम में उतनी अवधि के लिए जिनकी कि उन वर्ष के सम्बन्ध में जिनमें कि अनुज्ञप्तिधारी की मृत्यु हो गयी है या वह दिवालिया हो जाता है या मानसिक रूप से असमर्थ हो जाता है, नई अनुज्ञप्ति लेने के लिए, आवेदन करने के लिए, युक्तियुक्त रूप से अपेक्षित है, अनुज्ञप्तिधारी को दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के कारण अधिनियम या इन नियमों के अधीन किसी शक्ति का या अधिहरण का भागी नहीं होगा।

परन्तु इस उपनियम की कोई बात अनुज्ञप्ति को अवधि की समाप्ति के पश्चात् किसी व्यक्ति द्वारा इस उपनियम के अधीन किसी शक्ति का प्रयोग प्राधिकृत करने वाली नहीं समझी जाएगी।

(2) मूल अनुज्ञप्ति की शेष अवधि के लिए, इस नियम के अधीन आवेदन करने वाले किसी व्यक्ति को दी गई अनुज्ञप्ति के लिए पांच रुपए फीस प्रभारित की जाएगी जो नियम 72 में विहित ढंग में मंदत की जाएगी।

68. अनुज्ञप्ति खो जाना :—जहाँ इन नियमों के अधीन दी गई अनुज्ञप्ति खो जाती है या दुर्घटनाग्रस्त नष्ट हो जाती है वहाँ उस रेखांक या रेखांक की, जो अनुज्ञप्ति से सम्बन्धित किए गए रेखांक या रेखांक के समरूप हैं, प्रतियां प्रस्तुत किए जाने पर और नियम 72 में विहित ढंग से दस रुपए की फीस संवत्त किए जाने पर एक दूसरी प्रति दी जा सकती है।

69. भांग पर अनुज्ञप्ति का पेश किया जाना :—(1) इन नियमों के अधीन दी गई अनुज्ञप्ति, का धारण करने वाला या उसके अधीन कार्य करने वाला प्रत्येक व्यक्ति, नियम 77 में विनिर्दिष्ट किसी प्राधिकारी द्वारा भांग की जाने पर, उक्त स्थान पर जिसे अनुज्ञप्ति लागू है, अनुज्ञप्ति या उसकी अधिप्रमाणित प्रति पेश करेगा;

(2) इस नियम के प्रयोजनों के लिए, किसी अनुज्ञप्ति की प्रतियां—

(क) प्रत्येक अधिप्रमाणित प्रति के लिए, नियम 72 में विहित ढंग में पांच रुपए की फीस संवत्त कर दिए जाने पर ; और

(ख) अनुज्ञप्ति से सम्बन्धित रेखांक या रेखांक के समरूप रेखांक या रेखांक की प्रति या प्रतियां पेश कर दी जाने पर, उस प्राधिकारी द्वारा अधिप्रमाणित की जा सकती है जिसने कि अनुज्ञप्ति दी है।

70. अविलम्बन की रिपोर्ट प्राप्त होने पर प्रक्रिया :—यदि अधिनियम या इन नियमों के अन्तर्गत के संबंध में मुख्य नियंत्रक जिसे प्राधिकारी को कोई रिपोर्ट करता है ता जिसे प्राधिकारी उप बाबत अपने द्वारा की गई कार्रवाई की जानकारी मुख्य नियंत्रक को देगा।

71. प्राधिकारियों पर कार्यपालक नियंत्रण :—केन्द्रीय सरकार से जिसे इन अध्याय के अधीन कार्य करने वाला प्रत्येक प्राधिकारी, अपने कर्तव्यों का निर्वहन केन्द्रीय सरकार के नियंत्रण के अधीन रहते हुए करेगा:

परन्तु इन नियम का कोई भी बात मुख्य नियंत्रक को अपने अधीनस्थ कर्मचारियों पर नियंत्रण रखने की कार्यपालक शक्ति पर प्रभाव डालने वाली नहीं समझी जाएगी।

72. फीस का सहाय :—इन नियमों के अधीन दिये गये सभी फीसों का संदाय, लेखा अधिकारी, बैंक और लेखा कार्यालय, विन्फोर्ट दिनांक नागपुर के नाम में किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक पर लिखे गए मांग नमूने द्वारा किया जाना चाहिए और जहाँ देय रकम 100 (एक सौ रुपए) से अधिक नहीं है वहाँ संदाय नकद, मनीऑर्डर, पोस्टल ऑर्डर या स्थानीय बैंक पर लिखे गए बैंक द्वारा किया जा सकता है।

अध्याय 8

73. छूट देने की शक्ति :—यदि मुख्य नियंत्रक का समाधान हो जाता है कि किसी मिलेण्डर या मिलेण्डरों के वर्ग या किस प्रेक्षण पद्धति के सम्बन्ध में इन नियमों की किन्हीं भी अपेक्षाओं की निरापेक्ष रूप से निवृत्त या परिवर्तित किया जा सकता है तो वह ऐसी अवधि के लिए और ऐसी शर्तों के अधीन जा वह ठीक समझे, इस प्रकार का निवृत्त या परिवर्तन प्राधिकृत कर सकता है। ऐसे किसी अपेक्षा की किसी भी समय प्रतिसंहत किया जा सकता है।

अध्याय 9

दुर्घटना और जांच

74. दुर्घटना की सूचना :—(1) किसी दुर्घटना की सूचना जो अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (1) के अधीन दी जानी अपेक्षित है :—

- (i) मुख्य नियंत्रक को दूत तार द्वारा (ताप का पना-विस्फोटक नागपुर) तुरन्त दी जाएगी और उक्त सीमोन बंदे के भीतर घटना के बारे में बाबत एक पत्र भेजा जाएगा ; और

- (ii) निकटतम पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी को शोधता रूप में दी जाएगी।

अध्याय 10

शक्तियाँ

(2) मुख्य नियंत्रक या उसके प्रतिनिधि के थाने तक या मुख्य नियंत्रक से यह अनुदेश मिलने तक कि वह भाग कोई अन्वेषण या जांच नहीं करना चाहता है, सभी छव्त्न सामग्री और मलबा, सिद्धांत उनके जिसका उठाया जाना चाहत व्यक्तियों के बचाव के लिए और दुर्घटना से मरने वाले किन्ही व्यक्तियों के शवों की निकासने के लिए, या रेलों को यथा में, संचार व्यवस्था को पुनः स्थापित करने के लिए आवश्यक है, ज्यों का त्यों छोड़ दिया जाएगा।

75. **दुर्घटना की जांच :—**(1) यदि अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन जिना मजिस्ट्रेट, पुलिस आयुक्त या जिला मजिस्ट्रेट का अधीनस्थ मजिस्ट्रेट (जिसे इसमें इसके पश्चात् मजिस्ट्रेट कहा गया है) कोई जांच करना है तो वह उसे तब तक के लिए स्थगित कर देगा जब तक कि मुख्य नियंत्रक या उसके द्वारा नाम निर्दिष्ट अधिकारी कार्यवाही पर निगरानी रखने के लिए उपस्थित नहीं होता या मजिस्ट्रेट की मुख्य नियंत्रक से लिखित रूप में यह सूचना प्राप्त नहीं हो जाती है कि वह प्रतिनिधि भेजना नहीं चाहता है।

(2) मजिस्ट्रेट स्थगित जांच को पुनः प्रारंभ करने से कम से कम चौदह दिन पूर्व मुख्य नियंत्रक को स्थगित जांच के होने के समय और स्थान को लिखित सूचना देगा।

(3) जहाँ दुर्घटना में जनजीवन की क्षति हुई है, वहाँ मजिस्ट्रेट उप-नियम (1) के अधीन जांच स्थगित करने के पूर्व शवों की पहचान करने के लिए साक्ष्य ले सकता है और उनके अंतिम संस्कार का आदेश दे सकता है।

(4) मुख्य नियंत्रक या उसका प्रतिनिधि, ऐसी किसी जांच में किसी साक्षी की परीक्षा कर सकेगा।

(5) यदि मुख्य नियंत्रक या उसके द्वारा नाम निर्दिष्ट अधिकारी उपस्थित नहीं है, और जांच में ऐसी उपेक्षा का साक्ष्य दिया जाता है जिसके कारण या जो विस्फोट या दुर्घटना में हुई है या किसी प्रतिष्ठापन के भास पास या उसके संबंध में या यान में कोई ऐसी खराबी हुई है जिसका मजिस्ट्रेट या जूरी उपचार करना चाहता है तो मजिस्ट्रेट मुख्य नियंत्रक को ऐसी उपेक्षा या दोष की लिखित सूचना देगा।

76. **अधिक गंभीर दुर्घटनाओं की जांच :—**(1) यदि अधिनियम की धारा 9 क के अधीन कोई जांच की जाती है तो जांच करने वाले व्यक्ति, खुले न्यायालय में ऐसे बंग और ऐसी शर्तों के अधीन जांच करेंगे जो वे दुर्घटना के कारणों तथा परिस्थितियों का पता लगाने के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण समझें और इस नियम के अधीन रिपोर्ट देने में उन्हें समर्थ करें :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार ऐसा निवेश दे तो जांच बंद कमरे में की जा सकती है।

(2) जांच न्यायालय के समक्ष हाजिर होने वाले साक्षियों को ऐसा व्यव अनुज्ञात किया जाएगा जो उस स्थान में, जहाँ जांच की जाती है, अधिकारिता रखने वाले उच्च न्यायालय के अधीनस्थ सिविल न्यायालय में हाजिर होने वाले साक्षियों को अनुज्ञात होता है और यदि अनुज्ञात की जाने वाली रकम के संबंध में कोई विवाद उत्पन्न होता है तो प्रश्न स्थानीय मजिस्ट्रेट को निर्दिष्ट किया जाएगा जो जांच अधिकारी द्वारा निवेदन किए जाने पर ऐसे खर्च की उचित रकम अधिनियमित करेगा और उसे प्रमाणित करेगा।

(3) इस नियम के अधीन की गई जांच या अन्वेषण में या उसके संबंध में उपगत सभी व्यय भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1884 (1884 का 4) के निष्पादन के लिए, विस्फोटक विभाग द्वारा किए गए व्यय का भाग समझा जाएगा।

77. **खतरनाक व्यवहार :—**यदि किसी मामले में, इन नियमों के अधीन दी गई अनुज्ञात के किसी अभिव्यक्त उद्देश्य में या किना शर्त में व्यवस्था नहीं की गई है विस्फोटक नियंत्रक का यह पता लगना है कि कोई संघोड़ित गैस भरण स्टेशन या भण्डारण स्थान, जगा मिनेण्डर भरा या रखा जाता है या उपता कोई भाग या कोई यान या उतने या उससे संबंधित कोई पदार्थ या संघोड़ित गैस मिनेण्डरों का ढग उठाई या परिवहन इस प्रकार खतरनाक या त्रुटिपूर्ण है जो उनकी राय में नात सुरक्षा के या किसी व्यक्ति की शारीरिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकता है तो ऐसा नियंत्रक लिखित आदेश द्वारा ऐसे भरण स्टेशन या भण्डारण स्थान के अधिष्ठाता या मिनेण्डर के स्वामी से ऐसे समय के भीतर जो वह आदेश में निर्दिष्ट करे। उसके उन्वार को अज्ञेता कर सकता है और उक्त अधिष्ठाता निर्दिष्ट समय के भीतर आदेशों का पालन करेगा।

(2) यदि अधिष्ठाता या स्वामी उपनियम (1) के अधीन दिए गए किसी आदेश पर आशेष करता है तो वह आदेश में अनुपास्य के लिए निर्दिष्ट समय के भीतर, मुख्य नियंत्रक का अधीन कर सकेगा और ऐसी अपील पर मुख्य नियंत्रक का आदेश अंतिम होगा।

(3) उपनियम (2) के अधीन प्रस्तुत की गई प्रत्येक अपील लिखित रूप में होगी और उसके साथ उस आदेश की, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, एक प्रति लगाई जाएगी और जिस आदेश के विरुद्ध की गई है उस आदेश की तारीख से 30 दिन की अवधि के भीतर की जाएगी।

(4) यदि अधिष्ठाता या स्वामी उपनियम (1) के अधीन दिए गए किसी आदेश का अनुपालन करने में अनकत रहता है या, यदि अपील उपनियम (2) के अधीन प्रस्तुत की गई है तो उस पर मुख्य नियंत्रक के आदेश का ऐसे आदेश में नियत समय के भीतर अनुपालन में असफल रहता है तो यह समझा जाएगा कि उसने इस नियम का भंग किया है।

78. **निरीक्षण, तलाशी, अन्वेषण, निरोध और हटाने शक्तियाँ :—**

(1) निम्नलिखित शर्तों के प्रथम स्तंभ में निर्दिष्ट कोई ना अधिकारी, अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) में निर्दिष्ट शक्तियों का प्रयोग उन क्षेत्रों में कर सकता है जो उसी सारणी के दूसरे स्तंभ की तत्स्थानी प्रविष्टियों में निर्दिष्ट हैं :

अधिकारी	क्षेत्र
1. मुख्य नियंत्रक, उप-मुख्य नियंत्रक, नियंत्रक, उपनियंत्रक और सहायक विस्फोटक नियंत्रक	सम्पूर्ण भारत में
2. सभी जिला मजिस्ट्रेट	उनके अपने थाने जिसे में
3. जिला मजिस्ट्रेट के अधीनस्थ सभी मजिस्ट्रेट	उनकी अपने थाने अधिकारिता में
4. पुलिस आयुक्त और निरीक्षक से अधिकारी	प्रेजिडेसी नगरों या उनके उप-अनिम्न पंक्ति के सभी पुलिस नगरों में
5. उप निरीक्षक से अनिम्न पंक्ति के सभी पुलिस अधिकारी	संबंधित क्षेत्र जिन पर उनका अधिकार है।

परन्तु उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अधीन किसी मजिस्ट्रेट या पुलिस अधिकारी द्वारा हटाए जाने और तब्द करने मन्वी अधिकारों का प्रयोग मुख्य नियंत्रक, उपमुख्य नियंत्रक,

नियंत्रक, उप नियंत्रक या सहायक नियंत्रक बिस्फोटक के अनुदेशों के अधीन और उनके अनुसार ही किया जाएगा, अन्यथा नहीं।

ई(2) उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट अधिकारियों को, यह सुनिश्चित करने के लिए कि इन नियमों का सम्पूर्ण पालन हो रहा है, प्रत्येक सुविधा दी जाएगी।

अनुसूची 1

[नियम 3(1) के अंतर्गत]

सिलेण्डरों और बाल्वों के प्रकार और मानक

क. सिलेण्डर

1. आस्ट्रियाई मूल :

मैसर्स जोमफ हीजर आफ आस्ट्रिया द्वारा विनिर्मित सीबनहीन इस्पात सिलेण्डर-ब्यूरो वेरिटाज द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित विनिर्देश बी० एस० 399, बी० एस० 400, बी० एस० : 1045 के अनुरूप, होम आफिस "एस" और "टी" बी० ओ० टी० : 3ए० : 1800 और अधिक स्थाई गैसों के लिए और डी० ओ० टी० : 3ए० : 1800 और अधिक तथा द्रवशील गैसों के लिए बी० एस० : 401, बी० एस० : 1287, बी० एस० : 1288, डी० ओ० टी० : 3 ए० डी० ओ० टी : 3ए०

2. चेकोस्लोवाकियाई मूल :

मैसर्स बिस्कोविचे जेलेजनो कलेमेन्टा गट्टवारडा आफ चेकोस्लोवाकिया द्वारा विनिर्मित सीबनहीन इस्पात सिलेण्डर दसैकटा प्रभाव द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित, स्थायी गैसों के लिए विनिर्देश बी० एस० 399 के और द्रवशील गैसों के लिए बी० एस० : 401, बी० एस० 1287 और स्थायी उच्च दाब द्रवशील गैसों के लिए इस्पात सहित सी० एस० एन० विनिर्देश सी० एस० एन० 13, 14, 26 के अनुरूप और निम्न दाब द्रवशील गैस के लिए इस्पात सहित 11 35 31 के अनुरूप।

3. हंगेरियन मूल :

सेफल स्टील एण्ड मेटल वर्क्स, बुडापेस्ट द्वारा विनिर्मित स्टील सिलेण्डर बायनर कमिशनरी चीफ, ओजिकी और तकनीकी ऊर्जा सुरक्षा के लिए शासकीय पर्यवेक्षण विभाग, बुडापेस्ट द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित विनिर्देश एम० एस० जेड—2665-53 के अनुरूप, स्थायी और द्रवशील गैसों के लिए क्रोम मिश्र धातु इस्पात के साथ क्रोमियम : 135 के रूप में अभिहित नामित धर्धव्यास 200 मि० मी० दीवाल की न्यूनतम मोटाई 5 मि० मा० के साथ।

4. भारतीय मूल :

(क) श्री अंबिका सिलेण्डर मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी ग्रहमराबाद, अण्वी-जाय स्ट्रुक्चरल्स लिमिटेड, राजबंद, जिला बरबन (पश्चिमी बंगाल), भारत पंप एण्ड कम्प्रेसर्स लिमिटेड, नैनी इलाहाबाद, गेतोन इंकरनी एण्ड कम्पनी लिमिटेड, मुम्बई, हिन्दुस्तान जनरल इंडस्ट्रोज लिमिटेड, नागलोई, दिल्ली-41, हैदराबाद आलविन मेटल वर्क्स लिमिटेड, हैदराबाद आइजियल इजीनियर्स हैदराबाद प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, इंडियन गैस लिमिटेड फरीदाबाद, कोमल मेटल प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड मुम्बई, मार्टिन बर्न लिमिटेड, कलकत्ता द्वारा विनिर्मित वेल्ड किए हुए इस्पात सिलेण्डर भा० मा० सं० या मुख्य नियंत्रक द्वारा अनुमोदित किसी अन्य मुक्तिपुक्त प्राधिकारी द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित निम्न दाब द्रवशील गैस सेवा के लिए भा० मा० 3196, भा० मा० 7142, भा० मा० : 7680 और भा० मा० : 7681 के अनुरूप।

(ख) स्थायी और उच्च दाब द्रवशील गैसों के लिए सीबनहीन मँगनीज इस्पात सिलेण्डर भा० मा० 7285 के अनुरूप तथा

भारत पंप एण्ड कम्प्रेसर्स लिमिटेड, नैनी, इलाहाबाद द्वारा विनिर्मित—भा० मा० सं० द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित।

5. इटालियन मूल :

मैसर्स एक्सोरियाई० ट्युबिफिकर्मिओ इंडुस्ट्रिया द्वारा विनिर्मित इस्पात सिलेण्डर ब्यूरो वेरिटाज द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित, स्थायी गैसों के लिए विनिर्देश डी० ओ० टी० : 3ए० : 1800 और अधिक और द्रवशील गैसों के लिए डी० ओ० टी० : 3ए० के अनुरूप

6. जापानी मूल :

(क) मैसर्स शाबा कोट्सु कोम्यो क० लिमिटेड द्वारा विनिर्मित इस्पात सिलेण्डर—कम्पनी के स्वयं के निरीक्षक या क० एच० क० या लायड या ब्यूरो वेरिटाज द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित विनिर्देश बी० एस० : 399, बी० एस० : 400, बी० एस० : 1045 के अनुरूप होम आफिस "एस" और "टी" स्थायी गैसों के लिए डी० ओ० टी० : 3ए० : 1800 और अधिक, डी० ओ० टी० : 3ए० : 1800 और अधिक मँगनीज इस्पात से संबंधित, जे० आई० एस० बी० 8241 : 1968 और द्रवशील गैसों के लिए बी० एस० : 401, बी० एस० : 1287, बी० एस० : 1288, डी० ओ० टी० : 3ए०/डी० ओ० टी० : 3ए० के अनुरूप।

(ख) मैसर्स युमिकिन किंको कंपनी लिमिटेड युमिटीमो मेटल इंडस्ट्रोज लिमिटेड या नहान कोट्सु योकी द्वारा विनिर्मित इस्पात सिलेण्डर—क० एच० क० या लायड या ब्यूरो वेरिटाज द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित। बी० एस० : 399, बी० एस० : 400, बी० एस० 1045 विनिर्देशों के अनुरूप होम आफिस "एस" और "टी" स्थायी गैसों के लिए डी० ओ० टी० : 3ए० : 1800 और अधिक, डी० ओ० टी० : 3ए० : 1800 और अधिक, मँगनीज इस्पात से संबंधित जे० आई० एस० बी० 8241 : 1968 और द्रवशील गैसों के लिए बी० एस० : 401 : बी० एस० : 1287, बी० एस० 1288, डी० ओ० टी० : 3ए०/डी० ओ० टी० : 3ए० के अनुरूप।

(ग) मैसर्स टाटसुका हाई प्रेशर गैस सिलेण्डर कम्पनी, टोकियो, जापान, कांटो कोट्सु योकी मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी, लिमिटेड जापान और टोकई हाई प्रेशर सिलेण्डर कंपनी लिमिटेड जापान द्वारा विनिर्मित इस्पात सिलेण्डर—क० एच० क० या लायड या ब्यूरो वेरिटाज द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित स्थायी गैसों के लिए विनिर्देश डी० ओ० टी० : 3ए० 1800 और अधिक और डी० ओ० टी० : 3ए० : 1800 और अधिक, द्रवशील गैसों के लिए डी० ओ० टी० : 3ए०/डी० ओ० टी० : 3ए० के अनुरूप।

7. पोलिश मूल :

मैसर्स प्रेमा मिलमेट, पोलेण्ड द्वारा पी० एन० : 69222 बी० एस० : 1045 और बी० एस० : 1288 विनिर्देशों के अनुसार विनिर्मित सीबन रहित इस्पात सिलेण्डर—स्थायी और द्रवशील गैसों के लिए पोलिश सरकार निरीक्षण प्राधिकारी द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित।

8. रूसी मूल :

सं० सो० सो० ग० (यू० एस० एस० आर०) में अनुमोदित विनिर्माताओं द्वारा विनिर्मित इस्पात सिलेण्डर—समुचित प्राधिकारी द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित, स्थायी और द्रवशील गैसों के लिए विनिर्देश डी० ओ० एस० टी० : 947—57 और डी० ओ० एस० टी० : 949—73 के अनुरूप।

9. यू० के० मूल :

(क) मैसर्स चेस्टर्फील्ड ट्यूब कम्पनी लिमिटेड आफ यू० के० द्वारा विनिर्मित इस्पात मिलेण्डर—कम्पनी के स्वयं के या लायड के निरीक्षक द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित, स्थायी गैसों के विनिर्देश बी एस एस : 399, बी एस : 400, बी एस : 1045 के अनुरूप, होम आफिस "एस" और "टी" और द्रवशील गैसों के लिए बी एस : 401, बी एस : 1287, बी एस : 1288 के अनुरूप ।

(ख) मैसर्स लुक्ज़फर लिमिटेड द्वारा एलुमिनियम मिश्र धातु मिलेण्डर—नेशनल बुल्कन इंजीनियरिंग इन्फोरेस ग्रुप लिमिटेड द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित, आरेखण सं० 102017/जेड ए डी/591, 102034/जेड ए डी/583, 152048/जेड ए डी/585, 152068/जेड ए डी/586 और 176012/जेड ए डी/2038 के अनुसार एच ओ ए एल-3 विनिर्देशों के अनुरूप ।

10. सं० रा० घ० (यू० एस० ए०) मूल :

सं० रा० अमेरिका में विनिर्मित इस्पात मिलेण्डर—समुचित प्राधिकारी द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित, स्थायी और द्रवशील गैसों के लिए विनिर्देश बी ओ टी : 3ए/3एए के अनुरूप ।

11. पश्चिम जर्मनी मूल :

मैक्सिमेलन आफ बेस्ट जर्मन; द्वारा विनिर्मित इस्पात मिलेण्डर—लायड या ब्यूरो वेरिटाज द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित । स्थायी गैसों के लिए विनिर्देश बी एस : 1045, होम आफिस "एस" और "टी" और द्रवशील गैसों के लिए बी एस : 401, बी एस : 1287, बी एस : 1288 के अनुरूप ।

12. यूगोस्लावियाई मूल :

स्लावोन्स्की पाटिजन, स्लावोन्स्की ब्रांड आफ यूगोस्लाविया द्वारा विनिर्मित इस्पात मिलेण्डर यूगोस्लावियाई राज्य प्राधिकारी अर्थात् वाय्व बायलर निरीक्षण प्राधिकारी या लायड द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित । स्थायी गैसों के लिए विनिर्देश बी एस : 1045 और द्रवशील गैसों के लिए बी एस : 401, बी एस : 1287, बी एस : 1281 और स्थायी और उच्च दाब द्रवशील गैसों के लिए डी जी बी ओ डी आई एन 4664 के अनुरूप ।

ख. आधान

1. भारतीय मूल :

(क) बी एस : 1500 भाग 1 : श्रेणी 1 के अनुरूप क्लोरीन टन आधान मैसर्स अम्बिका मिलेण्डर मैयूकैक्वरिंग कम्पनी लिमिटेड अहमदाबाद, भारत हेवी प्लेट्स-सेसेल्स लिमिटेड, विशाखापत्तनम, भारतीय जीपी और साधारण इंजीनियरिंग निगम, यमुनानगर (हरयाणा), काबेरी स्ट्रक्चरल्स, तिरुचिरापल्ली, लारसन एण्ड ट्यूबो लिमिटेड, साकी बिहार रोड, मुम्बई, अनूप इंजीनियरिंग लिमिटेड, अहमदाबाद द्वारा विनिर्मित । लायड्स द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित ।

(ख) निम्न दाब द्रवशील गैस सेवा के लिए बी एस : 1500 भाग 1 : श्रेणी 1 पात्र के अनुरूप टन आधान मैसर्स सेण्ड्रल इंडिया मशीनरी मैयूकैक्वरिंग कम्पनी द्वारा विनिर्मित—ब्यूरो वेरिटाज द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित ।

(ग) निम्न दाब द्रवशील गैस सेवा के लिए बी एस : 1515 के अनुरूप टन आधान लारसन एण्ड ट्यूबो लिमिटेड, साकी बिहार रोड, मुम्बई द्वारा विनिर्मित और लायड्स द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित ।

2. जापानी मूल :

शोवा कोटोसु कोयो कम्पनी लिमिटेड द्वारा विनिर्मित क्लोरीन टन आधान बी एस : 1500 के अनुरूप—कम्पनी के स्वयं या के० एच० के० या लायड या ब्यूरो वेरिटाज के निरीक्षक द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित ।

3. यू० के० मूल :

जॉन थाम्पसन हासले बिज लिमिटेड द्वारा विनिर्मित क्लोरीन टन आधान बी एस : 1515 : भाग 1 : 1965 के अनुरूप ओमेस एक्सिडेंट एण्ड गारंटी कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित ।

4. सं० रा० घ० (यू० एस० ए०) मूल :

कोलंबिया नावलर कम्पनी द्वारा विनिर्मित क्लोरीन टन आधान, बी ओ टी : 106 ए : 500-एक्स के अनुरूप सं०—रा० घ० में उचित प्राधिकारी द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित ।

ग. बिलीन एसिडिलीन गैस मिलेण्डर

1. आस्ट्रियाई मूल :

मैसर्स जस हीजर वरमस जे, विन्टर्स सोडन आस्ट्रिया द्वारा बी एस : 401 विनिर्देश के अनुसार विनिर्मित और कायन 90-92 प्रतिशत संरंध द्रव्यमान से भरी हुई—ब्यूरो वेरिटाज द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित ।

2. जापानी मूल :

मैसर्स कास्टी कोटोसु योकी मैयूकैक्वरिंग कम्पनी लिमिटेड और जापान कोयले मिलेण्डर कम्पनी द्वारा भा० मा० 7312 : 1974 के अनुसार विनिर्मित—90-92 प्रतिशत संरंधता के मोनोलिथिक संरंध द्रव्यमान से भरा हुआ ब्यूरो वेरिटाज द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित ।

3. भारतीय मूल :

भारत पम्प एण्ड कम्प्रेशंस लिमिटेड द्वारा भा० मा० 7312 विनिर्देश के अनुसार विनिर्मित 90-92 प्रतिशत संरंधता के मोनोलिथिक संरंध द्रव्यमान से भरा हुआ भा० मा० सं० द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित ।

4. इटालियाई मूल :

मैसर्स एक्सिरिया इ० ट्यूबिफिथियों डाइरेक्शिया, इटली द्वारा विनिर्देश आई० सी० सी० 8 के अनुसार विनिर्मित : गैसन बूझी बी एस : 341 के अनुरूप की 900 पी० एस० आई० जी० के दाब से अनूपन दाब पर बीवाले जांच की जाएगी और 90-92 प्रतिशत संरंधता वाले सिलिका मिनेटैक्स संरंध द्रव्यमान से भरी जाएगी और ब्यूरो वेरिटाज द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित की जाएगी ।

5. यू० के० मूल :

डिजाइन सं० डी ए 759 और विनिर्देश सं० डी ए 2-ए के अनुसार यू० के० में विनिर्मित मिलेण्डर उचित संरंध द्रव्यमान से भरे हुए आक्सीजन कम्पनी लिमिटेड यू० के० द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित ।

6. एस० ए० घ० (यू० एस० ए०) मूल :

प्रेसड स्टील प्रेक कम्पनी और कायले इन्टरनेशनल द्वारा विनिर्देश आईसीसी : 8 के अनुसार गैसन-बूझी वाले बो-रप 341 के अनुरूप विनिर्मित मिलेण्डर-900 पी० एस० आई० जी० से अनूपन दाब पर भरे हुए बीवाल और कोयन 90-92 प्रतिशत मोनोलिथिक संरंध द्रव्यमान से भरा हुआ अमेरिका में उचित प्राधिकारी द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित—

7. यूगोस्लावियाई मूल :

स्लावोन्स्की पाटिजन स्लावोन्स्की ब्रांड आफ यूगोस्लाविया द्वारा बी एस-401 के अनुरूप विनिर्मित और सिलीमा सिन्टेक्स 92 प्रतिशत

मोनोक्लिक संरक्ष द्रव्यमान से भरा हुआ लाइड द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित।

२०

घ. बाल्व

भा० भा० 3224 विनिर्देश के अनुसार सिलेण्डर भारत में निम्न-लिखित अनुमोदित विनिर्माताओं द्वारा विनिर्मित और भा० मा० सं० या मुख्य नियंत्रक द्वारा अनुमोदित समुचित प्राधिकारी द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित।

गेनाम डंकरली एण्ड कम्पनी लिमिटेड, द्रवित पेट्रोलियम गैस सिलेण्डर बाल्व। मुम्बई

इण्डियन प्राक्सीजन लिमिटेड, कलकत्ता उच्च दाब गैस सिलेण्डर, एसिटिलीन और द्रवित पेट्रोलियम गैस सिलेण्डरों के लिए बाल्व।

कोसन मेटल प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई द्रवित पेट्रोलियम गैस क्लोरीन और प्रणीतक सिलेण्डर बाल्व।

मार्टिन बर्न लिमिटेड, कलकत्ता द्रवित पेट्रोलियम गैस सिलेण्डर बाल्व।

रमणीकलाल जीवनलाल किनारी बाला क्लोरीन/अमोनिया सिलेण्डर बाल्व। एण्ड कम्पनी, बहमदाबाद

टीबी बाल्व, कलकत्ता क्लोरीन/अमोनिया/फ्लोरो/सल्फर डाईआक्साइड सिलेण्डर बाल्व और आधान के लिए संगतनीय प्लग।

वेनाज इंडीयियस प्राइवेट लिमिटेड, द्रवित पेट्रोलियम गैस एसिटिलीन/अमोनिया/आरगन/ब्यूरोन/कार्बन डाईआक्साइड/क्लोरीन/इथील क्लोराइड/इथोलिन/इथोलिन प्राक्साइड/हाइड्रोजन में फान/मिथिल मोमाईन नाइट्रोजन/नाइट्रस प्राक्साइड/प्राक्सीजन/सल्फर डाईआक्साइड फ्लोरो कार्बन सिलेण्डर बाल्व।

अनुसूची II

[नियम 3(2) देखें]

(क) अनुमोदित डिजाइन और विनिर्देश या संकेत के अनुसार विनिर्मित सिलेण्डरों के संबंध में निरीक्षण प्राधिकारी से प्राप्त किए जाने वाले जांच और निरीक्षण प्रमाणपत्रों में निम्नलिखित विवरण रहेगा अर्थात्:—

1. निरीक्षण का स्थान और तारीख
2. गैस के लिए गैस सिलेण्डर
3. द्वारा विनिर्मित
4. में अवस्थित
5. के लिए विनिर्मित
6. में अवस्थित
7. मात्रा
8. कर्मांक संख्या से तक जिसमें वे दोनों भी हैं
9. विनिर्देश, जिनके अनुसार सिलेण्डर विनिर्मित किए गए हैं।
10. आकार मि० मी० बाहरी व्यास मि० मी० लंबी।
11. न्यूनतम दीवाल की मोटाई
12. विनिर्देश के अनुसार गर्दन और चूड़ी।

13. विनिर्माता की प्राप्ति (स्पष्ट प्रकार का या विलक्षित संबंधित या वैलिड)।

14. उष्मीयचार की रीति।

15. यथास्थिति 15 सेंटीग्रेड या 65 सेंटीग्रेड पर कि० ग्रा०/से० मी०² में डिजाइन कार्यकरण दाब।

16. द्रवस्थैतिक जांच/द्रवस्थैतिक प्रतिबल जांच दाब कि० ग्रा०/से० मी०² में।

17. प्रत्येक सिलेण्डर के संबंध में द्रवस्थैतिक जांच/द्रवस्थैतिक प्रतिबल जांच, जांच की तारीख सहित।

18. बासीय जांच दाब कि० ग्रा०/से० मी०² में।

19. बासीय जांच का परिणाम।

20. प्रत्येक सिलेण्डर का अधिभार और जल धारिता।

21. सिलेण्डर के विनिर्माण में प्रयोग में लाए गए इस्पात के रासायनिक विश्लेषण और भौतिक गुण-धर्म का अभिलेख।

22. विनिर्माता का पहचान चिह्न।

23. निरीक्षक का चिह्न।

24. सिलेण्डर के स्कोच पर लगाए गए चिह्न।

25. निरीक्षण प्राधिकारी की मोहर और तारीख सहित हस्ताक्षर।

(ख) अनुमोदित डिजाइन और विनिर्देश या संकेत के अनुसार विनिर्मित बाल्वों के संबंध में निरीक्षण प्राधिकारी से प्राप्त किए जाने वाले जांच और निरीक्षण प्रमाणपत्रों में निम्नलिखित विवरण रहेगा, अर्थात्:—

1. द्वारा विनिर्मित
2. में अवस्थित
3. के लिए विनिर्मित
4. में अवस्थित
5. मात्रा
6. विनिर्देश
7. निरीक्षण के परिणाम—

(क) बाल्व प्रवेश संबंधन

(ख) बाल्व निर्गम संबंधन

(ग) बाल्व निर्गम संख्यांक

(घ) द्रवचासित दाब जांच

(ङ) बासीय प्रूफ जांच

(च) तनन सामर्थ्य

(छ) देख्य वृद्धि प्रतिशत

(ज) सहत सामर्थ्य

(झ) निरीक्षण के लिए प्रस्तुत मात्रा

(ब) स्वीकार की गई मात्रा

(र) अस्वीकार की गई मात्रा और अस्वीकृति के कारण।

8. निरीक्षण प्राधिकारी की मोहर और तारीख सहित हस्ताक्षर

अनुसूची III

[नियम 3(3) देखें]

सिलेण्डरों, बाल्वों और अन्य फिटिंगों की बनाने के दृष्टिकोण व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली विशिष्टियां।

1. आवेदक का नाम और पूरा पता।

2. क्या आवेदक ने किसी अनफायर्ड वायु पात्र वायु का विनिर्माण किया है, यदि हाँ तो —

- (1) तारीख जिसमें ऐसे पात्रों/वायुओं का विनिर्माण किया गया।
- (2) किनके लिए ऐसे पात्र/वायु बनाए गए और उनकी लगभग संख्या।
- (3) विनिर्मित वायु पात्रों/वायुओं का विवरण।

3. वायु पात्रों/वायुओं के विनिर्माण के लिए स्वीकृत किए जाने के लिए संवीकृत विनिर्देश/संकेत।

4. वायु पात्रों/वायुओं के विनिर्माण में लगे कारमिकों की प्रशिक्षणों और अनुभव की दृष्टि में रखते हुए आवेदक का संगठन ढांचा।

5. आवेदक द्वारा नियुक्त निरीक्षण कारमिक का संगठन ढांचा।

6. कच्चे माल से प्रारंभ कर तैयार पात्रों/वायुओं के विनिर्माण की प्रक्रिया।

7. वायु पात्रों/वायुओं के विनिर्माण के प्रत्येक प्रक्रम पर की गई क्वालिटी नियंत्रण जांच/परीक्षण।

8. (i) रासायनिक विश्लेषण और यांत्रिक जांच के लिए प्रतिष्ठापित उपस्करों का ब्यौरा।

(ii) जांच/परीक्षण के लिए की गई टेम्प्लेट/गेजों का ब्यौरा।

(iii) परीक्षण और जांच उपस्कर की जांच करने के लिए उठाए गए कदम और ऐसी जांच की आवश्यकता।

9. अविश्वसनीय परीक्षा, जैसे रेडियोधार्मिक, गामा किरण, पराश्रव्य जांच इत्यादि के लिए उपलब्ध उपस्कर।

10. वायु पात्र/वायुओं के विनिर्माण के लिए दिए गए यंत्रों की सूची।

11. स्वतंत्र निरीक्षण प्राधिकारी का नाम और पता।

12. जांचों के अभिलेख और प्रमाणपत्र—

- (1) निरीक्षण और प्रमाणन संगठन द्वारा की गई विभिन्न जांचों के अभिलेख का प्रीकार्मा; और
- (2) स्वतंत्र निरीक्षण प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए जांच और निरीक्षण प्रमाणपत्र का प्रीकार्मा।

अनुसूची IV

[नियम 39(2) देखें]

सिलेण्डर परीक्षण स्टेशनों के लिए अपेक्षित सुविधाएं

1. प्रबन्ध

1.1 साधारण अपेक्षाएं:

कारमिक उपस्कर निरीक्षण प्रक्रिया अभिलेखन और संगठन पर्याप्त होंगे और परीक्षण स्टेशन की मतत निरापद प्रचालन स्थितियों में प्रचालित किया जाएगा। प्रक्रिया और परीक्षण द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जो सिलेण्डर इन नियमों की अपेक्षाओं और उद्देश्यों की पूर्ति नहीं करते हैं, वे सामान्य सेवा के काम में वापस न लाए जाएं। समस्त कारमिक अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी को समझेंगे और किसी भी कारणवश न्यूनतम निरीक्षण अपेक्षाओं में कमी नहीं आने दी जाएगी।

टिप्पण:—

जिम्मेदारी का क्षेत्र नीचे दर्शित विभिन्न तीन भागों में बांटा जाएगा। नियुक्त किए जाने वाले कारमिकों की संख्या काम की मात्रा पर प्राप्ति होगी।

1.2 प्रबंधक:

परीक्षण स्टेशन के काम के लिए उत्तरदायी प्रबंधक सहित होगा। उसकी प्रशिक्षणों के अनुरूप गैस सिलेण्डरों से संबंधित खतरों की बाबत प्रि-

क्षण निरीक्षण का प्रयोजन परीक्षण के बंग उपस्कर परीक्षण अपेक्षाएं और परीक्षण परिणामों के अभिलेखन होगा और उसमें यांत्रिक या रासायनिक इंजीनियरी में उपयुक्त तकनीकी प्रवृत्ता होगी। वह संकेत विनिर्देशों और/या सिलेण्डरों की जिनके लिए परीक्षण स्टेशन अनुमोदित किया गया है लागू विनियमों का भी ज्ञाता होगा।

1.3 पर्यवेक्षक:

पर्यवेक्षक की निम्नलिखित प्रवृत्ताएं होंगी, अर्थात्:—

- (i) गैस सिलेण्डरों की परीक्षा में कम से कम दो वर्ष का अनुभव;
- (ii) आयु कम से कम 21 वर्ष;
- (iii) इन नियमों, संकेतों, विनिर्देशों और या सिलेण्डरों की जिनके लिए परीक्षण स्टेशन अनुमोदित किया गया है, लागू विनियमों का ज्ञान।

1.4 प्रचालक:

निरीक्षण और परीक्षण कार्य करने वाले कारमिकों की उस कार्य से संबंधित वे प्रवृत्ताएं और अनुभव होंगे जिसके लिए वे नियुक्त किए गए हैं। उन्हें गैस सिलेण्डर से संबंधित खतरों और निरीक्षण के प्रयोजन और बंग को समझने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा।

2. उपस्कर:

2.1 उपस्कर का प्रकार:

परीक्षण स्टेशन पर सिलेण्डरों के निरीक्षण और परीक्षण के लिए इन नियमों के अतिरिक्त यथापक्षिति पर्याप्त उपस्कर रहेंगे। इनमें निम्नलिखित होंगे:—

- (i) उन सिलेण्डरों को जिनके परीक्षण के लिए परीक्षण स्टेशन प्राधिकृत है, लागू होने वाले इन नियमों, संकेतों, विनिर्देशों और/या विनियमों का एक सेट। ये समस्त नियम, संकेत विनिर्देश और/या विनियम अद्यतन रखे जाएंगे।
- (ii) संपीकृत गैस सिलेण्डरों के द्रवस्थैतिक प्रतिबल परीक्षण मा० मा० 5744 के अनुसार द्रवस्थैतिक परीक्षण साधन, जिसके अन्तर्गत दाबक उपस्कर, दाब गेज और आयतनी मापक उपस्कर हैं। साधन में कम से कम दो 15 से०मी० (न्यूनतम) व्यास वाले कार्य करण दाब गेज लगे होंगे।
- (iii) उपयुक्त दाब रेंज वाला न्यूनतम 15 से०मी० व्यास का भ्रंश शोधन दाब गेज या उपयुक्त दाब रेंज वाला कुल-भार दाब गेज परीक्षण यंत्र।
- (iv) सिलेण्डरों के आंतरिक हिस्से की भली प्रकार देखने के लिए प्रति निम्न धोखे के लैम्प और बाहरी मतर्हों की सूक्ष्म परीक्षा के लिए आवश्यक अन्य लैम्प।
- (v) सीधी कोरें, टेम्पलेटें, प्रकीर्ण योजार और माप भेजें।
- (vi) तौल उपस्कर जहाँ लागू है।
- (vii) सुसंगत कानूनी प्राधिकारी द्वारा मोहर लगाई हुई तौल मशीन के लिए मानक परीक्षण बाटों का एक सेट।
- (viii) सिलेण्डरों को घरा-उठाई के लिए पर्याप्त उपस्कर।
- (ix) पर्याप्त सिलेण्डर अपवाहन उपस्कर।
- (x) सिलेण्डरों के आंतरिक भाग को शुष्क करने के लिए सुविधाएं।
- (xi) चिह्नानक और मोहर लगाने के उपस्कर।

2.2 शुद्धता :

उपस्कर की शुद्धता निम्नानुसार होगी

(i) मा०मा० 5844 के अनुसार द्रवस्थैतिक परीक्षण माधित प्रायतनी उपस्कर ऐसा होगा जिसमें परीक्षण के अधीन सिलेण्डर के प्रायतन में उसकी कुल धारिता के 1,20,000 ग्राम तक के स्थायी परिवर्तन को मापा जा सकता हो ।

(ii) तौल उपस्कर त्रुटि 0-1 प्रतिशत से अधिक नहीं है ।

(iii) कार्यकरण बाब गेज त्रुटि, जो परीक्षण बाब के 1 प्रतिशत से अधिक नहीं है ।

(iv) घन शोधन दाब गेज त्रुटि, जो पूर्ण स्तर विभेद के 0.25 प्रतिशत से अधिक नहीं है ।

2.3 अंशशोधन :

उपस्करों के अंश शोधन के अन्तरालों की अवधि निम्नलिखित में अधिक नहीं होगी, अर्थात् --

- | | |
|----------------------|---|
| (i) कार्यकरण बाब गेज | 3 सप्ताह |
| (ii) अंशशोधन बाब गेज | 6 मास |
| (iii) तौल उपस्कर | जब परीक्षण घाटा द्वारा सेवा के दौरान प्रति-दिन की जाए । |
| (iv) परीक्षण घाट | 2 वर्ष |

3. कार्यकरण शर्तें :

परीक्षण स्टेशनों के लिए कार्यकरण शर्तें गैस सिलेण्डरों के शुद्ध और निरापद निरीक्षण और परीक्षण के लिए उपयोगी होगी । परीक्षण स्टेशन निम्नलिखित शर्तों की पूर्ति करेगा --

- इसमें गैस सिलेण्डरों की तत्काल परीक्षा के लिए अच्छी प्रकाश व्यवस्था होगी । अच्छा यह होगा कि वहाँ प्राकृतिक प्रकाश हो ।
- उसमें सिलेण्डरों की अवशिष्ट गैसों के निकलने के लिए पर्याप्त सवासन होगा ।
- निरापद कार्यकरण के लिए उसमें पर्याप्त जगह होगी ।
- वह साफ शुष्क स्थिति में रखा जाएगा ।

4. परीक्षण के लिए सिलेण्डरों की स्थिति :

परीक्षण स्टेशन को परीक्षा के लिए भेजे जाने वाले सिलेण्डरों की अन्तर्वस्तु पहले निकाल दी जाएगी और तब उन पर "शान्ति" होने का

लेबल लगा दिया जाएगा । इस लेबल के होते हुए भी विनिर्माता के सैकमों में मौजूद सिलेण्डरों को छोड़कर अन्य समस्त सिलेण्डरों के बारे में यह उपधारणा की जाएगी कि उसमें बाब के अधीन गैस है और तबनुसार निम्नलिखित पूर्वावधानियां बरती जाएंगी --

- सिलेण्डर में गैस की प्रकृति से सबसे खतरों को ध्यान में रखते हुए सिलेण्डर की अन्तर्वस्तु निरापद रूप में निकाली जाएगी । ऐसे सिलेण्डरों को, जिनमें विषैला या हानिकार पदार्थ भरा है या जो सङ्घटित हो चुके हैं, ऐसे परीक्षण स्टेशनों द्वारा ही खाली किया जाएगा जो उस विशिष्ट गैस की धरा-उठाई करने के लिए ठीक से सज्जित और अनुभव प्राप्त है । ऐसे सिलेण्डरों पर स्पष्टतः यह लेबल लगाया जाएगा कि वे सङ्घटित हो चुके हैं ।

- वाल्ब खोला जाएगा और यदि कोई गैस नहीं निकलती है और प्रवेश द्वार अवरोध नहीं दिखता है तो वाल्व निर्गम द्वार से निम्न दाब नाइट्रोजन या अन्य अक्रिय गैस का घमन किया जाएगा । नाइट्रोजन प्रवाह को हटाने के पश्चात् गैस का निकलना दर्शाएगा कि सिलेण्डर खाली है । जब कोई गैस नहीं निकलती है तब वाल्व "अवरोध" समझे जाएंगे । यदि सिलेण्डर में विषैली या हानिकार पदार्थ भरा है और यह शक है कि वाल्व अवरोध है तो अनुमोदित माधित में गैस निकाली जाएगी और वाल्व को इस ढंग से हटाया जाएगा कि गैस प्रचालक को कोई खतरा पहुंचाए बिना बाहर निकल जाए ।

- यदि वाल्व अवरोध है या उपर्युक्त (i) में जैसे बताया गया है उस के अनुसार सिलेण्डर की अन्तर्वस्तु को निरापद ढंग से नियुक्त किया जाएगा । वाल्व गैस भरे सिलेण्डरों पर कोई कार्य खुले में किया जाएगा ।

विषय . ऐसे वाल्व रा, जिसमें तर्क हटाया नहीं जा सकता है, व्यवहार करने का ढंग यह है कि वाल्व दाबी में से होकर तर्क आसन के नीचे गैस मार्ग में 1/16 इंच 1 6 (मि०मी०) व्यास वाला छेद हाथ-ड्रिल द्वारा किया जाएगा । विकल्पतः, तेज धारी काम में लाई जा सकती है । गैस से बाहर निकलने के प्रथम मयन पर ही ध्वन और धारा-कार्य बंद कर दिया जाना चाहिए । वर्तन भोजार की ओर लगातार पानी का जेट छोड़ा जाए और प्रचालक सुरक्षा-वस्त्र पहने ।

5. निरीक्षण और परीक्षण

परीक्षण स्टेशन पर ऐसी प्रक्रियाओं को अपनाया जाएगा जो इन नियमों की अपेक्षाओं का पूर्णतः पालन करें ।

अनुसूची-V

(नियम 2(15) और 56 देखें)

क्रम सं०	अनुसूचित को प्ररूप	किस प्रयोजन के लिए मजूर की गई है	अनुसूचित अनुदत्त करने के लिए सशक्त प्राधिकारी	फीस	
1	2	3	4	5	6
1	घ	सपीडित गैस से भरे या भरने के लिए आशयित सिलेण्डरों के आयात के लिए	मुख्य विस्फोटक नियंत्रक	प्रथम 100 सिलेण्डरों या उसके किसी भाग के लिए 100 सिलेण्डरों में अधिक किंतु 500 से अधिक सिलेण्डरों के लिए 500 सिलेण्डरों से अधिक, प्रत्येक अतिरिक्त 500 सिलेण्डरों या उसके किसी भाग के लिए	100.00 200.00 200.00

1	2	3	4	5	6
2	ड	सिलेण्डरों में संपीड़ित गैस भरने मुख्य विस्फोटक नियंत्रक के लिए		संयोज में भरी प्रत्येक प्रकार की गैस के लिए अर्थात् यथास्थिति, (क) बिपैली, (ख) अर्धबैली और अज्वलनशील ; (ग) अर्धबैली और ज्वलनशील ; (घ) बिलॉम एसिटिलीन गैस , (ङ) एल०पी०जी० से भिन्न अर्धबैली और ज्वलनशील प्रवर्णीय गैस ; (च) द्रवित पेट्रोलियम गैस ।	500.00
3.	घ	सिलेण्डरों में संपीड़ित गैस के भण्डार- मुख्य विस्फोटक नियंत्रक करण के लिए		(i) बिपैली गैसों के लिए (स्थायी और द्रवित): 5 सिलेण्डरों से अधिक किंतु 100 सिलेण्डरों से अनधिक 100 सिलेण्डरों से अधिक किंतु 500 सिलेण्डरों से अनधिक 500 सिलेण्डरों से अधिक प्रत्येक 500 अतिरिक्त सिलेण्डरों या उसके किसी भाग के लिए (ii) अर्धबैली और अज्वलनशील गैसों के लिए : (स्थायी और द्रवित) 50 सिलेण्डरों से अधिक किंतु 500 सिलेण्डरों से अनधिक 500 सिलेण्डरों से अधिक, प्रत्येक अतिरिक्त 500 सिलेण्डरों या उसके किसी भाग के लिए (iii) अर्धबैली और ज्वलनशील स्थायी गैसों के लिए : 15 सिलेण्डरों से अधिक किंतु 200 सिलेण्डरों से अनधिक 200 सिलेण्डरों से अधिक किंतु 500 सिलेण्डरों से अनधिक	100.00 200.00 200.00 100.00 200.00 100.00 200.00

1	2	3	4	5	6
				500 सिलेण्डरों से अधिक, प्रत्येक अतिरिक्त 500 सिलेण्डरों या उसके किसी भाग के लिए	200.00
			(iv)	एल० पी० जी० से भिन्न अविषैली और ज्वलनशील द्रवशील गैसों के लिए :	
				125 कि० ग्रा० से अधिक किंतु 500 कि० ग्रा० से अनधिक	100.00
				500 कि० ग्रा० से अधिक किंतु 1000 कि० ग्रा० से अनधिक	150.00
				1000 कि० ग्रा० से अधिक किंतु 5000 कि० ग्रा० से अनधिक	200.00
				5000 कि० ग्रा० से अधिक किंतु 10,000 कि० ग्रा० से अनधिक	300.00
				10,000 कि० ग्रा० से अधिक, प्रत्येक अतिरिक्त 5000 कि० ग्रा० और उसके किसी भाग के लिए	200.00
			(v)	द्रवित पेट्रोलियम गैसों के लिए :	
				100 कि० ग्रा० से अधिक किंतु 500 कि० ग्रा० से अनधिक	100.00
				500 कि० ग्रा० से अधिक किंतु 1000 कि० ग्रा० से अनधिक	150.00
				1000 कि० ग्रा० से अधिक किंतु 5000 कि० ग्रा० से अनधिक	200.00
				5000 कि० ग्रा० से अधिक किंतु 10,000 कि० ग्रा० से अनधिक	300.00
				10,000 कि० ग्रा० से अधिक, प्रत्येक अतिरिक्त 5000 कि० ग्रा० या उसके किसी भाग के लिए	200.00
			(vi)	क्विलॉन स्थिति में सिलेण्डरों में भरी एसिटिलीन गैस के लिए :	
				15 सिलेण्डरों से अधिक किंतु 200 सिलेण्डरों से अनधिक	100.00
				200 सिलेण्डरों से अधिक किंतु 500 सिलेण्डरों से अनधिक	200.00
				500 सिलेण्डरों से अधिक, प्रत्येक अतिरिक्त 500 सिलेण्डरों या उसके किसी भाग के लिए	200.00

[फा० सं० 2(11)/76-एम०आई०/एम०सी०आई०]

ह०/ अपठनीय अतिरिक्त सचिव

प्रकरण क

[नियम 29(2) देखें]

संपीकृत गैस से भरे सिलेण्डरों का बहान करने वाले पोत के मास्टर या पोत अभिकर्ता द्वारा पत्तन में प्रवेश करने के पूर्व की जाने वाली घोषणा

पोत का नाम

भरे सिलेण्डरों का विवरण	गैस का सही रासायनिक नाम और प्रकृति प्रयोग क्या वह ज्वलन-शील, संक्षारित या विषैली है ?	पोत में बहन की जाने वाली कुल मात्रा	पत्तन पर उतारी जाने वाली मात्रा	टिप्पणी	
		सिलेण्डरों की सं०	गैस कि०ग्रा० में या बल मीटरों में	सिलेण्डरों की सं०	गैस कि०ग्रा० में या बल मीटरों में

तारीख .. 19 ..

पोत के मास्टर/अभिकर्ता के हस्ताक्षर

प्रकरण ख

[नियम 57 और 61 देखें]

सिलेण्डरों के आयात के लिए अनुज्ञप्ति देने/उसमें संशोधन के लिए आवेदन

1. आवेदक का नाम

आवेदक की आयु

आवेदक का व्यवसाय

आवेदक का पता

2. धारण की गई भण्डारण-अनुज्ञप्ति का विवरण .

(i) मुख्य विस्फोटक नियंत्रक द्वारा जारी की गई भण्डारण अनुज्ञप्ति की सं० और तारीख

(ii) तक नवीकृत/विधिसम्मत

(iii) उक्त अनुज्ञप्ति के अनुसार भंडारण क्षमता

3. आयात किए जाने वाले सिलेण्डरों का विवरण :

(i) सिलेण्डरों की संख्या

(ii) सिलेण्डर का विनिर्देश

(iii) के द्वारा विनिर्मित

(iv) द्वारा निरीक्षित और परीक्षित

(v) सिलेण्डरों में लगे बाल्वों के विनिर्देश

*(vi) भरी है

(गैस का सही रासायनिक नाम)

*(vii) यदि स्थायी या बिलोन एसिटिलीम गैस से भरी गई है तो 15° सेंटीग्रेड पर भरणदायक

*(viii) यदि द्रवशील गैस से भरी गई है, तो भरण अनुपात

(ix) अंतिम द्रवभाजित प्रसिद्ध परीक्षण की तारीख

(x) सिलेण्डरों की पूर्ण संख्या

4. सिलेण्डरों का भण्डारण कहाँ करने का प्रस्ताव है

5. टिप्पणी

आवेदक की तारीख

आवेदक के पताका

आवेदक का डाक पता :

टिप्पणी :-

- यदि खाली मिलेच्छर आयात करने हैं तो * में चिह्नित विनिर्दिष्टों सेना आवश्यक नहीं है।
- सिलेच्छरों और बालों के प्रत्येक लाट के संबंध में विनिर्दिष्टों का सभी प्रकार में पूर्ण परीक्षण और निरीक्षण प्रमाण पत्र इस आवेदन के साथ संलग्न किया जाएगा।
- यदि सम्पत्ति गैस से भरे सिलेच्छरों का आयात किया जाना है तो मंत्र सं० 3 (vi), (vii), (viii), और (ix) के संबंध में भरण प्रमाणपत्र दिए जाएंगे।

प्रकरण

(नियम 57, 61 और 62)

सिलेच्छरों में संपीड़ित गैस भरने और/या उससे भरे सिलेच्छरों के भण्डारण के लिए अनुमति के देने/संशोधन/नवीकरण के लिए आवेदन

यदि आवेदन प्रकरण "क" और "ख" में अनुमति देने के लिए है तो इस पत्र के दूसरी ओर सूची में दिए गए वस्तुओं को इस आवेदन के साथ आवश्यक संलग्न करें।

इस स्तंभ में उत्तर लिखें।

1. आवेदक का नाम *

आवेदक का व्यवसाय

आवेदक का पूरा डाक पता

2. जिस परिसर में संपीड़ित गैस का भण्डारण/भरण करना है उसकी अवस्थिति:-

राज्य

जिला

नगर या ग्राम

निकटतम बाजार

निकटतम रेल स्टेशन

3. भण्डारण/भरण के लिए प्रस्तावित प्रत्येक संपीड़ित गैस की प्रकृति अर्थात् :-

(क) विषैली

(ख) अविषैली और अज्वलनशील

(ग) अविषैली और अज्वलनशील

(घ) क्लोरो एसिटिलीन गैस

(ङ) एल० पी० जी० से भिन्न अविषैली और अज्वलनशील द्रवशील गैस या

(च) द्रवित पेट्रोलियम गैस

4. भण्डारण/भरण के लिए प्रस्तावित

प्रत्येक संपीड़ित गैस का रासायनिक नाम

5. मद 3(क), 3(ख), 3(ग), या 3(घ) के अधीन उल्लिखित गैसों के लिए संख्या के अनुसार और मद संख्या 3(ङ) या 3(च) के अधीन उल्लिखित गैसों के लिए कि०मा० के अनुसार भण्डारण/भरण के लिए प्रस्तावित संपीड़ित गैस की मात्रा

6. परिमद में पहले भण्डार की गई/भरण की गई संपीड़ित गैस की मात्रा और उसका रासायनिक नाम

7. परिसरों के लिए धारित अनुज्ञप्ति सं०

और अनुज्ञप्ति के धारक का पूरा नाम

मैं इसमें द्वारा घोषणा करता हूँ कि ऊपर किए गए कथनों की मैंने जाँच कर ली है और वे सही हैं और मैं उस अनुज्ञप्ति के समस्त मामो और शर्तों की पूर्ति करने के लिए बचनबद्ध हूँ जो मुझे दी जाएंगी।

आवेदन की तारीख

आवेदक के हस्ताक्षर और पता

*यदि आवेदन कम्पनी की ओर से किया जाता है तो कम्पनी का नाम और पता तथा प्रबन्धक या अधिकर्ता का नाम दिया जाना चाहिए और आवेदन पर उसी के हस्ताक्षर होने चाहिए। प्रबन्धक या अधिकर्ता के नाम में प्रत्येक परिवर्तन, अनुज्ञापन प्राधिकारी को शीघ्र संसूचित किया जाएगा और उसके समूह, हस्ताक्षर अनुज्ञापन प्राधिकारी के पास फाइल किये जायेंगे।

प्ररूप "क" और "ख" में अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन के साथ प्रस्तुत करने के लिए अपेक्षित वस्तावेज

- (i) नियम 55 के अधीन अनुमोदित विनिर्देशों और रेखांक की चार प्रतियाँ (बिना संशोधन के अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए आवश्यक नहीं);
- (ii) अनुज्ञप्ति तथा उससे सम्बद्ध अनुमोदित रेखांक और विनिर्देश (अनुज्ञप्ति के प्रथम बार विज्ञान के लिए आवश्यक नहीं)
- (iii) अनुज्ञप्ति के देने, संशोधन या नवीकरण के लिए अपेक्षित फीस की रकम, जो नियम 72 में विहित ढंग से संवत् की गई है।

प्रकरण ४

(नियम 57 और 58 देखें)

समुद्र-मार्ग द्वारा गैस सिलिण्डरों के आयात के लिए अनुज्ञप्ति

संख्या

फीस

मैंसं.....को निम्नलिखित विवरण के सिलिण्डरों का किसी एक समय में.....पत्तन पर.....को परेषण के लिए आयात करने की अनुज्ञप्ति, भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1884 और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों और इस अनुज्ञप्ति के पीछे दी गई शर्तों के अधीन रहते हुए, अनुज्ञप्ति दी जाती है।

यह अनुज्ञप्ति 19 तक प्रबल रहेगी।

तारीख

अनुज्ञापन प्राधिकारी

सिलिण्डरों का विवरण

1. सिलिण्डरों की संख्या
2. सिलिण्डरों के विनिर्देश
3. द्वारा विनिर्मित
4. द्वारा निरीक्षित और परीक्षित
5. सिलिण्डरों में लगे वाल्वों के विनिर्देश
6. मरी हुई है
(गैस का सही रासायनिक नाम)
7. यदि स्थायी गैस या विषीय एसिटिलीन से मरी है तो 15°
सेंटीग्रेड पर क्षरण अनुपात।
8. यदि द्रवशील गैस से मरी है तो क्षरण अनुपात।
9. अंतिम द्रवशील प्रतिबल परीक्षण की तारीख
10. सिलिण्डरों की धूर्णन संख्या।

यदि सिलिण्डर अनुज्ञप्ति में दिए गए विवरण के अनुरूप नहीं है या जिन नियमों और शर्तों के अधीन यह अनुज्ञप्ति दी गई है उनमें से किसी का उल्लंघन होने पर, अनुज्ञप्ति रद्द की जा सकती है और अनुज्ञप्ति का धारक भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1884 की धारा 5(3)(क), (ख) और (ग) में जैसे दिया हुआ है उसके अनुसार दण्डनीय भी होगा।

अनुज्ञप्ति की शर्तें

1. इस अनुज्ञप्ति में दी गई अवधि की समाप्ति के पश्चात् यह अनुज्ञप्ति शून्य हो जाएगी।
2. भरे सिलिण्डर खाली होने के पश्चात् अनुज्ञापन प्राधिकारी की पूर्ण सहमति के बिना पुनः नहीं भरे जायेंगे।
3. भरे सिलिण्डरों की आयात के पत्तन से किन्हीं प्राधिकृत परिसरों को शीघ्र हटाने के लिए अनुज्ञप्तिधारी पूर्ण व्यवस्था करेगा।

प्रकरण ३

(नियम 57 और 58 देखें)

अनुज्ञप्ति सं०.....

फीस.....रुपए

श्री.....को, नीचे वर्णित और रेखांक सं०.....में दर्शाए गए अनुज्ञापन परिसर में, भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1884 (1884 का 4) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों तथा इस अनुज्ञप्ति की अन्य शर्तों के अधीन रहते हुए मिलेण्डरों में संपीड़ित गैस भरने के लिए अनुज्ञप्ति दी जाती है।

यह अनुज्ञप्ति 31 मार्च, 19.....तक प्रवृत्त रहेगी।

तारीख19.....

मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

अनुज्ञापन परिसर का विवरण और अवस्थिती निम्नलिखित विवरण के अनुसार मिलेण्डरों में गैस भरने के लिए अनुज्ञापन परिसर, जिसकी अभिलेखांक सीमाएं और अन्य विवरण संलग्न अनुमोदित रेखांक सं० 2 में दिखाया गया है,....., में अवस्थित है और जिसमें..... है।

गैस का प्रकार

- (क) बिपैली
- (ख) अंबिपैली और ज्वलनशील
- (ग) अंबिपैली और ज्वलनशील
- (घ) बिपैली एसिटिलीन गैस
- (ङ) एल०पी०जी० से भिन्न
- अंबिपैली और ज्वलनशील इथरीय गैस
- (च) दूधित पैट्रोलीयम गैस

और (प्लांट संख्या)	थाना (जिला) में स्थिति है	(गली का नाम)	(गांव या नगर)	पुलिस थाना (जिला) में स्थित है।
--------------------	---------------------------	--------------	---------------	---------------------------------

नवीकरण के पृष्ठांकन के लिए स्थान

भारतीय विस्फोटक अधिनियम 1884 या उसके अधीन बनाए गए गैस मिलेण्डर नियम, 1981 के उपबंधों या इस अनुज्ञप्ति की शर्तों का उल्लंघन न होने की दशा में यह अनुज्ञप्ति, फीस में कोई छूट दिए बिना तीन वर्ष तक नवीकृत की जा सकती है।	नवीकरण की तारीख	अनुज्ञप्ति की समाप्ति की तारीख	अनुज्ञापन प्राधिकारी के हस्ताक्षर और कार्यालय की मुद्रा
--	-----------------	--------------------------------	---

यदि अनुज्ञापन परिसर इससे उपाबद्ध विवरण और शर्तों के अनुरूप नहीं पाया जाता है और जिन नियमों और शर्तों के अधीन यह अनुज्ञप्ति दी गई है उनमें से किसी का उल्लंघन होता है तो वह अनुज्ञप्ति रद्द की जा सकती है और अनुज्ञप्ति का धारक कारावास से, जिसकी अवधि दो वर्ष तक की हो सकती है या जुर्माने से, जो तीन हजार रुपए तक का हो सकता है, या दोनों में, दण्डनीय होगा।

शर्तें

- (1) अनुज्ञप्ति परिसरों का प्रयोग, मिलेण्डरों में संपीड़ित गैस भरने और उसे वहां अभ्यायी रूप से रखने और इससे संबंध प्रयोजनों से भिन्न प्रयोजनों के लिए नहीं किया जाएगा।
- (2) किसी भी मिलेण्डर में संपीड़ित गैस तब तक नहीं भरी जाएगी जब तक कि.....
 - (i) भरण के लिए ऐसे मिलेण्डर को मुख्य नियंत्रक ने लिखित में अनुमोदित नहीं कर दिया है; और
 - (ii) मिलेण्डर की परीक्षा और परीक्षण सुसंगत नियमों के अधीन प्रेषित रूप से नहीं कर लिया गया है।
- (3) भरण के पूर्व, प्रत्येक मिलेण्डर की उसके बाल्व और अन्य फिटिंग्स सहित, यह सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक परीक्षा की जाएगी कि वह नियमों के सुसंगत उपबंधों के पूर्णतः अनुरूप है और भरण के लिए अनुमोदित करने के पूर्व उसे पूर्णतः खाली कर दिया जाएगा।

(4) किसी भी मिलेण्डर में कोई संपीड़ित गैस, नियमों के अधीन विहित परिकल्पित जांच, दाब और अनुपात से अधिक नहीं भरी जाएगी।

(5) जहां मिलेण्डर के बाल्व और अन्य फिटिंग्स को परिवर्तित करना आवश्यक हो जाता है वहां मिलेण्डर पर स्थापित आधेय भार पर नजर रखी जाएगी और किसी परिवर्तन के लिए आवश्यक सुधार किया जाएगा।

(6) किसी भी ऐसे मिलेण्डर से जो नियमों में विहित समुचित रंग में पेंट नहीं किया गया है संपीड़ित गैस नहीं भरी जाएगी।

(7) किसी गैस के लिए संपीड़न और भरण उपकरण किसी अन्य गैस के लिए संपीड़न और भरण उपकरण से पूर्णतः अलग और अमिश्रण होगा।

(8) किसी भी मिलेण्डर में, इस अनुज्ञप्ति पर विधिपूतः पृष्ठांकित रीति और अन्य शर्तों के अधीन हुई सुरास्ति और सुरावध के तीन फीट संपीड़ित गैस भरी जाएगी अन्यथा नहीं।

(9) ज्वलनशील गैसों के संपीड़न और भण्डारण के लिए उपयोग में लाए जाने वाले परिसर में प्रतिगणित समस्त निम्नलिखित उपकरण जैसे, शोटर, स्विच, स्टार्टर इत्यादि भा० नं० 2148 के अनुरूप अभिनसा रचना के होंगे।

(10) ऐसा कोई प्रकाश, जिससे ज्वलनशील बाष्प या गैस प्रज्वलित हो सकती है, किसी भी समय मिलेण्डरों में संपीड़ित

- गैस के भरण के दौरान परिसर में नहीं रखा जाएगा और ऐसे भरण में लगा कोई व्यक्ति भ्रूअपघन नहीं करेगा।
- (11) अनुज्ञप्ति परिसर का प्रबन्ध करने वाला या उस पर उसके संबंध में नियोजित प्रत्येक व्यक्ति ऐसा कोई कार्य नहीं करेगा जिससे आग लग सकती है या विस्फोट हो सकता है और जो युक्तियुक्त रूप से आवश्यक नहीं है तथा वह अपनी सर्वोत्तम योग्यता के अनुसार किसी अन्य व्यक्ति को भी ऐसा कार्य करने में निवारित करेगा।
- (12) प्रत्येक अनुज्ञप्त परिसर के लिए अनुज्ञप्तिधारी कम से कम दो सुधारण फीम प्रकार के या शुष्क रासायनिक प्रकार के 9 किलोग्राम क्षमता के अग्निशामकों की, जो आग लगने पर तुरन्त उपयोग में लाए जा सकें सुविधाजनक स्थानों पर तैयार रखेगा या की व्यवस्था करेगा। ऐसे अग्निशामक यंत्रों की, उनकी उपयोगिता की दृष्टि से नियतकालिक जांच की जाएगी।
- (13) समस्त भरण, संकियाएँ, सक्षम व्यक्ति के सीधे पर्यवेक्षण के अधीन की जाएगी।
- (14) द्रवित पेट्रोलियम गैस के संग्रहित और संभरण के लिए उपयोग में लाए जाने वाले अनुज्ञप्त परिसर के चारों ओर हर समय एक सुरक्षा क्षेत्र होगा जो किसी भी सार्वजनिक स्थान, मार्ग या ग्रामपंचायत की सम्पत्ति से स्पष्टतः 10 मीटर की दूरी पर होगा।
- (15) अनुज्ञप्त परिसर अज्वलनशील सामग्री से बनाया जाएगा और पर्याप्ततः संशुद्ध होगा।
- (16) अनुज्ञप्त परिसर के भीतर होने वाली दुर्घटना, आग या विस्फोट की, जिसे जनजीवन की या जीवन या सम्पत्ति की गंभीर क्षति होती है, रिपोर्टे निकटतम मजिस्ट्रेट को या निकटतम पुलिस थाने के भारमाधक अधिकारी को तथा द्रुत लागू से, मुख्य विस्फोटक नियंत्रक को दी जाएगी। (सार का पता : "विस्फोटक, नागपुर")
- (17) नियम 78 में सूचीबद्ध किसी भी अधिकारी की सभी युक्तियुक्त समयों पर अनुज्ञप्त परिसर में निर्वाह रूप से प्रवेश करने दिया जाएगा और ऐसे अधिकारी को, यह सुनिश्चित करने के लिए कि इन नियमों और इस अनुज्ञप्ति की शर्तों का सम्यक रूप से पालन हो रहा है, हर सुविधा दी जाएगी।

प्रकरण 'ब'

(नियम 57 और 58) देखें

अनुज्ञप्ति संख्यांक

फीस

श्री.....की नीचे वर्णित और रेखांक सं०.....में दक्षित किए गए अनुज्ञप्त परिसर में, भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1884 (1884 का 4) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों तथा इस अनुज्ञप्ति की अन्य शर्तों के अधीन रहते हुए, केवल संपीकृत गैस से भरे सिलेण्डरों को बदलने के लिए अनुज्ञप्ति दी जाती है।

यह अनुज्ञप्ति 31 मार्च, 19.....तक प्रवृत्त रहेगी

तारीख

मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

अनुज्ञप्त परिसर का विवरण और अवस्थिति निम्नलिखित विवरण के अनुसार सिलेण्डरों में भरी गैस रखने के लिए अनुज्ञप्त परिसर जिसको अभिन्यास सीमाएँ और अन्य विवरण संलग्न अनुमोदित रेखांक में दिखाया गया है,.....में अवस्थित है और जिसमें.....

.....है।

गैस का प्रकार

मात्रा

(क) विषैली

—

(ख) अविषैली और अज्वलनशील

—

(ग) अविषैली और अज्वलनशील

—

(घ) बिलीन एसिटिलीन गैस

—

(ङ) एल०पी०जी० से भिन्न अविषैली और अज्वलनशील द्रवशील गैस

—

(च) द्रवित पेट्रोलियम गैस और

—

(प्लाट सं०)

(गली का नाम)

(गाँव या नगर)

(पुलिस थाना)

जिला.....में स्थित है।

नवीकरण के पृष्ठांकन के लिए स्थान

भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1884 या उसके अधीन बनाए गए नवीकरण की तारीख समाप्ति की तारीख अनुज्ञापन प्राधिकारी के हस्ताक्षर और कार्यालय की मुद्रा

गैस सिलेण्डर नियम, 1981 के उपबंधों या इस अनुज्ञप्ति की शर्तों का उल्लंघन न होने की दशा में इस अनुज्ञप्ति फीस में कोई छूट दिए बिना तीन वर्ष तक नवीकरण की जा सकती है।

समाप्ति की तारीख

अनुज्ञापन प्राधिकारी के हस्ताक्षर और कार्यालय की मुद्रा

यदि अनुज्ञप्त परिसर इससे उपायद्ध विवरणी और शर्तों के अनुरूप नहीं पाया जाता है और जिन नियमों और शर्तों के अधीन यह अनुज्ञप्ति दी गई है, उसमें से किसी का उल्लंघन होता है तो यह अनुज्ञप्ति रद्द की जा सकती है और अनुज्ञप्ति का धारक कारावास से, जिसकी अवधि दो वर्ष तक की हो सकती है या जुर्माने से, जो तीन हजार रुपए तक का हो सकेगा या दोनों से, दण्डनीय होगा।

शत

1. संपीड़ित गैस से भरे सिलेण्डरों के रखने के सिवाय, अनुज्ञप्त परिसर किसी अन्य प्रयोजन के लिए उपयोग में नहीं लाए जायेंगे।
2. संपीड़ित गैस से भरे सिलेण्डरों का भण्डार भण्डारण शौड में हो जो कि उपयुक्त अज्वलनशील सामग्री से बना होगा किया जायेगा परन्तु यदि केवल अज्वलनशील गैस से भरे सिलेण्डरों का भण्डारण किया जाना है तो बीम, शहतीर कालम, खिड़कियाँ और दरवाजे लकड़ी के हो सकते हैं।
- (3) भण्डारण शौड भूमि की सतह तथा छत में या उसके निकट पर्याप्ततः संवातित होगा। यदि भण्डारण शौड निम्न दाब गैस सिलेण्डरों को रखने के लिए प्रयोग में लाया जाता है तो संवातन बढ़िया ताँबे या अन्य असंश्लक्ष्ण धातु की तार की दोहरी जाली की व्यवस्था की जाएगी जिसमें प्रति सेंटीमीटर (लंबाई में) 11 ग्रेश हो।
- (4) एक ही शौड में, यथासंभव, विभिन्न प्रकार की गैसों का भण्डार नहीं किया जाएगा यदि एक ही शौड में विभिन्न प्रकार की गैसों का भण्डारण किया जाना है तो सिलेण्डरों को उनमें भरी गैसों की प्रकृति के आधार पर एक समूह में रखा जा सकता है, अर्थात् ज्वलनशील गैस सिलेण्डरों और आगसीकारक गैसों से भरे सिलेण्डरों को परस्पर अलग-अलग रखने के लिए उनके बीच या तो एक मीटर स्थान रिक्त छोड़ दिया जाएगा या अग्निरोधी विभाजक दीवाल बना दी जाएगी और विपैली गैसों से भरे सिलेण्डरों तथा अविपैली गैसों से भरे सिलेण्डरों को इसी प्रकार अलग करने के लिए उनके बीच एक विभाजक दीवाल बना दी जाएगी।
- (5) किसी भवन, सार्वजनिक स्थान, सार्वजनिक मार्ग या आसपास में बनाई जाने वाली संपत्ति और द्रवित पेट्रोलियम गैस सिलेण्डरों के भण्डारण के लिए उपयोग में लाए जाने वाले भण्डारण शौड के बीच निम्नलिखित स्पष्ट दूरी सदैव बनाए रखी जाएगी, अर्थात् :-

सिलेण्डरों में संपीड़ित गैस की मात्रा किया०	रखी जाने वाली न्यूनतम स्पष्ट दूरी मीटर
0—100	—
100—1000	3
1001—4000	5
4001—8000	7
8001—12000	9
12001—30000	12
30000 से अधिक	15

परन्तु निम्नलिखित दशाओं में मुख्य नियंत्रक उक्त दूरियों को कम कर सकता है, अर्थात् :—(1) जब परदा दीवाल की व्यवस्था की गई हो या अन्य विशिष्ट पूर्वावधानियाँ बरती गई हों। अथवा (2) जहाँ ऐसी विशिष्ट परिस्थितियाँ हों जो मुख्य नियंत्रक की राय में इस प्रकार की कर्मा करने के लिए न्यायोचित है।

(6) उक्त शर्त 5 में से किसी बात के होते हुए भी 100 कि०ग्रा० से अधिक किन्तु 300 कि०ग्रा० से कम, द्रवित पेट्रोलियम गैस से भरे सिलेण्डर भवन के किसी भाग में या उससे संलग्न भण्डारण शौड में रखे जा सकते हैं परन्तु यह तब जबकि उसे एक भण्डारण विभाजक भवन से अलग रखा जाए और उसमें प्रवेश करने का एक मात्र साधन बाहर से हो। ऐसा भण्डारण शौड किसी जीने के नीचे या शेष भवनों के लिए प्रवेश या निकास द्वार के पास या अन्य भवनों के पास अवस्थित नहीं होगा।

(7) द्रवित पेट्रोलियम गैस सिलेण्डरों के भण्डारण के लिए उपयोग में लाया जाने वाला शौड, अप्राधिकृत व्यक्तियों को शौड में प्रवेश करने से रोकने के लिए, उपयुक्त काटेदार तार से घेर दिया जाएगा।

(8) पक्की दीवाल वाले सिलेण्डर क्षैतिज स्थिति में चट्टे लगाकर नहीं रखे जायेंगे परन्तु द्रवित पेट्रोलियम गैस सिलेण्डरों की दशा में, निम्नलिखित चट्टा विधि अनुज्ञात की जा सकती है, अर्थात् :—

- (1) यदि सीधी स्थिति में भण्डारण किया जाना है तो चट्टा, तीन से अधिक ऊँचा नहीं होगा या
- (2) यदि क्षैतिज स्थिति में भण्डारण किया जाना है तो भरे सिलेण्डरों की दशा में 5 और खाली सिलेण्डरों की दशा में 7 से अधिक ऊँचा चट्टा नहीं लगाया जाएगा।
- (3) सिलेण्डरों का ढेर, छोरों पर अवरोधों के प्रयोग द्वारा स्थिर रखा जाएगा।
- (4) प्रवेश और सिलेण्डरों की घरा-उठाई के लिए हकहरी या दोहरे पक्षियों के चट्टों के बीच चट्टों और दीवारों के बीच न्यूनतम 60 से०मी० चौड़ा मार्ग रखा जाएगा।
- (9) भण्डारण शौड में गैस (सों) का (के) सही रासायनिक नाम सुस्पष्टतः दर्शाया जाएगा।
- (10) भण्डारण शौड एक सक्षम व्यक्ति के भार-साधन में रहेगा
- (11) यदि अनुज्ञप्त परिसर के भीतर कोई कुर्बटना, भाग या विस्फोटक हो जाता है जिससे जनजीवन की हानि होती है या जीवन या संपत्ति को गंभीर क्षति पहुँचती है तो उसकी रिपोर्ट निकटतम मजिस्ट्रेट को या निकटतम पुलिस थाने के भार-साधक अधिकारी को तथा द्रुत तार से मुख्य विस्फोटक नियंत्रक को दी जाएगी।

(तार का पता : “विस्फोटक सागपुर”)

(12) यदि गैस सिलेण्डरों का भण्डारण करने वाले किसी व्यक्ति से, गैस सिलेण्डरों के भण्डारण शौड में कोई ऐसी अभिवृद्धि, परिवर्तन या मरम्मत करने के लिए लिखित रूप में अपेक्षा की जाए, तो निरीक्षक प्राधिकारी की राय में परिसरों की सुरक्षा के लिए आवश्यक है तो वह उक्त अभिवृद्धि, परिवर्तन या मरम्मत सूचना का प्राप्ति की तारीख से, कम से कम एक मास की ऐसी किसी अवधि के भीतर जो सूचना में विनिर्दिष्ट की जाए, कर देगा।

(13) सूर्यास्त और सूर्योदय के बीच ज्वलनशील गैसों के भण्डारण के लिए उपयोग में लाया जाने वाला कोई भी शौड न तो छोड़ा जाएगा और न गैस सिलेण्डरों की घरा-उठाई अनुज्ञात की जाएगी। यह कार्य उस दशा में किया जा सकेगा जबकि अनन्यतः अनुमोदित विद्युत प्रकाश का प्रयोग किया जाए।

(14) भण्डारण शौड और इससे थिरे क्षेत्र को, सदैव समस्त ज्वलनशील सामग्री, रही वनस्पति और कूड़ा, चर्कट से दूर रखा जाएगा।

- (15) (क) अभ्यस्तह विद्युत प्रकाश और फिटिंगो के सिवाय कोई अग्नि, भट्ठी वा अन्य ताप या प्रकाश स्रोत, भण्डारण रोड के भीतर और शर्त 5 के अधीन बनाए रखे जाने वाले अप्रक्षित सुरक्षा क्षेत्र के भीतर अनुज्ञाद नहीं किए जायेंगे।
- (ख) कोई भी व्यक्ति भण्डारण रोड में प्रवेश नहीं करेगा या माचिस, फ्यूज या चिमनारी उत्पन्न करने वाले अन्य साधन को परिसर में नहीं ले जाएगा। 'धूम्रपान मत। हे' के हिन्दी अंग्रेजी और प्रादेशिक भाषा में सुस्पष्ट साइन-बोर्ड भण्डारण रोड के बाहर सहजदृश्य स्थानों पर लगाए जायेंगे या टांग जायेंगे।
- (16) प्रत्येक अनुज्ञाप परिसर के लिए अनुज्ञापि धारी कम से कम दो सुवाह्य काम प्रकार के या शुष्क रासायनिक प्रकार के 9 किलोग्राम क्षमता के अग्निशामकी की, जो प्राय लगने पर सुस्त उपयोग में लाए जा सकें (सूविधाजनक स्थानों पर तैयार रखने की व्यवस्था करेगा। ऐसे अग्निशामक यंत्रों की उनकी उपयोगिता का दृष्टि से, नियतकालिक जांच जाएगी।
- (17) नियम 78 में सूचीबद्ध किसी भी अधिकारी को सभी युक्तियुक्त समयों पर अनुज्ञाप परिसर में निर्वाह रूप से प्रवेश करने दिया जाएगा और ऐसे अधिकारी को, यह सुनिश्चित करने के लिए कि इन नियमों और इस अनुज्ञापि की शर्तों का सम्यक् रूप से पालन हो रहा है, हर सुविधा दी जाएगी।

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th February, 1981

G.S.R. 77(E).—Whereas a draft of the revised Gas Cylinders Rules, was published as required by section 18 of the Indian Explosives Act, 1884 (4 of 1884), at pages 1131 to 1138/12 of the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated the 1st September, 1979, under the notification of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No G.S.R. 523(E), dated the 1st September, 1979 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, before the expiry of a period of 45 days from the date of publication of the said notification in the Official Gazette;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 22nd September, 1979;

And whereas objections and suggestions received from the public on the said draft Rules have been considered by the Central Government,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sections 5 and 7 of the Indian Explosives Act, 1884 (4 of 1884), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

GAS CYLINDERS RULES, 1981

CHAPTER I—PRELIMINARY

1 Short title and commencement—(1) These rules may be called the Gas Cylinders Rules, 1981

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette

2. Definitions—In these rules the context otherwise requires,—

(i) "Act" means the Indian Explosives Act, 1884 (4 of 1884);

(ii) "Chief Controller" means the Chief Controller of Explosives, Government of India;

(iii) "competent person" means a person recognised by the Chief Controller to be a competent person, or a person who holds a certificate of competency for the job in respect of which competency is required from an institution recognised by the Chief Controller in this behalf,

(iv) "compressed gas" means any permanent gas, liquefiable gas or gas dissolved in liquid under pressure or gas mixture which in a closed gas cylinder exercises a pressure either exceeding 2.5 Kgf/Cm² abs (1.5 Kgf/Cm² gauge) at +15°C or a pressure exceeding 3 Kgf/Cm² abs (2 Kgf/Cm² gauge) at +50°C or both,

Explanation—Hydrogen fluoride falls within the scope of compressed gas although its vapour pressure at 50°C is 17 to 18 atmospheric gauge;

(v) "Conservator" in relation to a port includes any person acting under the authority of the officer or body of persons appointed to be Conservator of that port under Section 7 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908),

(vi) "Controller of Explosives" includes the Deputy Chief Controller of Explosives, Deputy Controller of Explosives and Assistant Controller of Explosives,

(vii) "critical temperature" means the temperature above which gas cannot be liquefied by the application of pressure alone;

(viii) "dissolved acetylene cylinder" means a cylinder having a valve and with or without safety device, containing a porous mass, a solvent for the storage of dissolved acetylene and at least sufficient acetylene to saturate the solvent at atmospheric pressure and at a temperature of +15°C.

Explanation—Acetone or any other solvent used shall not be capable of chemical reaction with the acetylene gas or with the porous mass or with the metal of the cylinder or valve;

(ix) "dissolved gas" means a gas which under pressure is dissolved in a fluid solvent appropriate to the particular gas as for example, acetylene in acetone or ammonia in water,

(x) "district authority" means—

(a) a Commissioner of Police or Deputy Commissioner of Police in any town having a Commissioner of Police; and

(b) in any other place, the District Magistrate;

(xi) "District Magistrate" includes an Additional District Magistrate, and in the States of Punjab and Haryana and in the Karaikal, Mahe and Yanam areas of the Union territory of Pondicherry, also includes a Sub-Divisional Magistrate,

(xii) "filling pressure" means the maximum permissible gauge pressure, converted to +15°C, at which a gas cylinder for permanent gas or gas dissolved under pressure can be filled,

(xiii) "filling ratio" means the ratio of the weight of a liquefiable gas introduced in the cylinder to the weight of the water the cylinders will hold at 15°C;

(xiv) "flammable gas" means any gas which, if either a mixture of 13 per cent or less (by volume) with air forms a flammable mixture or the flammability range with air is greater than 12 per cent regardless of the lower limit and these limits shall be determined at atmospheric temperature and pressure

Explanation—"Flammability range" means the difference between the minimum and maximum percentages by volume of the gas in mixture with air that forms a flammable mixture,

(xv) "Form" means a Form set forth in Schedule V;

- (xvi) "Gas Cylinder" or "cylinder" means any closed metal container intended for the storage and transport of compressed gas, designed not to be fitted to a special transport or under-carriage, and having a volume exceeding 500 ml, but not exceeding 1000 litres;
- (xvii) "high pressure liquefiable gas" means a liquefiable gas having a critical temperature between -10°C and $+70^{\circ}\text{C}$;
- (xviii) "hydrostatic stretch test" means subjecting the cylinder to a hydrostatic pressure equal to the test pressure of the cylinder and recording the permanent stretch undergone by the cylinder;
- (xix) "hydrostatic test" means the test to which a cylinder is subjected to a hydrostatic pressure equal to the test pressure of the cylinder;
- (xx) "import" means bringing into India by land, sea or air;
- (xxi) "inspecting authority" means a person having qualifications and wide experience in the field of design, manufacture and testing of gas cylinders and recognised by the Chief Controller as authority for inspection and certification of gas cylinders;
- (xxii) "installation" means any premises wherein any place has been specially prepared for the manufacture (filling) or storage of compressed gas in cylinder;
- (xxiii) "liquefiable gas" means a gas that may be liquefied by pressure at -10°C but will be completely vapourised when in equilibrium with normal atmospheric pressure (760 mm. hg.) at 30°C ;
- (xxiv) "low pressure liquefiable gas" means a liquefiable gas having critical temperature higher than $+70^{\circ}\text{C}$;
- (xxv) "manufacture of gas" means filling of a cylinder with any compressed gas and also includes transfer of compressed gas from one cylinder to any other cylinder;
- (xxvi) "permanent gas" means a gas whose critical temperature is below -10°C that is to say a gas which cannot be liquefied under any pressure at a temperature above -10°C ;
- (xxvii) "Schedule" means the Schedule annexed to these rules;
- (xxviii) "tare weight" in relation to,

(1) acetylene cylinder means the weight of the cylinder together with any fittings, permanently attached and includes the weight of valve any safety device, porous mass, requisite quantity of solvent for dissolving acetylene, and the weight of acetylene gas saturating the solvent at atmospheric pressure and temperature of 15°C .

(2) liquefiable gas cylinder means the weight of the cylinder together with any fittings permanently attached thereto and includes the weight of valve.

(3) permanent gas cylinder means the weight of the cylinder together with any fittings permanently attached thereto.

(xxix) "test pressure" means the internal pressure required for the hydrostatic test or hydrostatic stretch test of the cylinder, as follows:—

(1) For permanent and high pressure liquefiable gases. It should be calculated from the following:

$$Ph = \frac{200 \cdot t \cdot Re}{1.25 (Do-t)}$$

where

Ph = Test pressure in Kg/Cm².

Do = Outside diameter of the cylinder in mm.

t = Minimum calculated wall thickness of the cylinder shell in mm.

Re = Minimum specified yield strength of the material of cylinder in Kg/mm². It is limited to 75 per cent of the minimum value of tensile strength in the case of normalised cylinder and 85 per cent of the minimum value of the tensile strength for quenched and tempered cylinder, provided that the value of test pressure shall not exceed 80 per cent of the yield strength.

(2) For low pressure liquefiable gas—One and a half times the saturated vapour pressure of the gas at 65°C or as specified in IS : 8867, whichever is higher.

(xxx) "transport" means the moving of a cylinder filled with any compressed gas from one place to another;

(xxxi) "water capacity" means the volume of water in litres, a cylinder will hold at 15°C ;

(xxxii) "working pressure for low pressure liquefiable gas" means the saturated vapour pressure at 65°C ;
Explanation.—For the values of saturated vapour pressure of different gases see IS : 3710;

(xxxiii) "working pressure for permanent gas" means the internal pressure of the gas in the cylinder at a temperature of 15°C ;

(xxxiv) "yield strength" means the stress corresponding to a permanent strain of 0.2 per cent of the original gauge length in a tensile test. For practical purposes it may be taken as a stress at which elongation first occurs in the test piece without the increase of load in a tensile test.

CHAPTER II

GENERAL PROVISIONS

3. Filling, possession, import and transport of cylinders.—

(1) No person shall fill any cylinder with any compressed gas or import, possess or transport any cylinder so filled or intended to be filled with such gas unless:—

- such cylinder and its valve have been constructed to a type and standard specified in Schedule I as amended from time to time by an order issued by the Chief Controller;
- the test and inspection certificates issued by the inspecting authority in respect of cylinder and its valve are made available to the Chief Controller and prior approval of the said authority is obtained.

(2) The test and inspection certificates required to be obtained from the inspecting authority in respect of cylinders and valves inspected and certified by it in accordance with the approved design and specification or code shall give the information included in Schedule II.

(3) Any person desiring to fabricate cylinders, valves and other fittings shall submit to the Chief Controller the particulars set forth in Schedule III.

(4) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), cylinders of specifications not conforming to the specifications specified in Schedule I and imported into India for filling and shipment to the country of origin or supply to a foreign going vessel touching Indian port, could be filled with such gas, provided

- the cylinder has passed the hydraulic test or hydrostatic stretch test, as the case may be, within the period specified in these rules and the pressure applied during the test shall be the test pressure marked on the cylinder;
- the cylinder is not filled with—
 - any liquefiable gas in excess of the filling ratio specified in IS : 3710;

- (ii) any permanent gas at a pressure in excess of the pressure for which the cylinder is designed.
- (c) a separate record of the cylinder tested and filled is maintained at the filling station;
- (d) the filled cylinders are removed from the filling station and shipped off as expeditiously as possible.

4. Valves.—(1) Valves fitted to gas cylinders shall comply in all respects with the following specifications namely:—

- (a) in respect of Industrial gas cylinders, IS : 3224;
- (b) in respect of Medical gas cylinders, IS : 3745;
- (c) in respect of cylinders used with breathing apparatus, IS : 7302 as amended from time to time;
- (d) in respect of cylinders used for filling liquefied petroleum gas, IS : 8776 for cylinders of water capacity not exceeding 5 litres and, IS : 8737 for cylinders of water capacity exceeding 5 litres;

Provided that the Chief Controller may, if he is of opinion that it is necessary so to do in the public interest, permit the use of valves not conforming to any of the specifications.

(2) Valves fitted to Carbon dioxide cylinders shall be provided in the body with a safety release consisting of softened copper disc so arranged as to burst at a pressure between 200 and 220 Kg/Cm².

(3) Valves for cylinders containing flammable gases not listed in IS : 3224 shall have outlets provided with left handed screw threads for the pipes or other connections.

(4) All other valves shall have outlets with right handed screw threads.

(5) The valves shall be attached to the cylinder neck by screwing and not by making any permanent attachment or inserting adapter in between.

(6) The design of spindle operated valves shall be such that when fitted to the cylinders it shall not be possible to withdraw the spindle under normal operating conditions.

5. Safety Relief Devices.—(1) Cylinders manufactured in India, if fitted with safety relief devices in their bodies, shall have such safety devices manufactured and maintained in accordance with IS : 5903.

(2) Cylinders containing obnoxious or poisonous gases shall not be provided with any safety device.

Explanation.—For the purpose of this sub-rule, "obnoxious or poisonous gases" include Carbon monoxide, Hydro-Cyanic Acid, Hydrogen Chloride, Hydrogen Bromide, Hydrogen Fluoride, Sulphur Dioxide, Chlorine, Methyl Bromide, Nitrogen tetroxide, Nitrosyl Chloride, Town gas, Hydrogen Sulphide, Carbonyl Chloride (Phosgene), Cynogen, Cynogen Chloride, Fluorine and Carbon Oxychloride.

(3) Cylinders manufactured in foreign countries, approved for use in this country, if fitted with safety relief devices shall have these devices fully maintained in accordance with the requirements of the specifications to which they were originally made.

6. Marking on Cylinders.—(1) Markings generally:

- (a) Every gas cylinder shall be clearly and permanently marked in accordance with the following conditions by stamping, engraving or similar processes:
 - (i) on the shoulder of the cylinder which shall be enforced by forging or other means, or
 - (ii) on such a part which is inseparably bound with the cylinder and which is not or only negligibly effected by the stresses due to the gas pressure within it.
- (b) The name plate shall not be affixed to the cylinder by soldering if there is a risk of corrosion or embrittlement.
- (c) In conjunction with the original marking, space shall be provided for stamping the test date obtained at the periodic inspection.

(d) Markings shall be so carried out and the letters and numerals used shall be of such shape and size that the marking is clear and easily readable and does not give place for misreading.

(2) Marking on permanent and liquefiable gas cylinders:

(a) Every cylinder shall be marked with the following markings, namely:—

- (i) manufacturer's, owner's and inspector's marking and rotation number; (these markings shall be registered with the Chief Controller);
- (ii) specification to which the cylinder has been made;
- (iii) a symbol to indicate the nature of heat treatment (such as normalising, quenching or tempering) given to the cylinder during manufacture or after repairs;
- (iv) the date of the last hydrostatic test or hydrostatic stretch test, as the case may be, with the code mark of recognised testing station where the test was carried out. The code mark shall be registered with the Chief Controller. In the case of liquefied petroleum gas cylinders, the quarter and the year of test shall be given as an additional marking in a neck ring or on a shoulder plate;
- (v) working pressure and test pressure;
- (vi) tare weight;

Explanation.—In the case of liquefiable gas cylinders, tare weight shall include the weight of valve fitted to the cylinder. The weight of the valve shall be indicated separately.

(vii) water capacity.

(b) All the markings, except the manufacturer's markings, which may be on the base, shall be stamped on the neck end of the cylinder.

7. Markings on valve.—Valves fitted to the cylinder shall be clearly and durably marked in accordance with the following provisions by stamping, engraving or similar processes:

- (i) the specification of the valves;
- (ii) year and quarter of manufacture;
- (iii) manufacturer's symbol;
- (iv) working pressure;
- (v) the name or chemical symbol of the gas for which the valve is to be used;
- (vi) the type of screw threads on the outlet, namely left handed (L.H.) or right handed (R.H.);
- (vii) Inspector's stamp;
- (viii) where dip tubes are provided, special indications shall be given by a clear and durable marking on the valve or on a badge fixed between the valve and the cylinder. The total length in mm. of the tube shall also be indicated.

8. Identification colours.—(1) Every person filling any cylinder with any compressed gas shall, before it is stored or despatched, see that the cylinder is painted with the appropriate identification colours specified in IS : 4379 for industrial cylinders and IS : 3933 for medical cylinders.

(2) Cylinders used for new gases and gas mixtures for which identification colours are not provided in sub-rule (1) shall be painted with the colours indicated in the following table, namely:—

Name of the gas contained in the cylinder	Colour of the cylinder shell	Colour of band at neck end of cylinder
1	2	3
Non-flammable and nontoxic.	White	—

1	2	3
Non-flammable but toxic	White	Yellow (IS Standard Colour No. 356).
Flammable but non-toxic other than the LPG	White	Red (IS Standard Colour No. 537)
Flammable and toxic	White	Red and Yellow (IS standard colour Nos. 537 and 356).

Explanation.—Cylinders intended for gas mixtures can be marked with the words "Gas Mixture" or "Mixed Gas". In addition, the cylinders shall be marked with the names (symbols if necessary) of the components of the mixture by stamping, if the cylinders are intended for the permanent use of the particular gas mixture, or by painting, if the cylinders are intended for the casual use of the particular gas mixture.

(3) No person shall in any way interfere with or change the colour painted on a gas cylinder :

Provided that nothing in this sub-rule shall be deemed to prohibit the re-painting of a cylinder with the identification colour painted on it when it is required for the maintenance of the cylinder or when a cylinder is converted from one gas service to another gas service in accordance with these rules.

9. Labelling of cylinders.—(1) Every cylinder shall be labelled with the name of the gas and the name and address of the person by whom the cylinder was filled with gas.

(2) A warning in the following terms shall be attached to every cylinder containing permanent or liquefiable gas, namely :—

"WARNING"

Gas Cylinders Rules 1981

- (i) Do not change the colour of this cylinder.
- (ii) This cylinder should not be filled with any gas other than the one it now contains.
- (iii) No flammable material should be stored in the immediate vicinity of this cylinder or in the same room in which it is kept.
- (iv) No oil or similar lubricant should be used on the valves or other fittings of this cylinder.
- (v) Please look for the next date of test, which is marked on a metal ring inserted between the valve and the neck of the cylinder, and if this date is over, do not accept the cylinder.

10. Restriction on delivery or despatch of cylinders.—(1) No person shall deliver or despatch any cylinder filled with any compressed gas to any other person in India who is not the holder of a licence to possess such compressed gas cylinders or his authorised agent unless he is exempted under these rules to possess such compressed gas cylinders without a licence.

(2) The gas cylinders delivered or despatched by a person under sub-rule (1) shall be of the type for which he is licensed and shall not exceed the quantity which the person to whom it is delivered or despatched is authorised to possess under these rules.

(3) Nothing in sub-rules (1) and (2) shall apply to the delivery or despatch of gas cylinders to the Defence forces of the Union, port authorities or Railway administration.

11. Repairing of seamless gas cylinders during use.—No person shall repair or cause to repair any leakage in the body of a seamless gas cylinder.

12. Repairing of welded/brazed cylinders.—(1) Welded or brazed cylinder showing leaks at any place other than the welded or brazed seams shall not be repaired and shall be rendered unserviceable.

(2) In the case of cylinders having welded/brazed seam, repairing of minor defects, such as small weld cracks, pin holes, blow holes, undercuts in welding, leaks at the weld (shown in periodical hydrostatic test) may be allowed provided—

- (i) the defects have been removed by grinding, chipping, gouging or other approved methods;
- (ii) the repairing is carried out by a certified welder at the premises of a manufacturer of cylinders recognised by the Chief Controller under the supervision of a competent person by—

(a) welding if the original seams were welded;

(b) brazing, if the original seams were brazed;

(iii) the cylinder is properly heat-treated after the repairs;

(iv) the welded or brazed seams of the cylinder are radiographed if the cylinder was originally required to be radiographed after its manufacture;

(v) after repairs and heat-treatment, the cylinder is subjected to the same pneumatic and hydrostatic test or hydrostatic stretch test as was done at the time of manufacture.

(3) Welded or brazed cylinder, before repairing, shall be thoroughly cleaned and gas-free or otherwise prepared for safely carrying out hot work and certified in writing, by a competent person, to have been so prepared. The certificate shall be preserved for a period of three months and produced to the Chief Controller on demand.

(4) No person shall refill any cylinder which has been repaired under sub-rule (2) with any gas unless a full report on the repairs and test carried out on the cylinder, accompanied by the repairer's certificate of testing are furnished to the Chief Controller and his permission is obtained for its refilling.

(5) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), no repairs shall be carried out to any dissolved acetylene gas cylinder showing leaks in its weld seam.

13. Prohibition of employment of children and intoxicated persons.—No child under the age of eighteen years and no person who is in a stage of intoxication shall be employed in loading or unloading or transport of any compressed gas cylinder or in any premises licensed under these rules.

14. Prohibition of smoking, fires, lights and dangerous substances.—(1) No person shall smoke and no fires, other than blow pipe flames for repairs, or no articles or substances of flammable nature or liable to spontaneous ignition or to cause or communicate fire or explosion shall be allowed at any time in proximity to a place where any cylinder for flammable gases is being filled, stored or handled.

(2) No person in or near any place where cylinders containing flammable gases are filled, stored or handled shall have in his possession any matches, fuses or other appliances for producing ignition or explosion.

15. General precautions.—(1) Cylinders together with their valves and other fittings and the identification colours under these rules shall always be maintained in good condition.

(2) No oil or similar lubricant shall be used on any valves or other fittings of any cylinder.

(3) Save as provided in rules 12 and 41, no cylinder shall be subjected to any heat treatment or exposed to a high temperature or to the Sun or stored with any other flammable or explosive material.

(4) Every cylinder containing compressed gas shall have its valve securely closed so as to prevent leakage. Valves fitted to the cylinders containing Liquefied Petroleum Gas and highly toxic gases like Boron trifluoride, Carbon monoxide, Fluorine, Hydrogen Chloride, Cynogen Chloride, Chlorine trifluoride, Hydrogen Cyanide, Hydrogen Fluoride, Hydrogen Sulphide, Methyl Bromide, Nitrogen tetroxide, Chlorine, Ammonia or Sulphur Dioxide shall be provided with security nut on the outlet to act as a secondary means of safeguard against leakage of gas.

(5) If a leak in the valve cannot be rectified by tightening the gland nut or the spindle, the cylinder shall be removed to an open space where it is least dangerous to life and property and the filler shall be informed.

16. Special precautions against accidents.—(1) No person shall commit or attempt to commit any act which may tend to cause a fire or explosion in or about any place where gas under pressure in a cylinder is stored, handled or transported.

(2) Every person storing compressed gas cylinders and every person in charge of or engaged in the storage handling and transport of such gas cylinders, shall at all times—

- (a) comply with the provisions of these rules and the conditions of any licence relating thereto;
- (b) observe all precautions for the prevention of accident by fire or explosion; and
- (c) prevent any person from committing any act referred to in sub-rule (1).

17. Competent person to be incharge of operations.—Every person holding or acting under a licence granted under these rules, shall, whenever cylinders are filled, loaded, unloaded, examined or tested, depute a competent and experienced person to be present and to conduct any of the said operations in accordance with the provisions of these rules.

18. Handling and use.—(1) Cylinders shall be adequately supported during handling.

(2) Trolleys and cradles of adequate strength shall, as far as possible, be used when moving the cylinders.

(3) The cylinders shall be handled carefully and not be allowed to fall upon one another or otherwise subjected to any undue shock.

(4) Sliding, dropping or playing with cylinders is prohibited.

(5) Liquefied petroleum gas cylinders and cylinders containing liquefiable gases shall always be kept in an upright position and shall be so placed that they cannot be knocked over.

(6) Cylinders used in horizontal position shall be so secured that they cannot roll.

(7) Open flames, lights, lighting of fires, welding and smoking shall be prohibited in close proximity to any cylinder containing flammable gases except those whole in use for welding, cutting or heating.

(8) Working places shall not be classified as storage places for the purpose of licensing.

19. Restrictions on filling.—(1) Welded cylinders shall not be used for filling any permanent or high pressure liquefiable gas or highly toxic gases like Boron trichloride, Carbonyl Chloride (Phosgene), Chlorine trifluoride, Cynogen, Cynogen Chloride, Hydrogen Cynide, Hydrogen Fluoride, Hydrogen Sulphide.

(2) No cylinder which has once been used for storage and transportation of coal gas shall be used for filling with any other gas.

(3) No cylinder shall be filled with any gas that is capable of combining chemically so as to endanger its serviceability.

20. Storage of cylinders.—(1) Cylinders shall be stored in a cool, dry, well ventilated place under cover, away from boilers, open flames, steam pipes or any potential sources of heat and such place of storage shall be easily accessible.

(2) The storage room or shed shall be of fire resistant construction.

(3) Thin wall cylinders such as liquefied petroleum gas cylinders and dissolved gas cylinders shall not be stacked in a horizontal position.

(4) Cylinders containing flammable gases and toxic gases shall be kept separated from each other and from cylinders containing other types of gases by an adequate distance or by a suitable partition wall.

(5) Cylinders shall not be stored under conditions which will cause them to corrode.

(6) Cylinders shall not be stored along with any combustible material.

(7) Empty cylinders shall be segregated from the filled ones and care shall be taken that all the valves are tightly shut.

21. Electrical installations.—In premises for filling and storing flammable gases in cylinders all electric meters, distribution boards, switches, fuses, plugs and sockets, electric fixed lamps, portable hand lamps and motors, shall be of flame proof construction conforming to appropriate Indian Standard Specifications or such other specifications as are approved by the Chief Controller and shall be effectively earth.

22. Purity of gas.—(1) Compressed gases shall be free from impurities which are likely to corrode the metal of the cylinder or form an explosive substance with it or cause the gases to decompose or explode.

(2) The gases shall be as dry as is possible and in no instance shall the aqueous phase separate when a liquefied gas is cooled to 0°C.

(3) Before filling any cylinder with gases like carbon monoxide, coal gas, hydrogen or methane, the gas shall be free from hydrogen sulphide and other sulphurous impurities as far as practicable. The moisture shall be less than 0.02 g/m³ of gas at normal temperature and pressure.

23. Cylinder subjected to the action of fire.—(1) A cylinder exposed to fire shall not be used unless it has undergone proper examination and hydraulic/hydrostatic stretch test. If deleterious structural changes in the material due to the action of heat of the fire is apprehended to have taken place, the cylinder shall have to be subjected to proper heat treatment, followed by hydrostatic test or hydrostatic stretch test, as the case may be, before the cylinder is taken into use.

(2) Dissolved acetylene cylinders which have been damaged by fire shall be condemned and destroyed with due precautions by an experienced and competent person.

24. Ownership of cylinder.—A cylinder filled with a compressed gas shall not be transported unless it was charged by or with the consent of the owner of the cylinder.

25. Re-testing of cylinder.—A cylinder for which prescribed periodical re-test has become due shall not be charged and transported until such re-test has been properly made.

26. Owner's record.—The owner of a cylinder shall keep for the life of each cylinder, a record containing the following information regarding each cylinder, namely:—

- (i) Cylinder manufacturer's name and the rotation number;
- (ii) The specification number to which the cylinder is manufactured;
- (iii) Date of original hydrostatic test/hydrostatic stretch test;
- (iv) Cylinder manufacturer's test and inspection certificates.
- (v) Number and date of letter of approval granted by the Chief Controller.

27. Conversion of cylinders.—Gas cylinders designed and approved for filling with a particular gas shall not be used for filling with any other gas unless specific approval is obtained from the Chief Controller.

CHAPTER III

Importation of Cylinders

PART I—GENERAL

28. Licence for import of gas cylinders.—No person shall import any cylinder filled or intended to be filled with any compressed gas except under and in accordance with the conditions of a licence granted under these.

PART II

IMPORTATION BY SEA

29. Declaration by the Master of ship or ship's agent.—(1) The master of every ship carrying cylinders filled with compressed gas for importation into India, or the agent for such ship, shall give, the Conservator of the Port not less than 48 hours' notice of its intended arrival at the port

(2) The master of every ship carrying such cylinders shall deliver to the pilot, before entering any port, a written declaration under his signature in Form A :

Provided that if the agent for such ship delivers to the Conservator of the port a written declaration referred to in sub-rule (1) under his signature, no such declaration shall be made by the master of the ship.

(3) Every declaration delivered to a pilot under sub-rule (2) shall be made over by him without delay to the Conservator of the Port and all declarations received by the Conservator of the Port shall be forwarded by him, with all convenient despatch, to the Customs Collector of the Port.

30. Production of licence for import.—Every person desiring to import cylinders filled with any compressed gas or intended to be so filled shall produce personally or through his agent, before the Customs Collector his licence for the import of such gas cylinders.

31. Permission of the Customs Collector.—(1) No imported cylinder shall be landed except with the permission of the Customs Collector.

(2) If the Customs Collector is satisfied that the gas cylinders can lawfully be imported, he shall permit it to be landed.

(3) Nothing in this rule shall affect the power of the Customs Collector to detain the gas cylinders under any other law for the time being in force.

PART III

Importation by Land

32. Importation by Land.—No gas cylinder filled with any compressed gas, shall be imported by land save with the previous sanction in each case, of the Central Government and under such conditions and restrictions as it may impose.

PART IV

Importation by Air

33. Importation by Air.—No cylinder with any compressed gas shall be imported by air save with the previous sanction in each case of the Director General Civil Aviation.

CHAPTER IV

Transport of Cylinders

34. Transport of cylinders by vehicles.—(1) Cylinders filled with any compressed gas shall not be transported by a bicycle or any other two-wheeled mechanically propelled vehicle.

(2) Cylinders shall be so transported as not to project in the horizontal plane beyond the sides or ends of the vehicle by which they are transported.

(3) There shall be no sharp projections on the inside of the vehicle.

(4) Cylinders shall be adequately secured to prevent their falling off the vehicle and being subjected to rough handling, excessive shocks or local stresses.

(5) Cylinders transported in vehicles shall be blocked or braced and be so secured to prevent movement, striking each other or falling down.

(6) Cylinders filled with any compressed gas shall not be transported along with any other article of a highly flammable or corrosive nature.

35. Restriction on transport.—(1) Cylinders containing flammable gases shall not be transported along with the cylinders containing any other type of compressed gas.

(2) Cylinders containing toxic or corrosive gas shall not be transported along with food-stuffs.

36. Loading and unloading for transport.—(1) No lifting magnet shall be used in loading or unloading of cylinders filled with any compressed gas.

(2) When any such operation is carried on by means of a crane or a fork-lift truck, a proper cradle with chains or wire rope slings shall be used.

1367 GI/80—5

37. Protection of valves during transport.—(1) Every cylinder containing compressed gas shall, when transported, have its valve protected against damage in the manner provided in sub-rules (2) and (3) unless it is securely packed in a box or crate.

(2) Where the design of the cylinder does not provide for the valve lying wholly below the level of the body of the cylinder, a stout metal cap, metal cover or a protective metal ring or grill of a design approved by the Chief Controller shall be provided, the design being such that the cap or cover or ring or grill is no where in close proximity to any part of the valve or valve body.

(3) Where metal caps or metal covers are provided, to protect valves fitted to cylinders other than those containing highly toxic gases like Hydrogen Cyanide, Phosgene, Cynogen, Cyanogen Chloride, it shall be provided with a vent of such size so as to prevent any gas pressure inside the cap or covers.

(4) Cylinders containing highly toxic gases like Hydrogen Cyanide, Phosgene, Cynogen, Cyanogen Chloride gases, shall have their valves protected with gas-tight metal caps or covers.

(5) Nothing in sub-rules (1), (2) and (3) shall apply to cylinders containing oxygen or nitrous oxide for medical purposes having water capacity not exceeding 5 litres.

38. Leaky cylinders.—(1) No person shall tender or transport any leaky cylinder.

(2) Any cylinder containing a flammable or toxic gas, which develops a leak during transport shall promptly be removed to an isolated open place away from any source of ignition and the person responsible for transportation shall immediately contact the filler or the consignor as the case may be, for necessary advice.

CHAPTER V

Examination and testing of cylinders

39. Periodicity of examination and testing of cylinders.—

(1) No person shall fill any cylinder with any compressed gas unless the cylinder has been examined and subjected to hydrostatic test or hydrostatic stretch test, as the case may be, and other tests set forth in this Chapter within such period as is specified in the Code issued by Indian Standards Institution or as approved in writing by the Chief Controller.

(2) Any testing station desiring to obtain recognition for periodical testing and examination of cylinders shall provide the facilities set forth in Schedule IV.

40. Condition of cylinders for testing.—Cylinders for testing shall be first emptied of their contents. The cylinder contents shall be released in a safe manner keeping in mind the dangers associated with the nature of the gas in the cylinder. Cylinders which contain or may have been contaminated by, poisonous or obnoxious substances shall be emptied by test stations properly equipped and sufficiently experienced to handle the particular gas.

41. Inspection of cylinders before carrying out hydrostatic/hydrostatic stretch test.—(1) Prior to carrying out hydrostatic/hydrostatic stretch test, every cylinder shall be thoroughly cleaned by steam cleaning or washing out with approved solvents. Where the interior of the cylinder is affected by rust or other foreign matter it shall be cleaned by one of the following methods namely :—

(a) Approved blasting, rotary wire brushing ;

(b) Burn out treatment carried out in a furnace at a temperature not exceeding 300°C for a period of not exceeding one hour after which all free rusts and any other foreign matter shall be removed by steam cleaning or washing with approved solvents.

(2) The cylinders after cleaning shall be visually examined externally and as far as practicable internally for surface defect in accordance with the Code of Practice issued by the Indian Standards Institution or any other Code approved in writing by the Chief Controller.

42. Hydrostatic/hydrostatic stretch test.—(1) For Cylinders use for permanent gases, high pressure liquefiable gases and all toxic and corrosive gases :—

(i) The cylinders shall be subjected to hydrostatic stretch test in accordance with IS:5844. The test pressure applied to the cylinder shall be retained for a period of not less than 30 seconds.

(ii) The permanent stretch suffered by the cylinder due to application of test pressure shall not exceed the following limits, namely :—

(a) In the case of cylinders 10% of the total stretch below 20 litres water suffered during the capacity for non-corrosive test.

(b) In other cases, 10% of the total stretch suffered during the test or 1/5000th of the original volume of the cylinder, whichever is less.

(2) For cylinders for low pressure non-corrosive liquefiable gases :

(i) The cylinder shall be subjected to hydrostatic test in accordance with IS:5844 by non-jacket method except that the volumetric changes during the test need not be measured.

(ii) The test pressure shall be retained for a period of not less than 30 seconds. Any reduction in pressure noticed during this retention period of any leakage, visible bulge or deformation shall be treated as a case of failure in the test.

(3) As soon as the test is completed, the cylinder shall be thoroughly dried internally and shall be clearly stamped on the neck and with marks and figures indicating the person by whom the test has been carried out and the date of test. Code mark of the person by whom the test has been carried out shall be registered with the Chief Controller.

43. Condemning of cylinders.—(1) Any cylinder which fails to pass periodic examination or test or which loses in its tare weight by over 5 per cent or which for any other defect is found to be unsafe for use shall be destroyed by flattening it as a whole or after being cut into pieces in such a manner that the pieces cannot again be joined together by welding or otherwise to form a cylinder.

(2) All markings on the cylinder shall be defaced before it is destroyed.

(3) History sheets of such cylinders shall be closed and kept on record for a period of one year. Reports of the details of such closed history cards shall be sent to the Chief Controller, in writing, on the 1st January, April, July and October every year.

(4) A cylinder has been used for the generation of any gas or for any purpose other than storage, transportation and use of compressed gas shall be deemed to have been condemned and unsuitable for such use as a cylinder within the meaning of these rules.

44. Records of test.—Full record of cylinders examined and tested at any testing station shall be maintained giving the following particulars, namely :—

(a) Name of the manufacturer and the owner of the cylinder.

(b) Rotation Number.

(c) The specification to which the cylinder conforms.

(d) Date of original hydrostatic/hydrostatic stretch test.

(e) Test reports and certificates furnished by the manufacturer, if available.

(f) Test pressure.

(g) Maximum working pressure.

(h) Water capacity

(i) Tare weight.

(j) Variation, if any, in the tare weight marked on the cylinder and actual tare weight.

(k) Condition of cylinder shell.

(l) Name of gas.

(m) Type of valve fitted, and

(n) Remarks, if any.

The above particulars shall form the history card for each cylinder and all changes from time to time shall be indicated therein.

CHAPTER VI

Dissolved Acetylene gas cylinders

45. Additional requirements for dissolved acetylene cylinders.—Dissolved Acetylene gas cylinder shall comply with the following additional provisions, namely :—

(i) The porous substance shall fill as completely as possible the cylinder into which the acetylene is compressed.

(ii) The porosity of the substance shall not exceed 92 per cent and in no case shall be less than 75 per cent.

(iii) Any solvent used shall not be capable of chemical reaction with the acetylene gas or with the porous substance or with the metal of the cylinder.

(iv) If acetone is used as a solvent it shall comply with the requirements of IS:170. The quantity of acetone including the gas in solution shall be such that the cylinder meets the requirements of additional tests specified in IS: 7312.

The maximum amount of acetone filled in a cylinder shall be proportionate to the porosity of the porous mass and the volumetric capacity of the cylinders in the following scale :

Porosity Per cent	Maximum Acetone content in per cent of water : capacity of cylinder, by volume	
	For cylinders having nominal water capacity not exceeding 9 litres	For cylinders having nominal water capacity exceeding 9 litres
Over 75 upto and including 80	34.8	36.2
Over 80 upto and including 83	37.1	38.6
Over 83 upto and including 87	38.5	40.0
Over 87 upto and including 90	38.5	42.0
Over 90 upto and including 92	41.8	43.4

(v) The valves of the cylinders shall not contain more than 70 per cent copper in their composition.

(vi) The pressure in the cylinder shall not exceed 16Kgf/Cm² at a temperature of 150°C.

(vii) Every cylinder shall before being filled with porous mass be tested by hydrostatic pressure to a pressure of not less than 60Kgf/Cm². This pressure may be reduced to 53 Kgf/Cm² if the cylinder is fitted

with fusible plug. No cylinder which shows a permanent stretch in excess of 7-1/2 per cent of the total stretch suffered during hydrostatic stretch test shall be allowed.

(viii) The safety relief devices if fitted, shall operate at a pressure of 53 Kgf/Cm² or at a temperature of 100°C + 4°C — 2°C

(ix) Every cylinder shall have permanently and conspicuously marked upon it or upon a brass plate soldered to it the name of the manufacturer and the words "Acetylene properly compressed into porous substance" and shall bear the following markings, namely :—

- (a) Serial number and identification of manufacturers;
- (b) Number of the standard;
- (c) Test pressure;
- (d) The date of hydrostatic stretch test with code mark of the place where the test was carried out;
- (e) Date of filling of porous mass;
- (f) Water capacity;
- (g) A symbol to indicate the nature of heat treatment;
- (h) Identification of porous mass;
- (i) Tare weight;
- (j) Inspector's official mark; and
- (k) Maximum gas capacity.

46. Restriction on filling of dissolved acetylene cylinders.—No person shall charge with acetylene any cylinder unless he is in possession of full particulars and the previous history of such cylinder and has otherwise assured himself that the cylinder complies with the requirements of these rules.

47. Examination of dissolved acetylene cylinders before filling.—Whenever a cylinder is charged with acetylene, it shall be subjected to a thorough visual examination, if the history of the cylinder shows that it has not been subjected to such an examination within the previous two years and at the same time the valves will be removed and the conditions of the porous substance at the neck of the cylinder ascertained. This period of periodical examination shall be one year in case the cylinders are filled with loose porous mass.

48. Licence for compression of acetylene.—The compression of the acetylene gas into a cylinder shall be carried out only on such premises as are licensed by the Chief Controller.

49. Record of dissolved acetylene cylinders.—Each firm charging acetylene in cylinders shall keep a record of every cylinder charged by it. This record shall give the following information, namely :—

- (a) the date of each charging of the cylinder;
- (b) the dates upon which solvent has been added;
- (c) the dates upon which the cylinder has been thoroughly examined as provided in rule 47, the results of each such examination and the name of the person carrying out such examination, and in the case of cylinders first issued by the firm, the tare weight of the cylinder including porous substance and acetone or other solvent, the nature of the solvent and the maximum pressure allowed in the cylinder.

The record shall be open for inspection of the Chief Controller and the Controller of Explosives.

50. Labelling of dissolved acetylene cylinders.—A warning label attached to every dissolved acetylene cylinder shall, in addition to the particulars given in sub-rule (2) of rule 9 bear the following additional particulars, namely :—

- (a) date of last filling of gas in the cylinder; and
- (b) weight of gas filled.

CHAPTER VII

FILLING AND POSSESSION

51. Licence for filling and possession.—(1) No person shall fill any cylinder with compressed gas and no cylinders filled with compressed gas shall be possessed by any one except under and in accordance with the conditions of a licence granted under these rules.

(2) The licensee shall be responsible for all operations connected with the filling and possession of cylinders in the licensed premises.

52. No licence needed for filling and possession in certain cases.—Notwithstanding anything contained in rule 51, no licence shall be necessary for :—

- (a) filling small quantity of compressed gas from one cylinder to another for the purpose of any experiment or test or for breathing;
- (b) possession of any cylinder filled with a compressed gas by a carrier or other person for the purpose of transport in accordance with the provisions of these rules;
- (c) possession of cylinder filled with :—
 - (i) liquefied petroleum gas when the total quantity of gas does not exceed 100 kg. at any one time;
 - (ii) any other flammable but non-toxic gas when the total number of cylinders containing such gas does not exceed 15 or the total weight of gas does not exceed 125 kg. whichever is less, at any one time;
 - (iii) any non-flammable non-toxic gas when the total number of such cylinders does not exceed 50 at any one time;
 - (iv) any toxic gas when the total quantity of such cylinders does not exceed 5 at any one time;
 - (v) acetylene gas contained in cylinders in dissolved state when the total quantity of such cylinders does not exceed 15 at any one time.

53. Restriction on filling.—No person shall fill any cylinder with any compressed gas unless such a cylinder and its valve or other fittings :—

- (a) are of approved type and standard as per rule 3 and has been specifically approved for filling by the Chief Controller;
- (b) have passed the examination and test specified in rules 41 and 42;
- (c) conform to the provisions of rules 4, 5, 6, 7 and 8.

54. Working pressure and filling ratios.—(1) The working or internal pressure in any cylinder charged with a permanent gas shall not exceed two-third of the test pressure.

(2) Cylinders charged with liquefiable gases shall not be filled in excess of the filling ratios specified in IS : 3710 for low pressure liquefiable gases and IS : 8866 for high pressure liquefiable gases.

55. Prior approval of specification and plans of premises proposed to be licensed.—(1) Every person desiring to obtain a licence to fill and store any compressed gas in any cylinder shall submit to the Chief Controller :—

- (i) specifications and plans drawn to scale in triplicate clearly indicating—
 - (a) the manner in which the provisions prescribed in these rules will be complied with;
 - (b) the premises proposed to be licensed, the area of which shall be distinctly coloured or otherwise marked;
 - (c) the surrounding area lying within 100 metres of the edge of all facilities which are proposed to be licensed.
- (ii) A scrutiny fee of rupees fifty paid in the manner prescribed in rule 72.

(2) If the Chief Controller after scrutiny of the specifications and plans and after making such inquiries as he deems fit, is satisfied that compressed gas will be filled and stored in the premises proposed to be licensed, according to the provisions of these rules, he shall return to the applicant one copy each of all the specifications and plans signed by him conveying his sanction subject to such conditions as he may specify.

56. Grant of licence.—A licence under these rules may be granted by the Chief Controller on payment of the fees specified in Schedule V.

57. Application for licence.—A person wishing to obtain or renew a licence under these rules shall submit an application, in writing, to the Chief Controller—

- (a) in Form 'B', if the application is in respect of a licence in Form 'D', and
- (b) in Form 'C', if the application is in respect of a licence in Form 'E', or Form 'F'.

58. Period for which licences may be granted or renewed.—(1) A licence in Form 'D' for the import of cylinders filled or intended to be filled with compressed gas may be granted for such period as the Chief Controller may deem necessary subject to a maximum of one year.

(2) A licence in Form 'E', or Form 'F' for filling and storage of compressed gas respectively granted or renewed under these rules shall remain in force till the 31st day of March of the year upto which the licence is granted or renewed subject to a maximum of three years.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), the Chief Controller, where he is satisfied that a licence is required for a specific work which is not likely to last upto the 31st day of March of the year upto which the licence is granted or renewed may grant or renew a licence for such a period as is necessary.

59. Particulars of licence.—(1) Every licence granted under these rules shall be subject to the conditions specified therein and shall contain all the particulars which are contained in the form specified under these rules.

(2) One copy of the plan or plans for the licensed premises signed in token of approval by the Chief Controller, shall be attached to the licence which shall form part of such a licence, and an identical copy shall be filed for record in the Office of the Chief Controller.

60. Prior approval necessary for alteration in the licensed premises.—(1) No alteration shall be carried out in the licensed premises until the plan or plans showing such alterations has been approved in writing by the Chief Controller.

(2) A person wishing to carry out any alteration in the licensed premises shall submit to the Chief Controller.

- (i) three copies of a properly drawn plan of the licensed premises showing in distinct colour or colours the proposed alterations and the reasons therefor;
- (ii) a scrutiny fee of rupees ten paid in the manner prescribed in rule 72.

(3) If the Chief Controller, after scrutiny of the plan showing the proposed alteration and after making such enquiries as he deems fit, is satisfied that the proposed alteration may be carried out, he shall return to the licensee one copy of the plan signed by him and conveying his sanction subject to such condition or conditions as he may specify.

(4) The holder of the licence shall apply to the Chief Controller for the amendment of the licence as soon as the sanctioned alteration has been carried out.

(5) No additions or alterations carried out in the licensed premises sanctioned by the Chief Controller shall be brought into use unless the licence is received by the licensee duly amended.

61. Amendment of licence.—(1) Any licence granted under these rules may be amended by the Chief Controller.

(2) The fee for amendment of a licence shall be rupees ten plus the amount, if any, by which the fee that would

have been payable if the licence had originally been issued in the amendment form exceeds the fee originally paid for the licence.

(3) A licensee who desires to have his licence amended shall submit to the Chief Controller—

- (i) an application duly filled in and signed in Form 'B' if the licence has been granted for the import of compressed gas cylinders and in form 'C' if the licence is granted to fill and store any compressed gas in cylinders;
- (ii) the licence sought to be amended together with the approved plans attached to it;
- (iii) where any alterations in the licensed premises have been carried out, three copies of the properly drawn plans showing the alterations sanctioned under rule 60 by the Chief Controller.
- (iv) fees for the amendment of the licence as specified in sub-rule (2).

62. Renewal of licence.—(1) A licence may be renewed by the Chief Controller.

(2) Every licence granted in Form 'E' and Form 'F' under these rules, may be renewable for three financial years where there has been no contravention of the provisions of the Act or any rules framed thereunder or of any condition of the licence so renewed.

(3) Where a licence which has been renewed for more than one year is surrendered before its expiry, the renewal fee paid for the unexpired portion of the licence shall be refunded to the licensee provided that no refund or renewal fee shall be made for any financial year during which the Chief Controller receives the renewed licence for surrender.

(4) Every application for the renewal of a licence shall be accompanied by the licence which is to be renewed together with approved plans attached to the licence, and the renewal fee.

(5) Every application for the renewal of a licence shall be made so as to reach the licensing authority at least thirty days before the date on which it expires and if the application is so made, the licence shall be deemed to be in force until such date as the Chief Controller renews the licence or until an intimation that the renewal of the licence is refused has been communicated to the applicant.

(6) Where the renewal of a licence is refused, the fee paid shall be refunded to the licensee after deducting therefrom the proportionate fee for the period beginning from the date from which the licence was to be renewed upto the date on which renewal thereof is refused.

(7) The same fee shall be charged for the renewal of a licence for each financial year as for the grant thereof :

Provided that—

- (i) if the application with accompaniments required under sub-rule (4) is not received within the time specified in sub-rule (5), the licence shall be renewed only on payment of a fee amounting to twice the fee ordinarily payable;
- (ii) if such an application with accompaniments is received by the Chief Controller after the date of expiry but not later than thirty days from the date of expiry, the licence may, without prejudice to any other action that may be taken in this behalf, be renewed on payment of twice the fee ordinarily payable.

Provided further that in the case of an application for the renewal of a licence for a period of more than one financial year at a time, the fee prescribed under the first proviso, if payable, shall be paid only for the first financial year of renewal.

(8) No licence shall be renewed if the application for renewal is received by the Chief Controller after thirty days of the date of its expiry.

63. Refusal of licence.—(1) The Chief Controller shall, while refusing to grant, amend, renew a licence, record his reasons for such refusal in writing.

(2) A copy of the order containing the reasons for such refusal shall be given to the applicant on payment of a fee of rupees five paid in the manner prescribed in rule 72.

64. Suspension and Cancellation of licence.—(1) Every licence granted under these rules shall be liable to be suspended or cancelled by an order of the Chief Controller for any contravention of the Act or of any rules framed thereunder or of any condition contained in such licence, or by an order of the Central Government if at any time the continuance of the licence in the hands of the licensee is deemed objectionable, provided that—

- (i) before suspending or cancelling a licence under this rule, the holder of the licence shall be given an opportunity of being heard;
- (ii) the maximum period of suspension shall not exceed three months; and
- (iii) the suspension of a licence shall not debar the holder of the licence from applying for its renewal in accordance with the provisions of rule 62.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1) an opportunity of being heard may not be given to the holder of a licence before his licence is suspended or cancelled in cases—

- (i) where the licence is suspended by the Chief Controller as an interim measure for violation of any of the provisions of the Act or these rules, or of any condition contained in such licence or in his opinion such violation is likely to cause imminent danger to the public;

Provided that where a licence is so suspended, the Chief Controller shall give the holder of the licence an opportunity of being heard before the order of suspension is confirmed;

- (ii) where the licence is suspended or cancelled by the Central Government, if that Government considers that in the public interest or in the interest of the security of the State such opportunity should not be given.

(3) The Chief Controller or the Central Government suspending or cancelling a licence under sub-rule (1), shall re-record its reasons for so doing in writing.

65. Procedure on expiration, suspension or cancellation of licence.—A person licensed to fill or store compressed gas shall, on the expiration, suspension or cancellation of his licence, forthwith give notice to the Chief Controller of the nature and quantity of compressed gas in his possession and shall comply with any directions which the Chief Controller may give in regard to its disposal.

66. Appeal.—(1) An appeal shall lie with the Central Government against any order passed by the Chief Controller refusing to grant, amend or renew a licence or cancelling or suspending a licence.

(2) Every appeal shall be in writing and shall be accompanied by a copy of the order appealed against and shall be presented within sixty days of the order passed.

67. Procedure on death or disability of licensee.—(1) If a licensee dies or becomes insolvent or mentally incapable or is otherwise disabled, the person carrying on the business of such licensee shall not be liable to any penalty of confiscation under the Act or these rules for exercising the powers granted to the licensee during such time as may reasonably be required to allow him to make an application for a new licence in his own name for the unexpired portion of the original licence in respect of the year in which the licensee dies or becomes insolvent or mentally incapable or is otherwise disabled :

Provided that nothing in this sub-rule shall be deemed to authorise the exercise of any power under this sub-rule by any person after the expiry of the period of the licence.

(2) A fee of rupees five shall be charged for a new licence for the unexpired portion of the original licence granted to any person applying for it under this rule and the fee shall be paid in the manner prescribed in rule 72.

68. Loss of licence.—Where a licence granted under these rules is lost or accidentally destroyed, a duplicate may be granted on submission of a copy of the plan or plans identical with those attached to the licence and on payment of a fee of rupees ten paid in the manner prescribed in rule 72.

69. Production of licence on demand.—(1) Every person holding or acting under a licence granted under these rules shall produce it, or on authenticated copy of it, at the place to which the licence applies, when called upon to do so by any of the officers specified in rule 77.

(2) Copies of any licence may, for the purposes of this rule, be authenticated by the authority which granted the licence—

- (a) on payment of a fee of rupees five in the manner prescribed in rule 72 for each authenticated copy; and
- (b) on the submission of a copy or copies of the plans identical with the approved plan or plans attached to the licence.

70. Procedure on reports of infringement.—The District Authority shall inform the Chief Controller of the action taken by him on any reports of infringement of the Act or of these rules which the Chief Controller may make to him.

71. Executive control over authorities.—Every authority, other than the Central Government, acting under this Chapter shall perform its duties subject to the control of the Central Government :

Provided that nothing in this rule shall be deemed to affect the powers of executive control of the Chief Controller over the officers subordinate to him.

72. Payment of fee.—All fees payable under these rules shall be paid through crossed demand draft drawn on any Nationalised Bank in favour of the Accounts Officer, Pay & Accounts Office, Department of Explosives, Nagpur. In case, however, the amount does not exceed Rs. 100 (rupees one hundred) the payment may be made by cash money order, postal order or cheque drawn on a local Bank.

CHAPTER VIII

73. Power to exempt.—If the Chief Controller is satisfied that in respect of any cylinder or class of cylinders or any mode of conveyance any of the requirements of these rules may be safely suspended or modified he may, by written order, authorise such suspension or modification for such period and under such condition as he may think fit. Any such order may be revoked at any time.

CHAPTER IX

Accidents and Inquiries

74. Notice of Accidents.—(1) The notice of an accident required to be given under sub-section (1) of section 8 of the Act shall be given forthwith—

- (i) to the Chief Controller by Express telegram (Telegraphic Address—Explosives, Nagpur) followed within 24 hours by a letter giving particulars of the occurrence; and
- (ii) to the officer in-charge of the nearest Police Station by the quickest route.

(2) Pending the visit of the Chief Controller, or his representative, or until instruction is received from the Chief Controller that he does not wish to make any further investigation or inquiry, all wreckage and debris shall be left untouched except in so far as its removal may be necessary for the rescue of the persons injured and recovery of the bodies of any persons killed by the accident or in the case of railways, for the restoration of through communication.

75. Inquiry into accidents.—(1) Whenever a District Magistrate, a Commissioner of Police or Magistrate subordinate to a District Magistrate (hereinafter in this rule referred to as the Magistrate) holds an inquiry under sub-section (1) of section 9 of the Act, he shall adjourn such an inquiry unless the Chief Controller or an officer nominated by him is present to watch the proceedings or the Magistrate has received written information from the Chief Controller that he does not wish to send a representative.

(2) The Magistrate shall, at least 14 days before holding an adjourned inquiry, send to the Chief Controller notice in writing of the time and place of holding the adjourned inquiry.

(3) Where an accident has been attended with loss of human life, the Magistrate, may before the inquiry is adjourned under sub-rule (1) take evidence to identify any bodies and may order the internment thereof.

(4) The Chief Controller or his representative shall be at liberty at any such inquiry to examine any witness.

(5) Where evidence is given at an enquiry of any neglect as having caused or contributed to the explosion or accident or of any defect in or about or in connection with any installation or any vehicle appearing to the Magistrate or Jury to require a remedy and the Chief Controller or the officer nominated by him is not present at the enquiry, the Magistrate shall send to the Chief Controller notice in writing of the neglect or defect.

76. Inquiry into more serious accidents.—(1) Whenever an inquiry is held under section 9A of the Act, the persons holding such inquiry shall hold the same in open Court in such manner and under such conditions as they may think most effectual for ascertaining the causes and circumstances of the accident, and enabling them to make the report under this rule :

Provided that where the Central Government so directs the inquiry may be held in camera.

(2) Persons attending as witnesses before the enquiry Court shall be allowed such expenses as would be allowed to witnesses to attending before a Civil Court subordinate to the High Court having jurisdiction in the place where the inquiry is held and in case of any dispute as to the amount to be allowed, the question shall be referred to the local Magistrate, who, on a request made by the enquiry officer, shall ascertain and certify the proper amount of such expenses.

(3) All expenses incurred in or about an inquiry or investigation under this rule shall be deemed to be part of the expenses of the Department of Explosives in carrying the Indian Explosives Act, 1884 (4 of 1884) into execution.

CHAPTER X

Powers

77. Dangerous practices.—(1) If in any matter which is not provided for by any express provision of, or condition of a licence granted under these rules, the Controller of Explosives finds any compressed gas filling station or a storage place, where a cylinder is being filled or possessed, or any part thereof or anything or practice therein or connected therewith or with the handling or transport of compressed gas cylinders, dangerous or defective, so as, in his opinion, to tend to endanger the public safety or the bodily safety of any person, such Controller may by an order in writing require the occupier of such filling station or storage place or the owner of the cylinder to remedy the same within such time as may be specified in the order, and the said occupier shall carry out the orders within the specified time.

(2) Where the occupier or owner objects to an order made under sub-rule (1), he may appeal to the Chief Controller within the time specified in the order for compliance with it, and the order of the Chief Controller on such appeal shall be final.

(3) Every appeal preferred under sub-rule (2) shall be in writing and shall be accompanied by a copy of the order appealed against and shall be made within a period of 30 days from the date of the order appealed against.

(4) If the occupier or owner fails to comply with an order made under sub-rule (1) within the time specified in it or, where an appeal is preferred under sub-rule (2), fails to comply with the order of the Chief Controller thereon within the time fixed in such order, he shall be deemed to have committed a breach of this rule.

78. Powers of inspection, search, seizure, detention and removal.—(1) Any of the officers, specified in the first column of the Table below may exercise the powers specified in sub-section (1) of section 7 of the Act in the area specified in the corresponding entry in the second column of that Table.

TABLE

Officers	Area
1. The Chief Controller, Deputy Chief Controllers, Controllers, Deputy Controllers and Assistant Controllers of Explosives.	The whole of India.
2. All District Magistrates . . .	Their respective districts.
3. All Magistrates subordinate to the District Magistrate.	Their respective jurisdiction.
4. The Commissioner of Police and all Police Officers of rank not below that of an Inspector.	In Presidency town or their suburbs.
5. All Police Officers of rank not below that of Sub-Inspector.	The respective area over which their authority extends.

Provided that the powers of removal and destruction under clause (d) of sub-section (1) of section 7 of the Act shall not be exercised by any Magistrate or Police Officer except under and in accordance with the instructions of the Chief Controller, Deputy Chief Controller, Controller or Deputy Controller or Assistant Controller of Explosives.

(2) Every facility shall be afforded to the officers specified in sub-rule (1) to ascertain that these rules are being duly observed.

SCHEDULE I

[See rule 3(1)]

TYPES AND STANDARDS OF CYLINDERS AND VALVES

A. CYLINDERS :

1. Austrian origin :

Seamless Steel cylinders manufactured by M/s Jos. Heiser of Austria—inspected and certified by Bureau Veritas conforming to specifications BS : 399, BS : 400, BS : 1045, Home Office 'S' and 'T', DOT : 3A : 1800 and above, DOT : 3AA : 1800 and above for permanent gases and BS : 401, BS : 1287, BS : 1288, DOT : 3A/DOT : 3AA for liquefiable gases.

2. Czechoslovakian Origin :

Seamless Steel cylinders manufactured by M/s Vitkovice Zelezarny Klementa Gottawalda of Czechoslovakia inspected and certified by Inspekta Praha conforming to specifications BS : 399 for permanent gases and BS : 401, BS : 1287 for liquefiable gases and CSN specification with steel conforming to CSN : 13142.6 for permanent high pressure liquefiable gases and with steel conforming to CSN : 11353.1 for low pressure liquefiable gases.

3. Hungarian origin :

Steel cylinders manufactured by Csepel Steel and Metal Works, Budapest—inspected and certified by Boiler Commissionary Chief Department of Government Supervision for

Energetics and Security of Technical Energy, Budapest conforming to specification MSZ : 2665-53 with Chrome Alloy steel designated as Cr. 135 having 200 mm. nominal diameter with 5 mm. minimum wall thickness for permanent and liquefiable gases.

4. Indian origin :

Welded Steel cylinders manufactured by Shri Ambica Cylinder Manufacturing Co. Ahmedabad, Apeejay Structural Ltd., Rajbandh, District Burdwan (West Bengal), Bharat Pumps and Compressors Ltd., Naini, Allahabad, Gannon Dunkerley and Co. Ltd., Bombay, Hindustan General Industries Limited, Nangloi, Delhi-41, Hyderabad Allwyn Metal Works Limited, Hyderabad, Ideal Engineers Hyderabad Private Limited, Hyderabad, Indian Gas Cylinders, Faridabad, Kosan Metal Products Pvt. Ltd., Bombay, Martin Burn Ltd., Calcutta—inspected and certified by ISI or any other appropriate authority approved by the Chief Controller, conforming to IS : 3196, IS : 7142, IS : 7680 and IS : 7681 specifications for low pressure liquefiable gas service.

(b) Seamless manganese steel cylinders for permanent and high pressure liquefiable gases conforming to IS : 7285 manufactured by Bharat Pumps and Compressors Ltd., Naini, Allahabad—inspected and certified by ISI.

5. Italian origin :

Steel cylinders manufactured by M/s Acciaieria E. Tubificio, Di Brescia—inspected and certified by Bureau Veritas conforming to specifications DOT : 3AA : 1800 and above for permanent gases and DOT : 3AA for liquefiable gases.

6. Japanese origin :

(a) Steel cylinders manufactured by M/s Showa Kotsu Kogyo Co. Ltd.—inspected and certified by Company's own Inspector or KHK or Lloyd's or Bureau Veritas conforming to specifications BS : 399, BS : 400, BS : 1045, Home Office 'S' & 'T', DOT : 3A : 1800 and above, DOT : 3AA : 1800 and above, JIS : B : 8241 : 1968 relating to Manganese Steel for permanent gases and BS : 401, BS : 1287, BS : 1288, DOT : 3A/DOT : 3AA for liquefiable gases.

(b) Steel cylinders manufactured by M/s Sumikin Kiko Co. Ltd./Sumitomo Metal Industries Ltd., or Nihon Kotsu Yoki—inspected and certified by KHK or Lloyd's or Bureau Veritas conforming to specifications BS : 399, BS : 400, BS : 1045, Home Office 'S' and 'T', DOT : 3A : 1800 and above, DOT : 3AA : 1800 and above, JIS : B : 8241 : 1968 relating to Manganese Steel for permanent gases and BS : 401, BS : 1287, BS : 1288, DOT : 3A/DOT : 3AA, for liquefiable gases.

(c) Steel cylinders manufactured by M/s Totsuka High Pressure Gas Cylinder Co. Tokyo, Japan, Kanto Kotsu Yoki Manufacturing Co. Ltd., Japan and Tokai High Pressure Cylinder Co. Ltd., Japan—inspected and certified by KHK or Lloyd's or Bureau Veritas conforming to specifications DOT : 3A : 1800 and above and DOT : 3AA : 1800 and above for permanent gases and DOT : 3A/DOT : 3AA for liquefiable gases.

7. Polish origin :

Seamless steel cylinders manufactured by M/s Prema Milmet, Poland made to PN-69222, BS : 1045 and BS : 1288 specifications, inspected and certified by Polish Government Inspecting Authority for permanent and liquefiable gases.

8. Russian origin :

Steel cylinders manufactured by approved manufacturers in U.S.S.R.—inspected and certified by appropriate authority conforming to specifications GOST : 949 : 57 and GOST : 949-73 for permanent and liquefiable gases.

9 U.K. origin :

(a) Steel cylinders manufactured by M/s Chesterfield Tube Co. Ltd., of U.K.—inspected and certified by Company's own Inspector or Lloyd's conforming to

specification BSS : 399, BS : 400, BS : 1045, Home Office 'S' and 'T', for permanent gases and BS : 401, BS : 1287, BS : 1288 for liquefiable gases.

(b) Aluminium Alloy cylinders manufactured by M/s Luxfer Limited—inspected and certified by National Vulcan Engineering Insurance Group Ltd., conforming to specifications HOAL-3 as per drawings No. 102017/ZAD/591, 102034/ZAD/583, 152048/ZAD/585, 152068/ZAD/586 and 176012/ZAD/2083.

10. USA origin :

Steel cylinders manufactured in U.S.A.—inspected and certified by appropriate authority, conforming to specifications DOT : 3A/3AA for permanent and liquefiable gases.

11. West German origin :

Steel cylinders manufactured by Mannesmann of West Germany—inspected and certified by Lloyd's or Bureau Veritas conforming to specifications BS : 1045, Home Office 'S' and 'T' for permanent gases and BS : 401, BS : 1287, BS : 1288 for liquefiable gases.

12. Yugoslavian origin :

Steel cylinders manufactured by Slavonski Partizan, Slavonski Brod of Yugoslavia—inspected and certified by Yugoslavian State Authority viz. Steam Boiler Inspection Authority or Lloyd's conforming to specifications BS : 1045, for permanent gases and BS : 401, BS : 1287, BS : 1288 for liquefiable gases and DGVO DIN 4664 for permanent and high pressure liquefiable gases.

B CONTAINERS :

1. Indian origin :

(a) Chlorine Tonne containers conforming to BS : 1500 : Part I Class I Vessels, manufactured by S/shri Ambica Cylinder Manufacturing Co. Ltd., Ahmedabad, Bharat Heavy Plates—Vessels Ltd., Visakhapatnam, Indian Sugar and General Engineering Corporation, Yamunanagar (Harvana), Kaveri Structural, Tiruchirappalli, Larsen and Toubro Ltd., Saki Vihar Road, Bombay, Anup Engineering Co. Ltd., Ahmedabad, inspected and certified by Lloyds.

(b) Tonne containers for low pressure liquefiable gas service conforming to BS : 1500 : Part I : Class I vessel, manufactured by M/s Central India Machinery Manufacturing Co., inspected and certified by Bureau Veritas.

(c) Tonne containers for low pressure liquefiable gas service conforming to BS : 1515, manufactured by M/s Larsen and Toubro Ltd., Saki Vihar, Bombay and inspected and certified by Lloyds.

2. Japanese origin :

Chlorine tonne containers conforming to BS : 1500 manufactured by Showa Kotsu Kogyo Co. Ltd.—inspected and certified by Company's own Inspector or KHK or Lloyd's or Bureau Veritas.

3. U.K. origin :

Chlorine tonne containers conforming to BS : 1515 : Part I : 1965 manufactured by John Thompson Horseley Bridge Ltd., inspected and certified by the Ocean Accident and Guarantee Corporation Ltd.

4. U.S.A. origin :

Chlorine tonne containers conforming to DOT : 106A : 500-X manufactured by Columbiana Boiler Co., inspected and certified by appropriate authority in U.S.A.

C. DISSOLVED ACETYLENE GAS CYLINDERS :

1. Australian origin :

Cylinders manufactured by M/s Jon Heiser Vormals J. Winters Sohn, Austria to BS : 401 specification and filled with Coyne 90-92 per cent porous mass—inspected and certified by Bureau Veritas.

2. Japanese origin :

Cylinders manufactured by M/s Kanto Koatsu Yoki manufacturing Co. Ltd., and Japan Coyne Cylinder Co. to IS : 7312 : 1974 filled with monolithic porous mass of 90-92 per cent porosity inspected and certified by Bureau Veritas.

3. Indian origin :

Cylinders manufactured by Bharat Pumps and Compressors Ltd., to IS : 7312 specification filled with Monolithic porous mass 90-92 per cent porosity inspected and certified by I.S.I.

4. Italian origin :

Cylinders manufactured by M/s Acciaieria E. Tubificio Di Brescia, Italy according to ICC : 8 specification having neck thread conforming to BS : 341—shell tested at a pressure not less than 900 p.s.i.g. and filled with Silica Sintex porous mass of 90-92 per cent porosity inspected and certified by Bureau Veritas.

5. U.K. origin :

Cylinders manufactured in U.K. to design No. DA. 759 and specification No. DA2A filled with appropriate porous mass, inspected and certified by British Oxygen Co. Ltd., U.K.

6. U.S.A. origin :

Cylinders manufactured by Pressed Steel Tank Company and Coyne International to ICC : 8 specification having neck thread conforming to BS : 341—shell tested at a pressure not less than 900 p.s.i.g. and filled with Covne 90-92 per cent monolithic porous mass—inspected and certified by appropriate authority in U.S.A.

7. Yugoslavian origin :

Cylinders manufactured by Slavonski Partizan, Slavonski Brod of Yugoslavia to BS : 401 and filled with Silica Sintex 92 per cent monolithic porous mass—inspected and certified by Lloyd's.

D. VALVES :

Valves conforming to IS : 3224 specification manufactured by the following Approved Manufacturers in India—inspected and certified by I.S.I. or appropriate authority as approved by the Chief Controller.

Gannon Dunkerley and Company Limited, Bombay.	Liquefied petroleum gas cylinder valves.
Indian Oxygen Limited, Calcutta.	Valves for high pressure gas cylinders, acetylene and liquefied petroleum gas cylinders.
Kosan Metal Products Private Ltd., Bombay.	Liquefied petroleum gas, Chlorine and Refrigerant cylinder valves.
Martin Burn Limited, Calcutta.	Liquefied petroleum gas cylinder valves.
Ramniklal Jivanlal Kinariwala and Company, Ahmedabad.	Chlorine/Ammonia cylinder valves.
Tekno valves, Calcutta.	Chlorine/Ammonia/Freon/Sulphur Dioxide cylinder valves and fusible plugs for container.
Vanaz Engineers Private Limited, Bombay.	Liquefied petroleum gas/acetylene ammonia/Argon/Butadiene/Carbon Dioxide/Chlorine/Ethyl Chloride/Ethylene/EthyleneOxide/Hydrogen/Mafron/Methyl Bromide/Nitrogen/Nitrous Oxide/Oxygen/Sulphur Dioxide/Fluoro Carbon cylinder valves.

SCHEDULE II

[See rule 3(2)]

(A) The test and inspection certificates to be obtained from the Inspecting Authority in respect of cylinders manufactured in accordance with the approved design and specification or Code shall include the following particulars, namely :—

1. Place and date of inspection.
2. Gas cylinders for gas.
3. Manufactured by
4. Location at
5. Manufactured for
6. Location for
7. Quantity
8. Serial Nos. from to inclusive.
9. Specification to which the cylinders are manufactured.
10. Size mm, outside diameter mm long.
11. Minimum wall thickness
12. Neck end threading as per specification.
13. Process of manufacture (whether spun type, or billet pierced or welded).
14. Method of heat treatment.
15. Design working pressure in Kg/cm² at 15°C or 65°C as the case may be.
16. Hydrostatic test/hydrostatic stretch test pressure in Kg/cm².
17. Record of Hydrostatic test/Hydrostatic stretch test with date of test, in respect of each cylinder.
18. Pneumatic test pressure in Kg/cm².
19. Result of pneumatic test.
20. Tare weight and water capacity of each cylinder.
21. Record of chemical analysis and physical properties of the steel used in the manufacture of cylinders.
22. Manufacturer's identification marks.
23. Inspector's mark.
24. Markings stamped on the shoulder of the cylinders.
25. Dated signature with stamp of the inspecting authority.

(B) The test and inspection certificates to be obtained from the Inspecting Authority in respect of valves manufactured in accordance with the approved design and specification or Code shall include the following particulars, namely—

1. Manufactured by —
2. Location at —
3. Manufactured for —
4. Location at —
5. Quantity —
6. Specification —
7. Results of inspection —
 - (a) Valve inlet connection.
 - (b) Valve outlet connection.
 - (c) Valve outlet number.
 - (d) Hydraulic Pressure test.
 - (e) Pneumatic Proof test.
 - (f) Tensile strength.

- (g) Elongation per cent.
- (h) Impact strength.
- (i) Quantity offered for inspection.
- (j) Quantity passed.
- (k) Quantity rejected and reasons for rejection.

8. Dated signature with stamp of the inspecting authority.

SCHEDULE III

[See rule 3(3)]

Particulars to be submitted by person desiring to Fabricate cylinders, valves and other fittings.

1. Applicant's name and full address.
2. Whether the applicant has manufactured any unfired pressure vessel/valve, if yes—
 - (i) Date from which such vessels/valves were manufactured.
 - (ii) For whom the pressure vessels/valves were fabricated and their approximate numbers.
 - (iii) Details of the pressure vessels/valves manufactured.
3. Specification/Codes proposed to be adopted for the manufacture of pressure vessels/valves.
4. Organisational set up of the applicant with specific reference to qualifications and experience of the personnel engaged in the manufacture of pressure vessels/valves.
5. Organisational set up of the inspecting personnel engaged by the applicant.
6. Process of manufacture of pressure vessels/valves, beginning with raw material and ending with the finished vessels/valves.
7. Quality control checks/tests carried out at each stage of manufacture of pressure vessels/valves.
8. (i) Details of the equipment installed for chemical analysis and mechanical tests.
- (ii) Details of templates/gauges provided to check/test.
- (iii) Steps taken to check the accuracy of testing and checking equipment and frequency of such checking.
9. Equipment available for carrying out non-destructive examination such as radiography, Gamma ray, ultrasonic tests etc.
10. List of machinery provided for manufacturing pressure vessels/valves.
11. Name and address of the independent inspecting authority.
12. Records and certificates of tests :
 - (i) Proforma of records for various tests carried out by the inspecting and certifying organisation, and
 - (ii) Proforma of test and inspection certificate issued by the independent inspecting authority.

SCHEDULE IV

[See rule 39(2)]

FACILITIES REQUIRED FOR CYLINDER TESTING STATIONS

1. Management : 1.1 General requirements—Personal, equipment, inspection procedures, recording and organisation shall be adequate and the test station will be operated to give consignment safe operating conditions. The procedures

and testing shall ensure that cylinders which fails to meet the requirements and intent of these rules are not returned into normal service. All personnel shall fully recognise their individual responsibilities and that the minimum inspectional requirement shall not be lowered for any reason whatsoever.

Note—The area of responsibility shall be divided into three separate functions as indicated below. The numbers of of personnel employed shall, however, be related to the quantum of work.

1.2 Manager—The manager responsible for the working of the test station shall be properly qualified; his qualifications shall include training on the dangers associated with gas cylinders, purpose of inspection, test methods, equipment, test requirements, and recording of test results, and he shall have appropriate technical qualification in Mechanical or Chemical Engineering. He shall also be conversant with the Codes, Specifications and/or Regulations applying to the cylinders for which the test station is approved.

1.3 Supervisor—The Supervisor shall possess the following qualifications, namely—

- (i) have at least two years experience in the examination of gas cylinder ;
- (ii) be at least 21 years of age ;
- (iii) be conversant with these rules, Codes, Specifications and/or Regulations applying to the cylinders for which the test station is approved.

1.4 Operator —

Personnel conducting inspections and tests shall have qualifications and experience suitable for the work on which they are engaged. They shall be trained to understand the dangers associated with gas cylinders and the purpose and method of inspection.

2 Equipment —

2.1 Type of equipment —

The test station shall have adequate equipment to carry out inspection and testing of cylinders as required under these rules. It shall contain—

- (i) One set of these rules, Codes, Specifications and/or Regulations applying to the cylinders which the test station is authorised to test. All these rules, Codes, Specifications and/or Regulations shall be maintained with all current amendments.
- (ii) Hydrostatic test apparatus comprising pressuring equipment pressure gauge and volumetric measuring equipment in accordance with IS : 5844—Hydrostatic stretch testing of compressed gas cylinders. The apparatus shall be equipped with at least two 15 cm diameter (minimum) working pressure gauges.
- (iii) Dead-weight pressure gauge tester of appropriate pressure range or a calibrated pressure gauge of 15 cm. minimum diameter covering the appropriate pressure range.
- (iv) Extra-low voltage lamps to permit adequate internal viewing of cylinders and other lamps necessary for closed examination of external surfaces.
- (v) Straightedges, templates, miscellaneous tool, and gauges for measurement.
- (vi) Weighing equipment, where applicable.
- (vii) One set of standard test weights for the weighing machine, stamped by the relevant statutory authority.
- (viii) Adequate cylinder handling equipment.
- (ix) Adequate cylinder draining equipment.
- (x) Facilities for internal drying of cylinders.
- (xi) Marking and stamping equipment.

2.2 Accuracy —

The accuracy of equipment shall be as follows :—

- (i) Hydrostatic test apparatus in accordance with IS : 5844. Volumetric equipment shall be capable of measuring a permanent change in volume of the cylinder under test of the order of 1/20,000 of its total capacity.
- (ii) Weighing equipment error not greater than ± 1.0 per cent.
- (iii) Working pressure gauge error not greater than 1 per cent of the test pressure.
- (iv) Calibrated pressure gauge error not greater than 0.25 per cent of the full scale deflection.

2.3 Calibration —

Calibration of equipment shall be carried out at periods not exceeding the following —

- (i) Working pressure gauge—3 weeks.
- (ii) Calibrated pressure gauge—6 months.
- (iii) Weighing equipment—checked by test weight daily when in service.
- (iv) Test weights—2 years.

3. Working conditions —

Working conditions for the test stations shall be conducive to accurate and safe inspection and testing of gas cylinders. The test station shall comply with the following conditions :—

- (i) It shall have good lighting to permit ready external examination of gas cylinders, preferably including natural lighting.
- (ii) It shall have adequate ventilation to remove residual gases from cylinders.
- (iii) It shall provide sufficient space to permit safe working.
- (iv) It shall be maintained in a clean dry condition.

4. Condition of cylinders for test :

Cylinders forwarded to the test station for testing shall have first been emptied of their contents and then labelled as 'empty'. Irrespective of this label all cylinders other than cylinders at the manufacturers works shall be presumed to contain gas under pressure and the following precautions shall accordingly be observed :

- (i) The cylinder contents shall be released in a safe manner keeping in mind dangers associated with the nature of the gas in the cylinder. Cylinders which contain or may have been contaminated by poisonous or obnoxious substances shall be emptied only by test stations properly equipped and experienced to handle the particular gas. Such cylinders shall be clearly labelled that they have been contaminated.
- (ii) The valve shall be opened and if no gas escapes and the port is not visibly blocked, a charge of low pressure nitrogen or other inert gas shall be blown into the valve outlet. Discharge of gas after removal of the nitrogen supply indicated the cylinder is empty. When no gas discharges the valves shall be treated as "obstructed". Where a cylinder has contained poisonous or obnoxious substances, and the valve is suspected of being obstructed, the gas shall be released within an approved appliance and the valves shall be removed in such a manner that the gas escapes without danger to the operator.
- (iii) Should the valve be obstructed the contents of the cylinder shall be released in a safe manner as stated in (i) above. Work on cylinders containing combustible gases shall be carried out in the open air.

Note :—A suitable method of dealing with a valve in which the spindle cannot be removed is to drill a 1/16th in (1.6 mm) diameter hole with a hand drill through the valve body to the gas passage below the spindle seating. Alternatively, a fine-tooth hacksaw may be used. Drilling or sawing must be stopped immediately upon the first sign of escaping gas. A continuous jet of water must be directed on to the cutting tools and the operator must wear protective clothing.

5. Inspection and test —

The test station shall adopt procedures which fully comply with requirements of these rules.

SCHEDULE V

[See rule 2 (xv) and 56]

Sl. No.	Form of Licence	Purpose for which granted	Authority empowered to grant licence		Fees Rupees
1.	D	To import cylinders filled or intended to be filled with compressed gas.	Chief Controller of Explosives.	For the first 100 nos. cylinders or part thereof. Exceeding 100 nos. but not exceeding 500 nos. cylinders. Exceeding 500 nos. of cylinders Rs. 200.00 for every additional 500 nos. of cylinders or part thereof.	100.00 200.00
2.	E	To fill compressed gas in cylinders.	Chief Controller of Explosives.	For each type of gas filled in the plant, namely (a) toxic, (b) non toxic and non flammable, (c) non toxic and flammable, (d) dissolved acetylene gas, (e) non-toxic and flammable liquefiable gas other than LPG or (f) liquefied petroleum gas, as the case may be.	500.00
3.	F	To store compressed gas in cylinders.	Chief Controller of explosives.	(i) For toxic gases (permanent as well as liquefied). Exceeding 5 nos. but not exceeding 100 nos. cylinders.	100.00

Sl. No.	Form of Licence	Purpose for which granted	Authority empowered to grant licence	Fees Rupees
			Exceeding 100 nos. but not exceeding 500 nos. cylinders.	200.00
			Exceeding 500 nos. of cylinders, Rs. 200.00 for every additional 500 nos. of cylinders or part thereof.	
		(ii) For non toxic and non-flammable gases : (permanent as well as liquefied).		
		Exceeding 50 nos. but not exceeding 500 nos. of cylinders.		100.00
		Exceeding 500 nos. of cylinders Rs. 200.00 for every additional 500 nos. of cylinders or part thereof.		
		(iii) For non-toxic and flammable permanent gases :		
		Exceeding 15 but not exceeding 200 cylinders		100.00
		Exceeding 200 but not exceeding 500 nos. of cylinders.		200.00
		Exceeding 500 nos. of cylinders of Rs. 200.00 for every additional 500 nos. of cylinders or part thereof.		
		(iv) For non-toxic and flammable liquefiable gases other than LPG :		
		Exceeding 125 Kg. but not exceeding 500 Kg.		100.00
		Exceeding 500 Kg. but not exceeding 1000 Kg.		150.00
		Exceeding 1000 Kg. but not exceeding 5000 Kg.		200.00
		Exceeding 5000 Kg. but not exceeding 10,000 Kg.		300.00
		Exceeding 10,000 Kg. Rs. 200.00 for every additional 5000 Kg. or part thereof.		
		(v) For liquefied petroleum gases :		
		Exceeding 100 Kg. but not exceeding 500 Kg.		100.00
		Exceeding 500 Kg. but not exceeding 1000 Kg.		150.00
		Exceeding 1000 Kg. but not exceeding 5000 Kg.		200.00
		Exceeding 5000 Kg. but not exceeding 10,000 Kg.		300.00
		Exceeding 10,000 Kg. Rs. 200.00 for every additional 5000 Kg. or part thereof.		
		(vi) For acetylene gas contained in cylinders in dissolved state :		
		Exceeding 15 but not exceeding 200 cylinders.		100.00
		Exceeding 200 but not exceeding 500 nos. of cylinders.		200.00
		Exceeding 500 nos. of cylinders Rs. 200.00 for every additional 500 nos. of cylinders or part thereof.		

[F.No. 2(11)/76-MI/MCI]
R.N. CHOPRA, Addl. Secy.

FORM A

[See rule 29(2)]

Declaration to be made by the Master of a ship carrying cylinders filled with compressed gas before entering a port or by the ship's agent.

			Name of the ship.....			
Description of filled cylinders	True chemical name and nature of the gas i.e. whether flammable corrosive or toxic.	Total quantity carried in the ship		Quantity to be landed at port		Remarks
		No. of cylinders.	Kg. or M ³ of gas	No. of cylinders	Kg. or M ³ of gas	

Dated the day of 19.....

Signature of Master/Agent of Ship.

FORM B

(See rules 57 and 61)

Application for the grant/amendment of a licence to import cylinders :

1. Applicant's name

Applicant's age

Applicant's calling

Applicant's address

2. Particulars of storage licence held by :

(i) Number and date of storage licence issued by the Chief Controller of Explosives.

(ii) Renewed/valid upto

(iii) Capacity of storage as per above licence.

3. Description of the cylinders to be imported :

(i) Number of cylinders ;

(ii) Specification of cylinders ;

(iii) Manufactured by ;

(iv) Inspected and tested by ;

(v) Specification of the valves fitted to the cylinders.

*(vi) Filled with

(True chemical name of the gas)

*(vii) Filling pressure at 15°C if filled with permanent gas or dissolved acetylene.

*(viii) Filling ratio, if filled with a liquefiable gas.

(ix) Date of last hydraulic stretch test.

(x) Rotation numbers of cylinders.

4. Cylinders proposed to be store at.....

5. Remarks

Date of application

Signature of applicant

Postal address of the applicant

Note :-1. Particulars marked with *are not required to be furnished if empty cylinders are desired to be imported.

2. Manufacturers test and inspection certificates complete in all respects pertaining to each lot of cylinders and valve shall accompany this application.

3. In case cylinders are desired to be imported duly filled with gas, fillers certificates in respect of items 3(vi), (vii) and (ix) shall be furnished.

FORM C

(See rules, 57, 61 and 62)

Application for the grant /amendment/renewal of a licence to fill and/or store compressed gas in cylinders

Documents listed overleaf must be enclosed with this application, if it is for the grant of a licence in form 'L' and 'F'.

The replies to be given in this column.

1. Applicant's name**
 " calling
 " Full postal address
2. Situation of the premises where compressed gas is to be stored /
 filled.
 State
 District
 Town or village
 Nearest Police Station
 Nearest Rly. Station
3. Nature of each compressed gas proposed to be filled/stored
 namely :
 (a) toxic (b) non toxic and non-flammable
 (c) non toxic and flammable (d) dissolved acetylene gas (e) non
 toxic and flammable liquefiable gas other than LPG or (f)
 liquefied petroleum gas.
4. Chemical name of each compressed gas proposed to be filled/
 stored
5. Quantity of each compressed gas proposed to be filled/stored in
 terms of numbers for gases mentioned under items 3(a), 3(b),
 3(c) or 3(d) ; and in terms of Kgs. for gases mentioned under
 items 3(e) or 3(f)
6. Nature, chemical name and quantity of each compressed gas al-
 ready filled/stored in the premises.
7. Number of the licence held for the premises and the full name of
 the holder of the licence.

I hereby declare that the statements made above have been checked up by me and are true and I undertake to abide by the norms and conditions of the licence which will be granted to me.

Date of application :

Signature and designation of the
applicant

**Where the application is made on behalf of a Company, the name and address of the Company and the name of the Manager or Agent should be given and the application should be signed by him. Every change in the name of the Manager or Agent shall be forthwith intimated to and his specimen signature filed with licensing authority.

DOCUMENTS REQUIRED TO BE SUBMITTED WITH THIS APPLICATION FOR A LICENCE IN FORM 'L' AND 'F'.

- (i) Four copies of specification and plans approved under rule 55.
 (NOT REQUIRED FOR RENEWAL OF A LICENCE WITHOUT AMENDMENTS).
- (ii) Licence together with approved plans and specifications attached thereto.
 (NOT REQUIRED FOR THE FIRST GRANT OF A LICENCE).
- (iii) Requisite amount of fee for the grant, amendment or renewal of a licence paid in the manner specified in Rule 72.

FORM D

(See rules 57 and 58)

LICENCE TO IMPORT GAS CYLINDERS BY SEA

No.

Fee Rs.

Licence is hereby granted to M/s.....
 to import by sea at any one time cylinders of the description given below at the port.....
 for consignment to.....subject to the provisions of the Indian Explosives Act, 1884 and the rules framed thereunder and to the conditions on the back of this licence.

This licence shall remain in force till the.....19.....

Date.....

LICENSING AUTHORITY

DESCRIPTION OF THE CYLINDERS

1. Number of cylinders.
2. Specification of cylinders.
3. Manufactured by :

4. Inspected and tested by :
5. Specifications of the valves fitted to the cylinders.
6. Filled with.....
(True chemical name of the gas).
7. Filling pressure at 15C, if filled with permanent gas or dissolved acetylene.
8. Filling ratio, if filled with a liquefiable gas.
9. Date of last hydraulic stretch test.
10. Rotation numbers of cylinders.

The licence liable to be cancelled if the cylinders do not conform to the description given in the body of the licence and for contravention of any of the rules and conditions under which this licence is granted and the holder of the licence is also punishable as provided for under Section 5(3) (a), (b) and (c) of the Explosives Act, 1884.

CONDITIONS OF LICENCE

1. This licence shall become void after the expiry of the period mentioned therein.
2. Filled cylinders on becoming empty shall not be refilled with any gas except after obtaining prior concurrence of the licensing authority.
3. The licensee shall make prior arrangements for expeditious removal of the filled cylinders from the port of importation to an authorised premises.

FORM E

(See rule 57 and 58)

Licence No..... Fee Rs.....

Licence is hereby granted to.....
valid only for the filling of cylinders with compressed gas in the licensed premises described below and shown in the plan No.....
subject to the provisions of the Indian Explosives Act 1884 (4 of 1884) and the rules made thereunder and to the further conditions of this licence.

The licence shall remain in force upto 31st day of March 19.....

The.....19..... chief Controller of Explosives

DESCRIPTION AND LOCATION OF THE LICENSED PREMISES

The licensed premises the layout boundaries and other particulars of which are shown in the attached approved plan No.....
.....are situated at.....and consist of.....
.....for filling of the gas(es) in cylinders as described hereunder :

Type of gas

- (a) Toxic
- (b) non-toxic and non-flammable
- (c) non-toxic and flammable
- (d) dissolved acetylene gas
- (e) non-toxic and flammable liquefiable gas other than LPG.
- (f) Liquefied petroleum gas

and is situated at.....

(Plot Number (Name of street) (village or town)

(Police station) (District)

SPACE FOR ENDORSEMENT OF RENEWALS

This licence should be renewable without any concession in fee for three years in the absence of contraventions of Indian Explosives Act, 1884 or Gas Cylinders Rules 1981, framed thereunder or of the conditions of this licence.	Date of renewal	Date of expiry	Signature and office stamp of the licensing authority

This licence is liable to be cancelled if the licensed premises are not found conforming to the description and conditions attached thereto and contravention of any of the rules and conditions under which this licence is granted and the holder of this licence is also punishable with imprisonment for the term which may extend to two years, or with fine which may extend to three thousand rupees, or with both.

CONDITIONS

1. The licensed premises shall not be used for any purpose other than filling compressed gas into cylinders and keeping

thereof for the time being and for the purpose connected therewith.

2 No cylinder shall be filled with any compressed gas unless —

- (i) such cylinder has been approved in writing by the Chief Controller for filling ; and
- (ii) the cylinder has been examined and tested as required under the relevant rules.

3. Before filling, every cylinder with its valve and other fittings shall be carefully examined to ensure that it complies in all respects with the relevant provisions of the rules and shall be completely emptied before it is passed for filling.

4. No cylinder shall be filled with any compressed gas in excess of the design working pressure and the filling ratio prescribed under the rule.

5. Where it becomes necessary to change the valve and other fittings of the cylinder, a check shall be maintained on the tare weight originally stamped on the cylinder and necessary corrections made for any variation.

6. No cylinder which is not painted with appropriate colour as prescribed in the rules shall be filled with any compressed gas.

7. Compressing and filling apparatus for any gas shall be wholly distinct from and unconnected with the compressing and filling apparatus for any other gas.

8. No cylinder shall be filled with any compressed gas between the hours of sunset and sunrise except in the manner and under such other condition(s) specially endorsed on the licence.

9. All electrical equipment such as motors, switches, starters, etc., installed in the premises used for compressing and filling of flammable gases shall be of flameproof construction conforming to IS : 2148.

10. No artificial light capable of igniting flammable vapour or gas shall at any time be present at the premises during the filling of any compressed gas in cylinder and no person engaged in such filling shall smoke.

11. Every person managing or employed on or in connection with the licensed premises shall abstain from any act whatsoever which tends to cause fire or explosion and which is not reasonably necessary and to the best of his ability, shall prevent any other person from doing such act.

12. The licensee shall provide at the licensed premises a minimum of two portable foam type or dry chemical type fire extinguishers of 9 kg. each which shall be kept ready at a convenient location for immediate use in the event of any fire. Such fire extinguishers shall be periodically checked for their serviceability.

13. All filling operations shall be supervised under the direct supervision of a competent person.

14. The licensed premises used for compressing and filling of liquefied petroleum gas shall at all time maintain a clear safety zone of 10 metres all round from any building, public place, public road or any adjoining property which may be built upon.

15. The licensed premises shall be constructed of non-flammable materials and adequately ventilated.

16. Any accident, fire or explosion within the licensed premises which is attended with loss of life or serious injury to person or property shall be immediately reported to the nearest Magistrate or to the Officer-in-Charge of the nearest Police Station and by Express telegram to the Chief Controller of Explosives (Telegraphic address "EXPLOSIVES", NAGPUR).

17. Free access to the licensed premises shall be given at all reasonable time to any of the officers listed in rule 78 and every facility shall be afforded to such officer for ascertaining that the rules and the conditions of this licence are duly observed.

FORM F

(See rules 57 and 58)

Licence No.

Fee Rs.

Licence is hereby granted to valid only for the possession of cylinders filled with compressed gas in the licensed premises described below and shown in the plan No subject to the provisions of the Indian Explosives Act, 1884 (4 of 1884) and the rules made thereunder and to the further conditions of this licence.

The licence shall remain in force upto 31st day of March 19

Chief Controller of Explosives.

Description and location of the licensed premises.

The licensed premises, the layout boundaries and other particulars of which are shown in the attached approved plan No. are situated at and consist of of possession of the gas contained in cylinders as described hereunder:

Type of gas	Quantity
(a) toxic
(b) non-toxic and non-flammable
(c) Non-toxic and flammable
(d) dissolved acetylene gas
(e) non-toxic and flammable liquefiable gas other than LPG.
(f) liquefied petroleum gas

and is situated at

(Plot Number) (Name of street) (village or Town) (Police Station) (District)

SPACE FOR ENDORSEMENT OF RENEWALS

This licence shall be renewable without any concession in fee for three years in the absence of contraventions of Indian Explosives Act 1884, or Gas Cylinders Rules, 1981, framed thereunder or of the conditions of this licence.

Date of renewal

Date of expiry

Signature and stamp of the licensing authority.

This licence is liable to be cancelled if the licensed premises are not found conforming to the description and conditions attached hereto and contravention of any of the rules and conditions under which this licence is granted and the holder of this licence is also punishable with imprisonment for the term which may extend to two years or with fine which may extend to three thousand rupees, or with both.

CONDITIONS

1. The licensed premises shall not be used for any purpose other than for keeping of compressed gas filled in cylinders.

2. Compressed gas cylinders shall be stored only in the storage shed which shall be constructed of suitable non-flammable materials provided that, when only non-flammable gas filled in cylinder is stored, the beams, rafters, columns, windows and doors may be of wood.

3. The storage shed shall be adequately ventilated near the ground level and near or in the roof. In case the storage shed is used for keeping L.P. gas cylinder, the ventilators shall be provided with two thicknesses of fine copper or other non-corroding metal wire gauze of mesh not less than 11 to the linear centimetre.

4. As far as possible, different types of gases should not be stored in the same shed. Where different types of gas cylinders are stored in the same shed, cylinders may be grouped together depending on the nature of the gas contained therein e.g. flammable gas cylinders shall be separated from cylinders containing oxidising gases by an intervening space of one metre or by a fire resisting partition wall in between them and cylinders containing toxic gases shall be segregated from the cylinders containing non-toxic gases by a suitable partition wall.

5. The following distances shall be kept clear at all times between any building, public place public road or any adjoining property which may be built upon and the storage shed used for the storage of liquefied petroleum gas cylinder —

Quantity of compressed gas in cylinders	Minimum distance to be kept clear
Kg.	Metres
0 — 100	—
101 — 1000	3
1001 — 4000	5
4001 — 8000	7
8001 — 12000	9
12001 — 30000	12
over 30000	15

Provided that the distance specified above may be reduced by the Chief Controller (i) where screen walls are provided or other special precautions taken, or (ii) where there are special circumstances which in the opinion of the Chief Controller would justify such reduction.

6. Notwithstanding anything contained in condition 5 above, cylinders containing liquefied petroleum gas exceeding 100 kg., but not exceeding 300 kg. may be kept in a storage shed forming part of, or attached to a building, provided that it is separated therefrom by a substantial partition and the only means of access to it is from outside air, such a storage shed shall not be situated under any staircase, or near other entrances to, or exists from the rest of the building or other buildings.

7. A shed used for storage of liquefied petroleum gas cylinders shall be surrounded by a suitable fence to prevent unauthorised persons from having access to the shed.

8. Thin wall cylinders shall not be stacked in a horizontal position, provided that in case of liquefied petroleum gas cylinders, the following method of stacking may be permitted :—

- if stored vertically, shall not be stacked more than 3 high ; or
- if stored horizontally shall not be stacked more than 5 high in the case of full cylinders and 7 high in the case of empty cylinder ;
- the pile of the cylinders shall be kept stable by using chocks at the ends ;
- at least 60 centimetric wide gangway, to permit access and manœuvring of cylinders, shall be left between stacks of single or double rows and between stacks and walls.

9. True chemical name(s) of the gases shall be prominently displayed in the storage shed.

10. The storage shed shall be in the charge of a competent person.

11. Any accident, fire or explosion within the licensed premises which is attended with loss of life or serious injury to person or property shall be immediately reported to the nearest Magistrate or to the Officer-in-Charge of the nearest Police Station and by Express telegram to the Chief Controller of Explosives (Telegraphic address—"EXPI.OSIVES", NAGPUR).

12. Any person storing gas cylinders, when called upon by a notice in writing, to execute any additions, alterations or repairs to the gas cylinders, storage shed, which in the opinion of the inspecting authority, are necessary for the safety of the premises, shall execute the said additions, alterations or repairs within such period not being than one month from the date of receipt of the notice, as may be specified in the notice.

13. No shed used for storage of flammable gases shall be opened and no handling of the gas cylinders shall be permitted between the hours of sunset and sunrise, except where approved electric lighting is exclusively used.

14. The storage shed and the area surrounding it shall at all times be kept clean and free from all flammable materials, waste vegetation and rubbish.

15. (a) No fire, furnace or other source of heat or light other than flameproof electric light and fittings shall be allowed in the storage shed and within the safety zone required to be maintained under condition 5.

(b) No person shall smoke in the storage shed or carry matches, fuses or other appliances for producing ignition in the premises. Conspicuous 'No smoking' signs in Hindi, English and the regional language shall be pasted or hung up at prominent places outside the storage shed.

16. The licensee shall provide at the licensed premises a minimum of two portable foam type ordinary chemical type fire extinguishers of 9 kg. each which shall be kept ready at a convenient location for immediate use in the event of any fire. Such fire extinguishers shall be periodically checked for their servicability.

17. Free access to the licensed premises shall be given at all reasonable times to any of the officers listed in rule 78 and every facility shall be afforded to such officer for ascertaining that the rules and the conditions of this licence are duly observed.